



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-10072025-264500
CG-DL-E-10072025-264500

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 481] नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई 7, 2025/आषाढ़ 16, 1947
No. 481] NEW DELHI, MONDAY, JULY 7, 2025/ASHADHA 16, 1947

राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 जून, 2023

राष्ट्रीय कौशल अर्हता फ्रेमवर्क – 2023

फा. सं. 22001/01/2023/एनसीवीईटी.—राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद् (एनसीवीईटी) को अधिसूचित करने और गठित करने के संबंध में दिनांक 05 दिसम्बर, 2018 की अधिसूचना सं. एसडी-17/113/2017-ईएंडपीडब्ल्यू के अनुसरण में और 'एनसीवीईटी' के अर्हता पैकेजों के अनुमोदन और दिशानिर्देशों में यथानिर्धारित तरीके से अर्हता पैकेजों के अनुमोदन' के लिए दिशानिर्देश तैयार करने के लिए एनसीवीईटी को शक्ति प्रदान करने के संबंध में उक्त अधिसूचना के पैरा 16(च) के प्रावधानों और बाद में सरकार द्वारा राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क के अनुमोदन तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा दिनांक 10 अप्रैल, 2023 के तहत इसकी अधिसूचना और दिनांक 21 अप्रैल, 2023/वैशाख 1, 1945 के फा. सं. 2-3/2022 (क्यूआईपी) के तहत जारी सार्वजनिक सूचना के आधार पर, विगत की दिनांक 27 दिसम्बर, 2013 की अधिसूचना को अधिक्रित करते हुए एतद्वारा युक्तिसंगत और संशोधित राष्ट्रीय कौशल अर्हता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) अधिसूचित किया जाता है, जिसका व्यौरा नीचे दिया गया है:-

1. एनएसक्यूएफ के लिए प्रयोज्य परिभाषाएं

- “क्षमता” से अभिप्रेत उत्तरदायित्व की भूमिकाओं के निर्वहन में अर्जित ज्ञान, कौशलों और व्यक्तिगत व सामाजिक क्षमताओं का उपयोग करने की प्रमाणित योग्यता से है। यह किसी कार्य को करने की योग्यता है।
- “परिषद्” से राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद् (एनसीवीईटी) अभिप्रेत है।

- iii. “क्रेडिट” यह मान्यता है कि शिक्षु ने पूर्व निर्धारित परिणामों के साथ अर्हता के अनुरूप शिक्षण का एक पूर्व पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है और एक निश्चित राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क (एनसीआरएफ)/ राष्ट्रीय कौशल अर्हता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) स्तर पर, ऐसे शिक्षण के परिणामों को प्राप्त करने के लिए मूल्यांकनों के अध्यधीन है।
- iv. “ज्ञान” शिक्षण के माध्यम से सूचना को आत्मसात करने के परिणाम के संदर्भ में है। ज्ञान तथ्यों, सिद्धान्तों, मतों व प्रथाओं का समूह है, जो कार्य, कौशल या अध्ययन के संबंध में है। ज्ञान को मतात्मक और/ अथवा तथ्यात्मक के रूप में वर्णित किया गया है।
- v. “शिक्षु” औपचारिक या गैर-औपचारिक व्यवस्था में व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण/ कौशल विकास प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे व्यक्ति के संदर्भ में हैं।
- vi. “शिक्षण के परिणाम” यह दर्शाते हैं कि शिक्षु शिक्षण की प्रक्रिया को पूरा करने पर क्या जानता है, समझता है और क्या करने में योग्य है और जिसे ज्ञान, कौशलों और क्षमता के संदर्भ में व्यक्त किया जाएगा।
- vii. “राष्ट्रीय कौशल अर्हता समिति” अथवा “एनएसक्यूसी” एनएसक्यूएफ के अंतर्गत अर्हताओं के अनुमोदन के लिए स्थापित समिति के संदर्भ में है।
- viii. “अर्हता” से वह कौशल क्षमता अभिप्रेत है, जिसके संबंध में परिषद् ने एक अर्हता चैकेज अनुमोदित किया है। एक अर्हता अर्जित करने से एक औपचारिक शिक्षण का परिणाम प्राप्त होता है, जो मूल्यांकन और सत्यापन प्रक्रिया पर आधारित होता है, जब एक सक्षम निकाय यह निर्धारित करता है कि किसी व्यक्ति ने दिए गए मानकों के अनुसार निर्धारित शिक्षण के परिणाम प्राप्त किए हैं।
- ix. “पूर्व शिक्षण की मान्यता” अथवा “आरपीएल” से अर्हता प्राप्त करने के लिए पूर्व शिक्षण के अनुभव अथवा कौशलों वाले व्यक्तियों का मूल्यांकन और प्रमाणन करना अभिप्रेत है।
- x. “क्षेत्र” से ऐसी व्यावसायिक गतिविधियों का समूह अभिप्रेत है, जो उनके मुख्य आर्थिक कार्य, उत्पाद, सेवा या प्रौद्योगिकी के आधार पर है।
- xi. “कौशल” से ज्ञान का प्रयोग करने और कार्यों को पूरा करने तथा समस्याओं का समाधान करने के लिए तकनीकी जानकारी का उपयोग करने की योग्यता अभिप्रेत है।
- xii. “प्रशिक्षण” से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है, जो शिक्षुओं को प्रशिक्षित, अनुदेशित, शिक्षित करता है अथवा अर्हता प्राप्त करने के लिए उपयुक्त ज्ञान और कौशलों को अर्जित करने के लिए अन्यथा सक्षम बनाता है।
- xiii. “प्रशिक्षण प्रदाता”, “प्रशिक्षण निकाय” अथवा “संस्था” और “संस्थान” से ऐसा व्यक्ति अथवा संगठन अभिप्रेत है, जो किसी अर्हता के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए परिषद् द्वारा मान्यता प्राप्त अवार्डिंग निकाय से संबद्ध है।
- xiv. किसी अन्य शब्द, जिसे यहाँ परिभाषित नहीं किया गया है, का अर्थ वही होगा, जो एनएसक्यूएफ की अधिसूचना सं. 8/6/2013-आईएनवीटी, दिनांक 27 दिसम्बर, 2013 में दिया गया है।

2. भारत में कौशल अर्हता फ्रेमवर्क के विकास की पृष्ठभूमि

- 2.1 राष्ट्रीय कौशल विकास नीति, 2009 के माध्यम से भारत ने एक राष्ट्रीय अर्हता फ्रेमवर्क विकसित करने की आवश्यकता को पहचाना था, जो सामान्य शिक्षा के साथ-साथ व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण दोनों का अधिक्रमण करेगा। नीति में यह परिकल्पना की गई थी कि इस फ्रेमवर्क से कौशल विकास में सुधारों को प्रोत्साहन और समर्थन दिया जाएगा और राष्ट्रीय स्तर पर मानकीकृत, स्वीकार्य तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तुलनात्मक अर्हताओं की स्थापना में सुविधा प्रदान की जाएगी। इस तरह के फ्रेमवर्क को विकसित करने के लिए केन्द्रीय स्तर पर किसी संगठन के न होने के कारण, अलग-अलग मंत्रालयों ने फ्रेमवर्क विकसित करने पर काम करना शुरू कर दिया, जिन्हें बाद में उपलब्धता के अनुसार राष्ट्रीय फ्रेमवर्क में शामिल किया जाना था। तदनुसार, श्रम और रोजगार मंत्रालय ने राष्ट्रीय व्यावसायिक अर्हता फ्रेमवर्क (एनवीक्यूएफ) विकसित किया और मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा अर्हता फ्रेमवर्क (एनवीईक्यूएफ) विकसित किया।

2.2 एकीकृत फ्रेमवर्क की आवश्यकता को अनुभव करते हुए, मंत्रिमंडल सचिवालय द्वारा एक अंतर-मंत्रालयी समिति का गठन किया गया था, ताकि दोनों मंत्रालयों द्वारा पहले से किए गए कार्यों का उपयोग किया जा सके, क्योंकि राष्ट्रीय कौशल अर्हता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) की स्थापना को आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय द्वारा दिनांक 27 दिसम्बर, 2013 की अधिसूचना सं. 8/6/2013-आईएनवीटी के तहत अधिसूचित कर दिया गया था। इससे पूर्व, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा राष्ट्रीय कौशल अर्हता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) का संचालन और प्रचालन करने के अधिदेश के साथ जून,

2013 में राष्ट्रीय कौशल विकास एजेंसी को अधिसूचित किया गया था ताकि क्षेत्र से संबंधित अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए गुणवत्ता और मानक सुनिश्चित किए जा सकें।

2.3 एनएसक्यूएफ की आवश्यकता निम्नलिखित कारणों से उत्पन्न हुई :

- i. व्यावसायिक शिक्षा, प्रशिक्षण से जुड़ी नकारात्मक धारणा और युवाओं के बीच इसे चुनने में द्विज्ञप्त होना, जिसमें यह माना गया कि इस मार्ग से संबंधित व्यक्ति को उच्चतर डिग्रियाँ और अर्हताएं अर्जित करने के लिए योग्य बनाने के रास्ते बंद हो जाएंगे।
- ii. शिक्षण और उन्नति के स्पष्ट मार्गों का अभाव, विशेष रूप से व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण के क्षेत्र में, जिसमें वर्टिकल या हॉरिजोनल गतिशीलता के लिए कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है।
- iii. विभिन्न अर्हताओं से जुड़े परिणामों में एकरूपता का अभाव, जिससे अवार्डिंग निकायों और संस्थानों में प्रायः देश के विभिन्न भागों में प्रमाणपत्र/ डिप्लोमा/ डिग्री की समतुल्यता स्थित करने में समस्याएं आती हैं, जिसके कारण छात्रों/ शिक्षुओं की रोजगार क्षमता और गतिशीलता प्रभावित होती है।
- iv. ऐसे व्यक्तियों का एक बड़ा वर्ग मौजूद है, जिन्होंने अनौपचारिक क्षेत्र में कौशल अर्जित किया, लेकिन उनके पास अपने कौशल को प्रमाणित करने के लिए आवश्यक औपचारिक प्रमाण पत्र नहीं हैं।
- v. भारतीय अर्हताओं की अंतर्राष्ट्रीय मान्यता के लिए तंत्र का अभाव होने से छात्रों और श्रमिकों की अंतर्राष्ट्रीय गतिशीलता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

2.4 तदनुसार, एनएसक्यूएफ में निम्नलिखित अपेक्षा की गईः

- i. शिक्षा और क्षमता आधारित कौशल फ्रेमवर्क को एकीकृत करें, क्रेडिट संचयन और हस्तांतरण प्रणाली प्रदान करें ताकि लोग अपनी जरूरतों और सुविधाओं के अनुसार अपने जीवन के विभिन्न चरणों में व्यावसायिक और सामान्य शिक्षा के बीच और विपरीत स्थान परिवर्तन कर सकें।
- ii. उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप गुणवत्ता कौशल अर्हता के विकास के लिए अर्हता और शिक्षण के परिणाम आधारित फ्रेमवर्क प्रदान करें, जिससे रोजगार के अलावा, डिग्रियों और डॉक्टरेट सहित उच्चतर अर्हता प्राप्त की जा सकेगी।
- iii. उन्नति के मार्गों को पारदर्शी बनाएं ताकि संस्थान/ छात्र/ शिक्षु और नियोक्ता किसी विशेष कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के बाद संभावित अवसरों के बारे में स्पष्ट हो और अर्हता में असमानता और असमता की समस्या का समाधान हो सके।
- iv. पूर्व शिक्षा की मान्यता (आरपीएल) के माध्यम से गैर-औपचारिक, अनौपचारिक पृष्ठभूमि और साथ ही स्कूल से बाहर की श्रेणी से संबंधित शिक्षुओं को मुख्य धारा में लाने में सक्षम बनाएं।
- v. प्रासंगिक द्विपक्षीय और बहुपक्षीय समझौतों के अनुसार, भारतीय अर्हताओं को अंतर्राष्ट्रीय अर्हताओं के साथ संरेखित करें।

3. एनएसक्यूएफ को संशोधित करने और युक्तिसंगत बनाने की आवश्यकता

वर्ष 2013 में एनएसक्यूएफ की अधिसूचना के बाद से, कौशल परिदृश्य में बड़े बदलाव हुए हैं। व्यावसायिक शिक्षा और कौशल पर प्रोत्साहन के परिणामस्वरूप सरकार ने कुछ नीतिगत पहल शुरू ही

है, जिनमें एनसीवीईटी की अधिसूचना और गठन, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 का शुभारंभ और अप्रैल, 2023 में राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क का अनुमोदन शामिल है।

3.1 राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद् (एनसीवीईटी) की स्थापना

- 3.1.1 राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद् (एनसीवीईटी) को पूर्ववर्ती राष्ट्रीय कौशल विकास एजेंसी (एनएसडीए) और राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद् (एनसीवीटी) का विलय करके दिनांक 10 अक्टूबर, 2018 के मंत्रिमंडल के अनुमोदन के साथ दिनांक 05 दिसम्बर, 2018 को अधिसूचना सं. एसडी-17/113/2017-ई एंड पीडब्ल्यू के तहत अधिसूचित किया गया था।
- 3.1.2 राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद् को अवार्डिंग निकायों, मूल्यांकन एजेंसियों, कौशल सूचना प्रदाताओं और प्रशिक्षण प्रदाताओं के कार्यकरण को मान्यता प्रदान करने और निगरानी रखने के लिए तथा अधिसूचना में यथानिर्दिष्ट अन्य कनूषंगिक कार्यों के निष्पादन के लिए व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण के विकास, गुणात्मक सुधार और विनियमन का कार्य सौंपा गया गया है। एनसीवीईटी की स्थापना ने व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (वीईटी) तथा कौशल पारिस्थितिकी तंत्र में खंडित नियामक फ्रेमवर्क को भी समेकित किया गया है।
- 3.1.3 एनएसक्यूएफ को एनसीवीईटी में शामिल किया गया है और इसका कार्यान्वयन अन्य के साथ-साथ राष्ट्रीय कौशल अर्हता समिति (एनएसक्यूसी) के माध्यम से सुनिश्चित किया गया, जिसमें केन्द्रीय मंत्रालयों, नीति आयोग, उच्चतर और तकनीकी शिक्षा के नियामक, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी), अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (आईसीटीई), केन्द्रीय विद्यालय शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई), चुनिन्दा राज्य कौशल विकास मिशन (एसएसडीएम), अवार्डिंग निकाय व प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी), क्षेत्रगत कौशल परिषदें (एसएससी) और चुनिन्दा उद्योग निकाय से प्रतिनिधियों को शामिल किया गया है।

3.2 राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020

- 3.2.1 राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 भारत सरकार द्वारा जुलाई, 2020 में शुरू की गई है। यह नीति शैक्षणिक और व्यावसायिक शाखाओं के बीच छात्रों और शिक्षुओं की वर्टिकल और हॉरिजोनल गतिशीलता सुनिश्चित करते हुए सामान्य (शैक्षणिक) और व्यावसायिक शिक्षा के एकीकरण के द्वारा शिक्षा को अधिक समग्र और प्रभावी बनाने पर जोर देती है।
- 3.2.2 एनईपी 2020, कला, विज्ञान और वाणिज्य के बीच और पाठ्यचर्या, सह-पाठ्यचर्या और पाठ्यवैतर गतिविधियों के बीच और व्यावसायिक व सामान्य शिक्षा के बीच कड़े अंतर को दूर करने पर जोर देती है। एनईपी लचीली पाठ्यचर्या संरचना और बहु-विषयक शिक्षण पर केन्द्रित है।

3.3 राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क (एनसीआरएफ)

- 3.3.1 राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के विजन को पूरा करने के लिए, सरकार द्वारा एक राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क (एनसीआरएफ) अनुमोदित किया गया है जो प्राथमिक, विद्यालयी, उच्चतर और व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण को शामिल करने वाला एक व्यापक क्रेडिट फ्रेमवर्क है। एनसीआरएफ में शिक्षा को अधिक समग्र और प्रभावी बनाने पर ध्यान केन्द्रित किया गया है और यह शैक्षणिक, कौशल और अनुभवजन्य शिक्षा के विभिन्न आयामों में शिक्षण को एकीकृत करने और क्रेडिट प्रदान करने के लिए एकल मेटा फ्रेमवर्क होगा, जिसमें प्रासंगिक अनुभव और प्रवीणता/ व्यावसायिक स्तर शामिल है, जो मूल्यांकन के अध्यधीन है।
- 3.3.2 एनसीआरएफ समस्त शिक्षा प्राप्ति और असाइनमेंट के लिए मूल्यांकन के अध्यधीन क्रेडिट प्रदान करने, उसका संचयन, भंडारण, हस्तांतरण और मोचन करता है,

व्यावसायिक व सामान्य शिक्षा के बीच अंतर को समाप्त करता है और शैक्षणिक समानता स्थापित करता है जबकि उनके भीतर और उनके बीच गतिशीलता को सक्षम करता है तथा शैक्षणिक क्रेडिट बैंक (एबीसी) के माध्यम से इसका संचालन करता है।

- 3.3.3 एनसीआरएफ सामान्य शिक्षा और और व्यावसायिक शिक्षा में बहु-विषयक, बहु प्रवेश – बहु निकास (एमई-एमई) मार्ग को सक्षम बनाता है, छात्रों को उनकी प्रतिभा और रुचि के अनुसार उनके शिक्षण के मार्ग और करियर विकल्पों को चुनने के लिए लचीलापन सुनिश्चित करता है, जिसमें बीच में पाठ्यक्रम सुधार या संशोधन का विकल्प भी शामिल है।
- 3.3.4 राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क (एनसीआरएफ) के तहत प्रत्येक शिक्षण के घंटे को उसके मूल्यांकन के अधीन क्रेडिट प्रदान किया जा सकता है। विद्यालयी/ उच्चतर/ व्यावसायिक शिक्षा/ कौशल (शाखाओं, विषयों आदि में स्वतंत्र) में दिए जाने वाले क्रेडिट स्तर, मूल्यांकन के अधीन शिक्षण के घंटों/ वर्षों की संचयी संख्या पर आधारित होते हैं।
- 3.3.5 क्रेडिट अर्जित करने के लिए, कोई भी पाठ्यक्रम/ अर्हता संबंधित अर्हता फ्रेमवर्क के अनुरूप होनी चाहिए और पाठ्यक्रम/ अर्हता प्राप्त करने के बाद अपेक्षित वांछित अर्हता और शिक्षण के परिणामों का स्पष्ट रूप से वर्णन करते हुए एक पूर्व निर्धारित एनसीआरएफ स्तर प्रदान किया जाना चाहिए। इसके अलावा, क्रेडिट प्रदान करने के लिए, पाठ्यक्रम/ अर्हता पूरी करने के बाद शिक्षण के परिणाम का मूल्यांकन करना होगा। एनसीआरएफ विद्यालयी शिक्षा, उच्चतर शिक्षा और व्यावसायिक शिक्षा के लिए क्रेडिट पद्धति लागू करने का प्रस्ताव प्रदान किया है।
- 3.4 विद्यालयी शिक्षा और उच्चतर शिक्षा के अपने-अपने अर्हता फ्रेमवर्क हैं, जैसे उच्चतर शिक्षा के लिए राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अर्हता फ्रेमवर्क (एनएचईक्यूएफ) और विद्यालयी शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या फ्रेमवर्क।
- 3.5 उपरोक्त परिवर्तनकारी नीतियों में राष्ट्रीय कौशल अर्हता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) में विशेष रूप से स्तर विवरणकों (लेवल डेस्क्रिप्टर) को युक्तिसंगत बनाने, मानकीकृत न्यूनतम प्रवेश अपेक्षा मानदंड और नेशनल घंटों, एनसीआरएफ के साथ एनएसक्यूएफ के संरेखण और विशेष रूप से कौशल अर्हता फ्रेमवर्क पर अपना ध्यान केन्द्रित करने के संबंध में संबंधित संशोधनों की आवश्यकता बताई गई है।

4. राष्ट्रीय कौशल अर्हता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) और इसके उद्देश्य

- 4.1 राष्ट्रीय कौशल अर्हता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) एक परिणाम और अर्हता आधारित फ्रेमवर्क है, जो ज्ञान, कौशल, योग्यता और उत्तरदायित्व के स्तरों की एक शृंखला के अनुसार अर्हता का आयोजन करता है, जिसे शिक्षण के परिणामों के संदर्भ में परिभाषित किया जाता है, जिसे शिक्षु को औपचारिक, गैर-औपचारिक या अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से प्राप्त करना चाहिए, जिसमें शैक्षणिक, व्यावसायिक शिक्षा, प्रशिक्षण और कौशल व अनुभवजन्य शिक्षा शामिल हो सकती है, जिसमें अर्जित प्रासंगिक अनुभव और प्रवीणता/व्यावसायिक स्तर शामिल हैं, जो मूल्यांकन के अधीन है। इस प्रकार, एनएसक्यूएफ एक कौशल गुणवत्ता आश्वासन फ्रेमवर्क है।

4.2 राष्ट्रीय कौशल अर्हता फ्रेमवर्क के मुख्य उद्देश्य और विशेषताएं

4.2.1 एनएसक्यूएफ की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं :

- शैक्षणिक, कौशल और अनुभवजन्य शिक्षा के विभिन्न आयामों में व्यावसायिक शिक्षा, प्रशिक्षण और कौशल शिक्षण का एकीकरण करने और क्रेडिट प्रदान करने का प्रावधान, जिसमें संगत अनुभव और अर्जित प्रवीणता/व्यावसायिक स्तर शामिल है, जो मूल्यांकन के अध्यधीन है।
- पाठ्यक्रम/ अर्हता प्राप्त करने के बाद इसके लिए एक पूर्व निर्धारित एनएसक्यूएफ/ एनसीआरएफ स्तर प्रदान करते समय अपेक्षित ज्ञान, कौशल, अर्हता, उत्तरदायित्व और शिक्षण के परिणामों के संदर्भ में वांछित अर्हता स्तरों को स्पष्ट रूप से निर्धारित करना।

- iii. विद्यालयी और उच्चतर शिक्षा सहित व्यावसायिक शिक्षा/ कौशल में क्रेडिट स्तरों को आवंटित करने की सुविधा प्रदान करना, जो शिक्षण के घंटों/ वर्षों की संचयी संख्या पर आधारित हों।
- iv. शिक्षण के प्रकार प्रत्येक प्रकार और घंटों को उसके मूल्यांकन के अध्यधीन क्रेडिट प्रदान करना।
- v. व्यावसायिक शिक्षा और सामान्य शिक्षा के बीच शैक्षणिक समानता करना, साथ ही उनके भीतर और उनके बीच गतिशीलता सक्षम करना।
- vi. विद्यालयी शिक्षा, उच्चतर शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, प्रशिक्षण और कौशल तथा जॉब बाजारों के भीतर और उनके बीच बहु-विषयकता, बहु प्रवेश – बहु निकास (एमई-एमई) और प्रगति के मार्गों को सक्षम करना।
- vii. छात्रों/ शिक्षुओं को अपने शिक्षण के मार्ग और कैरियर का विकल्प चुनने के लिए लचीलापन प्रदान करना, जिसमें पाठ्यक्रम के बीच सुधार का विकल्प शामिल हो।
- viii. सभी क्षेत्रों में इंटर्नशिप, अप्रेंटिसशिप और जॉब पर प्रशिक्षण के माध्यम से उद्योग और नियोक्ताओं के साथ गहन साझेदारी के माध्यम से शिक्षण को मान्यता देना;
- ix. एक विश्वसनीय मूल्यांकन प्रक्रिया के माध्यम से पूर्व शिक्षण को मान्यता (आरपीएल) प्रदान करना;
- x. इस प्रकार, एनएसक्यूएफ आजीवन शिक्षण और कौशल विकास को सक्षम और प्रोत्साहन देता है।

4.2.2 राष्ट्रीय कौशल अर्हता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) के अन्य उद्देश्यों में एक ऐसा फ्रेमवर्क प्रदान करना है, जो :-

- i. विद्यालयी शिक्षा, उच्चतर शिक्षा के साथ-साथ व्यावसायिक शिक्षा में इसे लागू करें और कार्यान्वयन योग्य बनाता है;
- ii. राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार किए जाने वाले परिणामों के आधार पर प्रत्येक स्तर के लिए अर्हता के विकास का प्रावधान करता है;
- iii. प्रगति मार्गों के विकास और रखरखाव के लिए संरचना प्रदान करता है, जो अर्हताओं तक पहुंच को सक्षम बनाता है और छात्रों/ शिक्षुओं को विभिन्न शिक्षा और प्रशिक्षण क्षेत्रों के बीच और उन क्षेत्रों तथा उद्योग/ जॉब बाजार के बीच आसानी से और तत्परता से हस्तांतरित करने में सहायता करता है;
- iv. व्यक्तियों को व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण के माध्यम से प्रगति करने और उनके पूर्व शिक्षण और अनुभवों के लिए मान्यता प्राप्त करने का विकल्प प्रदान करता है;
- v. व्यावसायिक शिक्षा, प्रशिक्षण और कौशल के लिए राष्ट्रीय नियामक और गुणवत्ता आश्वासन फ्रेमवर्क और प्रक्रियाओं को रेखांकित करता है;
- vi. अंतर्राष्ट्रीय रूप से संरेखित अर्हताओं के साथ भारतीय अर्हताओं की आसान मान्यता और तुलना को सक्षम करने के माध्यम से एनएसक्यूएफ संरेखित अर्हताओं के साथ कार्यबल की राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय गतिशीलता का समर्थन और संवर्धन करता है।

5. राष्ट्रीय कौशल अर्हता फ्रेमवर्क और उसके घटक

5.1 एनएसक्यूएफ लेवल डिस्क्रिप्टर

- 5.1.1 राष्ट्रीय कौशल अर्हता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) एक परिणाम और अर्हता आधारित फ्रेमवर्क है, जो स्तर-1 (एक) से आठ (8) तक बना है, जिसमें स्तर-1, स्तर-2, स्तर-2.5, स्तर-3, स्तर-3.5, स्तर-4, स्तर-4.5, स्तर-5.0, स्तर-5.5, स्तर-6.0, स्तर-6.5, स्तर-7.0 और स्तर-8 शामिल हैं।

5.1.2 प्रत्येक स्तर उस स्तर के अनुरूप अर्हता प्रदर्शित करने के लिए आवश्यक कौशल, जटिलता, ज्ञान, उत्तरदायित्व और स्वायत्तता के एक अलग स्तर का प्रतिनिधित्व करता है। फ्रेमवर्क का स्तर एक सबसे कम जटिलता का प्रतिनिधित्व करता है जबकि उच्चतम स्तर अर्थात् स्तर आठ सबसे अधिक जटिलता का प्रतिनिधित्व करता है।

5.1.3 प्रत्येक एनएसक्यूएफ स्तर को पांच डोमेन में शिक्षण के परिणामों के संदर्भ में व्यक्त स्तर विवरणक (लेवल डिस्क्रिप्टर) के एक सेट द्वारा परिभाषित और वर्णित किया गया है, जिसमें सामान्य संदर्भ में, न्यूनतम ज्ञान, कौशल और ऐसे गुणों का वर्णन किया गया है, जिसे एक शिक्षु अर्जित करना चाहता है ताकि वह उस स्तर के लिए प्रमाणित हो सके। पांच डोमेन हैं (i) व्यावसायिक सैद्धान्तिक ज्ञान, (ii) व्यावसायिक और तकनीकी कौशल/ विशेषज्ञता, (iii) कौशल, मानसिकता, सॉफ्ट कौशल, रोजगार तैयारी और उद्यमशीलता कौशल, (iv) व्यापक शिक्षण के परिणाम और (v) उत्तरदायित्व का स्तर।

5.1.4 प्रत्येक स्तर विवरणक (लेवल डिस्क्रिप्टर) का संक्षिप्त वर्णन इस प्रकार है :

क. **व्यावसायिक सैद्धान्तिक ज्ञान :** व्यावसायिक सैद्धान्तिक ज्ञान वह है, जिसे एक शिक्षु को संबद्ध कौशल के संदर्भ में जानना और समझना चाहिए। इसे निम्नलिखित शब्दों में वर्णित किया गया है :-

- i. ज्ञान की गहराई सामान्य या विशिष्ट हो सकती है।
- ii. ज्ञान का विस्तार एकल विषय से लेकर ज्ञान के बहुविषयक क्षेत्र तक हो सकता है।
- iii. ज्ञान के प्रकार यथार्थपूर्ण से लेकर काल्पनिक तक, खंडित से लेकर संचयी तक होते हैं।
- iv. ज्ञान की जटिलता का अभिप्राय ज्ञान के प्रकारों, गहनता और व्यापकता के संयोजन से है।

ख. **व्यावसायिक और तकनीकी कौशल/विशेषज्ञता:** व्यावसायिक और तकनीकी कौशल/ विशेषज्ञता वह है, जिसमें एक शिक्षु को जाँब भूमिका के लिए आवश्यक मुख्य कार्य के रूप में करने में सक्षम होना चाहिए। इन्हें कौशल के प्रकारों और जटिलता के संदर्भ में वर्णित किया गया है और इसमें शामिल है :-

- i. विशिष्ट व्यावसायिक और तकनीकी कौशल; गतिविधियों/ कार्यों की विस्तृत शृंखला में व्यावसायिक ज्ञान और तकनीकी कौशलों की स्पष्टता का प्रदर्शन।
- ii. एक विशिष्ट/ व्यापक क्षेत्र/ जाँब भूमिका में सफलतापूर्वक कार्यान्वयन के लिए अपेक्षित ज्ञान का प्रयोग करना अथवा तकनीकी/ प्रक्रियाओं का प्रयोग करना।
- iii. ज्ञान, कौशलों और समझ को प्राप्त करने और जहाँ संगत हो उस रेंज का प्रयोग करने की क्षमता।
- iv. अधिकांश नियमित/ गैर-नियमित संदर्भों में संगत उपकरणों, और सामग्रियों की स्पष्ट पहचान कर सकते हैं।
- v. कार्य/ नौकरी के लिए आवश्यक परिचालन कौशल/ अपेक्षित स्पष्टता और अनुमानित समय-सीमा के भीतर नौकरी/ कार्य को पूरा करने का कौशल।
- vi. परिचित/ अपरिचित संदर्भों की सीमा के भीतर प्रक्रियाओं और कार्यविधियों का चयन करने की क्षमता।
- vii. सरल/ जटिल समस्याओं और स्थितियों के लिए अभिनव और व्यवहार्य समाधान तैयार करने के लिए आवश्यक संज्ञानात्मक और व्यवहारिक कौशल की विस्तृत शृंखला।

- viii. उच्चतर एनएसक्यूएफ स्तरों के लिए प्रौद्योगिकी/ संबंधित कौशल या नौकरी की भूमिका के तकनीकी वाणिज्यिक पहलू की समझ और प्रयोग।
- ix. सहज, तार्किक और आलोचनात्मक सोच के उपयोग से जुड़े संज्ञानात्मक और रचनात्मक कौशल।
- x. लिखित, मौखिक, साक्षरता और संख्यात्मक कौशल से जुड़े संप्रेषण कौशल।
- xi. पारस्परिक कौशल और सामान्य कौशल।
- xii. प्रौद्योगिकी और गैर-प्रौद्योगिकी दोनों क्षेत्रों में किसी विशेष नौकरी की भूमिका के संबंध में तकनीकी कौशल। तकनीकी कौशल विशिष्ट ज्ञान और विशेषज्ञता है, जो वास्तविक दुनिया की स्थितियों में विशिष्ट कार्यों को करने और विशिष्ट उपकरणों और कार्यक्रमों का उपयोग करना आवश्यक है।

ग. योग्यता, मानसिकता, सॉफ्ट कौशल, रोजगार तत्परता और उद्यमशीलता कौशल :

- i. इस डोमेन में सामान्य रोजगार तत्परता और मानसिकता शामिल है, जिसमें संप्रेषण, डिजिटल, वित्तीय और कानूनी साक्षरता, समावेश और विविधता, उद्यमिता आदि शामिल हैं।
- ii. सॉफ्ट कौशल और जीवन कौशल जैसे रचनात्मक और संज्ञानात्मक सोच और नवोन्मेष; आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान; सहयोग और टीम वर्क; सांस्कृतिक जागरूकता, विरासत और दक्षताएं; - स्थानीय और वैश्विक नागरिकता; नैतिक मूल्य और भावात्मक जागरूकता; वैज्ञानिक और सामाजिक उत्तरदायित्व आदि;
- iii. उच्चतर कौशल जैसे नवीन और अनुकूल सोच, डिजाइन मानसिकता, संगणनात्मक सोच, विविध सांस्कृतिक धर्मता, अंतर-विषयकता, नव मीडिया साक्षरता, वर्चुअल सहयोग, सामाजिक बुद्धिमता और स्वतंत्र कला आदि।

घ. व्यापक शिक्षण परिणाम : व्यापक शिक्षण के परिणाम अन्य तीन डोमेन का दिए गए क्षमता स्तर के अनुसार एक सामान्य सार है, क्योंकि यह जॉब भूमिका के निर्वहन के लिए उस स्तर पर दिए गए उत्तरदायित्व के साथ तीन डोमेन को एकीकृत करता है।

- i. पूर्व निर्धारित कार्यों को पूरा करना, नियमित/ पुनरावृत्ति वाले कार्यों को पर्यवेक्षक के साथ/ पर्यवेक्षक के बिना करना;
- ii. परिचित, पूर्वानुमेय, नियमित स्पष्ट विकल्प की स्थिति, उत्पादन/ सेवाओं में मानक प्रक्रियाओं या प्रचालनों के प्रयोग की सीमा पर ध्यान केन्द्रित करना;
- iii. बहुमुखी, न्यूनतम पर्यवेक्षण के साथ विशेष कार्यों को निष्पादित करने में कुशल, तकनीकी कौशलों का प्रयोग और स्पष्टता के साथ समस्या समाधान;
- iv. समस्याओं की पहचान/ पूर्वानुमान और समाधान की संभावित सीमा;
- v. तकनीकी विशेषज्ञता, जटिल समस्याओं को हल करने और आउटपुट में सुधार करने को अपनाना, विशिष्ट निर्णय लेना/ निश्चय करना;
- vi. उच्चत तकनीकी कौशल, महत्वपूर्ण मापदंडों की निगरानी, प्रक्रियाओं का मूल्यांकन और सुधार तथा साक्ष्य आधारित निर्णय के साथ जटिल समस्याओं का समाधान करना।

vii. अर्जित उन्नत तकनीकी कौशलों, तकनीकी मूल्यांकन और समीक्षाओं को लागू करना;

viii. बड़े पैमाने पर परिवर्तन को आगे बढ़ाना और संसाधनों का प्रभावकारी प्रबंधन करना।

ड. **उत्तरदायित्व** : उत्तरदायित्व की स्थिति निम्नलिखित का निर्धारण करती है :-

i. स्वयं के लिए और दूसरों के लिए उत्तरदायित्व का स्तर;

ii. कार्यों के लिए जवाबदेही;

iii. कार्यगत संबंधों की प्रकृति;

iv. परिवर्तन प्रबंधन।

5.1.5 **विवरणक (डिस्क्रिप्टर)** प्रत्येक स्तर पर शिक्षण के परिणामों के व्यापक, सामान्य लेकिन सार्थक संकेतक प्रदान करते हैं। तथापि, ऐसा नहीं है कि प्रत्येक अर्हता में स्तर विवरणकों (लेवल डिस्क्रिप्टर) में बताई गई सभी विशेषताएं होंगी या होनी चाहिए। विवरणकों का उपयोग कई तरीकों से किया जा सकता है :

क. शिक्षण के कार्यक्रमों और अर्हताओं को स्तर आवंटित करना

ख. शिक्षण के परिणामों के बीच व्यापक तुलना करने की अनुमति देना

ग. विभिन्न अर्हताओं और कार्यक्रमों के सत्यापन और संतुलन में

घ. अर्हताओं के शिक्षुओं और अन्य उपयोगकर्ताओं के साथ संप्रेषण के आधार के रूप में

ड. प्रशिक्षण क्षेत्रों के भीतर प्रगति मार्गों के मानचित्रण के लिए एक मार्गदर्शक के रूप में

च. कार्यक्रम डिजाइनरों द्वारा कार्यक्रमों के लिए प्रवेश अपेक्षाएं एवं सिफारिशें करते समय।

5.1.6 इस अधिसूचना की तारीख की स्थिति के अनुसार स्तर विवरणकों (लेवल डिस्क्रिप्टर) का ब्यौरा अनुबंध । में है। तथापि, व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण के विकास, गुणात्मक सुधार और नियमन के लिए व्यावसायिक शिक्षा, प्रशिक्षण और कौशल पारिस्थितिकी तंत्र की आवश्यकता और अपेक्षाओं के आधार पर स्तर विवरणकों (लेवल डिस्क्रिप्टर) में एनसीवीईटी परिषद् के अनुमोदन से आगे संशोधन किया जा सकता है।

5.2 अर्हताएं और राष्ट्रीय व्यवसाय मानक (एनओएस)

5.2.1 एक अर्हता में स्वतंत्र शिक्षण परिणामों के साथ शिक्षण की कई छोटी इकाइयाँ शामिल होती हैं, जिन्हें राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनओएस) कहा जाता है। एनओएस में किसी विशेष कार्य में लगे व्यक्ति से अपेक्षित मापनीय प्रदर्शन परिणामों को परिभाषित किया गया है और सूचीबद्ध किया गया है कि उस कार्य को करने वाले व्यक्ति को क्या जानना चाहिए और क्या करना चाहिए। ये मानक विभिन्न शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए मानक बन सकते हैं।

5.2.2 जिस तरह प्रत्येक जॉब भूमिका के लिए कई कार्यों के निष्पादन की आवश्यकता हो सकती है, इन कार्यों के अनुरूप सभी एनओएस का संयोजन उस जॉब भूमिका के लिए अर्हता बनाएगा। एनएसक्यूएफ के प्रत्येक स्तर के अनुरूप प्रत्येक अर्हता/ जॉब भूमिका के लिए अर्हता और घटक एनओएस संबंधी मान्यता प्राप्त अवार्डिंग निकाय द्वारा तैयार किए जाएंगे।

5.2.3 किसी दिए गए क्षेत्र के लिए कोई एबी न होने अथवा एबी की ओर से समय पर आवश्यक एनओएस/ अर्हता विकसित करने में असमर्थता की स्थिति में, एनसीवीईटी/ एनएसक्यूसी इस उत्तरदायित्व को संबंधित अवार्डिंग निकाय या क्षेत्र का अनुभव और ज्ञान रखने वाले किसी अन्य निकाय को सौंप सकते हैं।

5.3 माइक्रो क्रेडिंशियल : छोटी इकाइयाँ अर्थात् माइक्रो क्रेडेंशियल एक क्षेत्र के भीतर या मुख्य रूप से कौशल उन्नयन पर ध्यान केन्द्रित करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में विकसित की जा सकती हैं। माइक्रो क्रेडेंशियल का उद्देश्य कौशल और ज्ञान के सुसंगत सेट की उपलब्धियों को प्रमाणित करना है, जो उद्देश्य के विवरण, शिक्षण के परिणामों और उद्योग, नियोक्ता या सरकार द्वारा आवश्यकता होने के मजबूत साक्ष्य द्वारा निर्दिष्ट किया गया है।

5.4 न्यूनतम प्रवेश मानदंडों और नोशनल घंटों के लिए मानकीकरण :

5.4.1 एनएसक्यूएफ स्तर पर प्रत्येक अर्हता को प्रवेश मानदंडों, निर्धारित शिक्षण के परिणामों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक नोशनल घंटों की न्यूनतम सीमा, जो राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क (एनसीआरएफ) के अनुसार है, के संदर्भ में आगे परिभाषित किया जा सकता है। एक पूर्व निर्धारित शिक्षण के परिणाम के साथ किसी विशेष एनएसक्यूएफ स्तर पर एक अर्हता के लिए निम्नलिखित मूल तत्वों के संदर्भ में मानकीकरण का न्यूनतम स्तर होगा:

- i. न्यूनतम प्रवेश मानदंड:** चूंकि अर्हता/ जॉब भूमिका के प्रत्येक स्तर में अर्हता के एक परिभाषित स्तर की ओर जाने की संभावना है, अतः अर्हता के एक स्तर विशेष में प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए न्यूनतम प्रवेश अपेक्षाएं परिषद् द्वारा निर्धारित की जा सकती हैं। प्रवेश मानदंड में शैक्षणिक प्रमाण पत्र और/ अथवा पिछली व्यावसायिक शिक्षा, प्रशिक्षण और कौशल प्रशिक्षण तथा भावी छात्र/ शिक्षु का मौजूदा कार्य अनुभव शामिल हो सकता है।
- ii. नोशनल घंटों की न्यूनतम सीमा:** यद्यपि एनएसक्यूएफ स्तर सीधे अध्ययन की अवधि से संबंधित नहीं है, फिर भी प्रत्येक एनएसक्यूएफ संरेखित अर्हता के लिए एनसीवीईटी द्वारा न्यूनतम नोशनल घंटों की सीमा निर्धारित की जा सकती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि एक निश्चित स्तर की अर्हता के लिए प्रशिक्षण की न्यूनतम अवधि प्रदान की जाए। शिक्षण के नोशनल घंटों में सिद्धान्त, व्यावहारिक/ कौशल प्रशिक्षण, इंटर्नशिप, प्रशिक्षुता, ऑन द जॉब ट्रेनिंग (ओजेटी), रोजगार कौशल आदि शामिल हो सकते हैं।

5.4.2 इस अधिसूचना की तारीख के अनुसार, न्यूनतम प्रवेश मानदंड और नोशनल घंटों आदि के लिए मानदंडों के मानकीकरण का विवरण अनुबंध-II में है। तथापि, व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण के विकास, गुणात्मक और कौशल पारिस्थितिकी तंत्र की आवश्यकता और अपेक्षाओं के आधार पर एनसीवीईटी परिषद् के अनुमोदन के साथ न्यूनतम प्रवेश मानदंड और नोशनल घंटों आदि के लिए मानदंडों के मानकीकरण में और संशोधन किया जा सकता है।

5.5 अर्हता के लिए सहायक दस्तावेज

5.5.1 प्रत्येक अर्हता के लिए संबंधित अर्हता विकासकर्ता अवार्डिंग निकाय/ मूल्यांकन एजेंसी द्वारा निम्नलिखित के साथ सहायता दी जाएगी :-

- i. प्रत्येक शिक्षण के परिणाम के लिए संभावित शिक्षण के परिणामों और निष्पादन मानदंड के साथ निर्धारित प्रारूप में अर्हता, एनओएस, माइक्रो क्रेडेंशियल, विस्तृत प्रशिक्षण और शिक्षण की रणनीति तथा प्रक्रिया;**
- ii. माँडल पाठ्यचर्चा, छात्र की मार्गदर्शिका, विस्तृत पाठ्यक्रम, पाठ योजनाएं, शिक्षण के संसाधन;**
- iii. प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए आवश्यक अवसंरचना, उपकरणों, उपस्करों, लैब/ कंप्यूटर लैब, कार्यशालाओं और अपेक्षित विशेष अवसंरचना की सूची, प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए आवश्यक अवसंरचना, उपकरणों, उपस्करों, लैब/ कंप्यूटर लैब, कार्यशालाओं और अपेक्षित अन्य विशेष अवसंरचना का विस्तृत विनिर्देश;**
- iv. प्रशिक्षण, मूल्यांकन और परीक्षण के लिए विस्तृत रणनीति और दिशानिर्देश;**

- v. प्रशिक्षण की अर्हताएं/ पात्रता/ अनुभव; प्रशिक्षण मैनुअल, प्रशिक्षक की मार्गदर्शिका, परियोजनाएं, असाइनमेंट, छांटोरियल टीओटी अर्हता;
- vi. मूल्यांकनकर्ता की अर्हताएं/ पात्रता/ अनुभव; मूल्यांकन मैनुअल, मूल्यांकनकर्ता की मार्गदर्शिका, आकलनों के लिए प्रश्न बैंक, प्रायोगिक मूल्यांकनों के लिए जॉब कार्य, टीओए अर्हता;
- vii. मॉडल पाठ्यचर्या के आधार पर बुनियादी ई-कंटेंट, एडवांस कंटेंट, ई-कंटेंट और अन्य डिजिटल संसाधन, मल्टीमीडिया संसाधन, एनिमेशन, सिमुलेशन, डिजिटल ट्रिवन, मेटावर्स आदि सहित;
- viii. प्रशिक्षण संस्थान की अर्हता और प्रकार की आवश्यकता का साक्ष्य; दिव्यांगजनों को अर्हता प्रदान करने के लिए अपेक्षित कोई विशेष संसाधन;
- ix. प्रत्येक अर्हता प्रशिक्षण के भौगोलिक क्षेत्र के अनुसार हिन्दी/ भारतीय भाषा में तैयार की जाएगी;
- x. मिश्रित शिक्षण के दिशानिर्देशों के अनुसार ऑनलाइन और ऑफलाइन शिक्षण और मूल्यांकन किए जाने का ब्यौरा;
- xi. एनएसक्यूएफ पाठ्यचर्या में शिक्षण का माध्यम निर्दिष्ट होना चाहिए, मॉड्यूलर होना चाहिए और कौशल संचयन की अनुमति होनी चाहिए तथा निकास और प्रवेश की सुविधा होनी चाहिए।

इन्हें प्रत्येक संबंधित अवार्डिंग निकाय (एबी)/ प्रशिक्षण प्रदाता/ मूल्यांकन एजेंसियों द्वारा एनएसक्यूएफ स्तर के लिए और प्रत्येक अर्हता/ एनओएस/ एमसी के लिए विकसित किया जाएगा।

5.6 उद्योग की भागीदारी:

5.6.1 चूंकि राष्ट्रीय कौशल अर्हता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) विशेष रूप से उद्योग और अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों (कामगार, तकनीशियन, पर्यवेक्षी, प्रबंधकीय, प्रबंधन आदि) के सभी स्तरों पर कुशल कार्यबल और जनशक्ति आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है, अतः एनएसक्यूएफ को उद्योग/ क्षेत्रों और नियोक्ताओं की भागीदारी के साथ लागू किया जाना चाहिए, जो इसकी सफलता के लिए महत्वपूर्ण शर्त है।

5.6.2 अतः एनएसक्यूएफ में यह अधिदेश है कि छात्रों/ शिक्षुओं के लिए व्यावसायिक शिक्षा, प्रशिक्षण और कौशल अर्हता/ पाठ्यक्रम/ कार्यक्रमों को उद्योग और नियोक्ताओं के साथ गहन परामर्श करके अवार्डिंग निकायों द्वारा दिए गए दिशानिर्देशों के अनुसार तैयार, विकसित, वितरित, मूल्यांकन और प्रमाणित किया जाएगा, विशेष रूप से निम्नलिखित पहलुओं के संबंध में:-

- i. अर्हताओं के डिजाइन और विकास के दौरान हितधारकों के परामर्श
- ii. अर्हता की आवश्यकता और प्रासंगिकता स्थापित करने के लिए उद्योग द्वारा अर्हता का सत्यापन
- iii. अर्हता प्रदान करने और मूल्यांकन करने के लिए उद्योग/ क्षेत्रों से संगत विशेषज्ञों को अनुमत करना और अनुदेशकों/ प्रशिक्षकों की नियुक्ति के लिए दिशानिर्देशों में इसे निर्धारित करना।

5.6.3 अवार्डिंग निकाय कौशल प्रशिक्षण के उद्देश्य से किसी उद्योग के भीतर नियमित प्रशिक्षण केन्द्रों/ सुविधाओं को अपने संबद्ध प्रशिक्षण केन्द्रों के रूप में भी मान्यता दे सकते हैं।

- 5.6.4 इसके अलावा, उद्योग प्रशिक्षण संस्थान और/ अथवा अवसंरचना सहायता प्रदान करने के संदर्भ में भी सहायता प्रदान कर सकता है।
- 5.6.5 उद्योग द्वारा संचालित अर्हताओं को मामला-दर-मामला आधार पर एनएसक्यूएफ संरेखण के लिए विचार किया जा सकता है, यहाँ तक कि जहाँ संबंधित उद्योग एनसीवीईटी द्वारा मान्यता प्राप्त अवार्डिंग निकाय नहीं है, जिसके लिए तंत्र एनसीवीईटी द्वारा निर्धारित किया जाएगा।
- 5.7 क्रेडिट और शिक्षण के नोशनल घंटे अवार्ड/अर्जित करना**
- 5.7.1 राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क (एनसीआरएफ) के तहत प्रत्येक शिक्षण के घंटे को उसके मूल्यांकन के अध्यधीन क्रेडिट किया जा सकता है। आवंटित किए जाने वाले क्रेडिट स्तर मूल्यांकन के साथ शिक्षण के वर्षों की संचयी संख्या पर आधारित होते हैं। क्रेडिट अर्जित करने के लिए पाठ्यक्रम/ अर्हता को संबंधित अर्हता फ्रेमवर्क के साथ संरेखित किया जाना चाहिए, वांछित क्षमता और अपेक्षित शिक्षण के परिणाम का स्पष्ट रूप से वर्णन करते हुए एक परिभाषित एनसीआरएफ स्तर आवंटित किया जाना चाहिए। साथ ही, क्रेडिट आवंटित करने के लिए पाठ्यक्रम/ अर्हता पूरी करने के बाद शिक्षण के परिणाम का मूल्यांकन किया जाएगा।
- 5.7.2 क्रेडिट यह मान्यता है कि शिक्षु ने किसी पूर्व पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, जो किसी किसी दिए गए एनएसक्यूएफ/ एनसीआरएफ स्तर पर अर्हता के अनुरूप है। प्रत्येक पूर्व अनुमोदित अर्हता के लिए छात्र/ शिक्षु ने प्रासंगिक दक्षता और अर्जित व्यावसायिक स्तरों सहित शिक्षण के ऐसे घंटों (शैक्षणिक, व्यावसायिक शिक्षा और कौशल तथा अनुभवजन्य शिक्षा) अथवा कार्यस्थल अनुभवजन्य शिक्षा में लगाना होगा ताकि अर्हता के भाग के रूप में पूर्व निर्धारित और अनुमोदित शिक्षण के परिणामों को प्राप्त किया जा सके, जो विधिवत मान्यता प्राप्त मूल्यांकन एजेंसी द्वारा वैध, भरोसेमंद मूल्यांकन के अधीन है।
- 5.7.3 विद्यालयी शिक्षा, उच्चतर शिक्षा और व्यावसायिक शिक्षा, प्रशिक्षण और कौशल में शिक्षा/ शिक्षण के एक वर्ष के लिए शिक्षण के कुल नोशनल घंटे क्रेडिट के असाइनमेंट के उद्देश्य से प्रति वर्ष 1200 घंटे निर्धारित किए गए हैं, जिसके लिए छात्रों/ शिक्षुओं को मूल्यांकन के अधीन 40 क्रेडिट दिए जाएंगे।
- 5.7.4 व्यावसायिक शिक्षा, प्रशिक्षण और कौशल में शिक्षण के घंटों में, उचित मूल्यांकन के माध्यम से स्थापित एनएसक्यूएफ/ एनसीआरएफ स्तर पर पूर्व निर्धारित शिक्षण के परिणामों को प्राप्त करने के अधीन निम्नलिखित हो सकते हैं :-
- क. औपचारिक शिक्षा, जिसमें कक्षा में सीखना, प्रशिक्षण सत्र, कोचिंग, शिक्षण/ निर्देश शामिल हैं;
 - ख. कार्यशालाओं, प्रयोगशालाओं अथवा नवोन्मेषी प्रयोगशालाओं सहित अन्य स्थानों में प्रायोगिक हैंडस-ऑन प्रशिक्षण;
 - ग. असाइनमेंट, ट्यूटोरियल, छोटी या बड़ी परियोजना के कार्य;
 - घ. परीक्षाएं, कक्षा परीक्षण, प्रश्नोत्तरी और सभी प्रकार के मूल्यांकन;
 - ड. इंटर्नशिप प्रशिक्षुता, ऑन द जॉब प्रशिक्षण (ओजेटी), अर्थात् जॉब पर अभ्यास और सीखना – कार्यस्थल और औद्योगिक क्षेत्र के दौरे में कौशल प्राप्त करना, लागू करना और परिष्कृत करना;
 - च. प्रासंगिक दक्षता और अर्जित व्यावसायिक स्तर सहित अनुभवजन्य शिक्षा आदि;
 - छ. अनौपचारिक शिक्षा, उदाहरण के लिए समुदाय आधारित कार्यशालाओं, युवा समूहों, खेल समूहों (परिषद् द्वारा अलग से अधिसूचित की जाने वाली प्रक्रिया) के माध्यम से;

ज. खेलकूद, योग, शारीरिक गतिविधियाँ, प्रदर्शन कला, संगीत, हस्तशिल्प कार्य, सामाजिक कार्य, एनसीआरएफ (परिषद् द्वारा अलग से अधिसूचित की जाने वाली प्रक्रिया) में विशेष उपलब्धियाँ।

- 5.7.5 राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क (एनसीआरएफ) के तहत क्रेडिट गणना के उद्देश्य से एक क्रेडिट शिक्षण के 30 नोशनल घंटों के समतुल्य है। तथापि, परिषद् विशिष्ट अर्हता के लिए सैद्धान्तिक व्यावहारिक और अनुभवजन्य रूप से शिक्षण के लिए प्रति क्रेडिट अलग-अलग घंटों की संख्या प्रदान कर सकती है। क्रेडिट का आवंटन व्यावसायिक शिक्षा, प्रशिक्षण, और कौशल क्षेत्र या शिक्षण के प्रकार से स्वतंत्र है। छात्रों/ शिक्षुओं को अतिरिक्त क्रेडिट प्राप्त करने के लिए 40 क्रेडिट के अतिरिक्त पाठ्यक्रम, कार्यक्रम, विषय या परियोजना की अनुमति दी जा सकती है।
- 5.7.6 क्रेडिट की संख्या शिक्षण के निर्धारित नोशनल घंटों की संख्या के आधार पर निर्धारित की जा सकती है (जिसे एक निर्दिष्ट एनएसक्यूएफ स्तर पर एक 'औसत' शिक्षु से शिक्षण के परिणाम प्राप्त करने के लिए लेने की अपेक्षा की जाती है)। यदि छात्र/ शिक्षु सफल मूल्यांकन के द्वारा निर्धारित पूर्व निर्धारित परिणाम प्राप्त करने के लिए अधिक या कम समय लेता है, तो कोई क्रेडिट जोड़ा या घटाया नहीं जाता है। यदि शिक्षण में परिणाम प्राप्त नहीं होते हैं, तो छात्र/ शिक्षु को कोई क्रेडिट नहीं दिया जाएगा या उसके द्वारा 'अर्जित' नहीं किया जाएगा।
- 5.7.7 क्रेडिट के असाइनमेंट, संचयन, भंडारण, मोचन और हस्तांतरण की प्रक्रिया राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क के अनुरूप होगी, जिसमें पूर्व शिक्षण की मान्यता (आरपीएल), छात्र/ शिक्षु के गति वर्धन आदि जैसे विशेष प्रावधान शामिल हैं।
- 5.7.8 व्यावसायिक शिक्षा, प्रशिक्षण और कौशल में मिश्रित शिक्षण के लिए क्रेडिट का असाइनमेंट भी किया जा सका है, ताकि खुले शिक्षण के विकल्पों का विस्तार किया जा सके और शिक्षा, शिक्षण और कौशल में प्रौद्योगिकी के व्यापक उपयोग को बढ़ावा दिया जा सके। इससे भौतिक अवसंरचना और मापनीयता की बाधाओं को दूर करने में मदद मिलेगी, साथ ही पहुंच, समानता और सामर्थ्य में वृद्धि होगी और गुणवत्ता व जवाबदेही सुनिश्चित होगी। मिश्रित शिक्षण विकल्प से भारतीय भाषा में सीखना सुलभ होने के साथ-साथ दिव्यांगों के लिए भी पहुंच बढ़ेगी।
- 5.7.9 किसी वर्ग विशेष में छात्र द्वारा अर्जित कुल क्रेडिट अंक, अर्जित किए गए क्रेडिट को एनसीआरएफ स्तर से गुणा करके प्राप्त किए जा सकते हैं। क्रेडिट प्वाइंट को संबंधित नियामकों/ संस्थानों द्वारा विद्यालयी, उच्चतर, तकनीकी या व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रमों/ पाठ्यक्रमों में प्रवेश या दाखिले के लिए विभिन्न स्तरों पर विभिन्न लेटरल प्रवेश और निकास विकल्पों के साथ, हॉरिजोन्टल और वर्टिकल गतिशीलता प्रदान करने के लिए जारी दिशानिर्देशों के अनुसार मोचन करके प्राप्त किया जा सकता है।
- 5.7.10 राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क (एनसीआरएफ) के प्रावधानों के साथ पठित एनएसक्यूएफ, उद्देश्य के लिए वेटेज के आधार पर अर्जित संगत अनुभव और प्रवीणता/ व्यावसायिक स्तरों सहित अनुभवजन्य शिक्षा को क्रेडिट प्रदान किए जा सकते हैं, जो मूल्यांकन के अध्यधीन है।
- 5.7.11 एनएसक्यूएफ के प्रावधान एनसीआरएफ के प्रावधानों और एनसीआरएफ स्तरों के साथ संरेखित किए जाएंगे।

5.8 पूर्व शिक्षण की मान्यता (आरपीएल) प्रदान करने के लिए एनएसक्यूएफ

- 5.8.1 राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क (एनसीआरएफ) के प्रावधानों के साथ पठित एनएसक्यूएफ में छात्रों/शिक्षुओं को शिक्षा और कौशल पारिस्थितिकी तंत्र में पुनः प्रवेश करने और आगे बढ़ने के अवसर प्रदान किए गए हैं, यदि वे किसी भी स्तर पर पिछ़ड़ गए हों या पढ़ाई

छोड़ दी है, जिससे उन्हें औपचारिक शिक्षा पारिस्थिकी तंत्र में एकीकरण, प्रगति और गतिशीलता मिल सकेगी।

- 5.8.2 परंपरागत पारिवारिक विरासत, कार्य अनुभव या अन्य गैर-औपचारिक या अनौपचारिक तरीकों से अनौपचारिक रूप से ज्ञान और कौशल को अर्जित करने वाले कार्यबल के लिए पूर्व शिक्षा की मान्यता (आरपीएल) एनएसक्यूएफ का एक बहुत ही महत्वपूर्ण संबद्ध कार्य है, विशेष रूप से भारतीय संदर्भ में, जहाँ अधिकांश कार्यबल ने औपचारिक प्रशिक्षण प्राप्त नहीं किया है। इस प्रकार की पूर्व शिक्षा में औपचारिक शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र के बाहर, कार्य स्थल, परिवार, समुदाय और/ अथवा स्वैच्छक क्षेत्र में अनौपचारिक शिक्षा और प्रशिक्षण के माध्यम से निरंतर व्यावसायिक विकास गतिविधियों से या खुले/ अन्य स्रोतों से स्वतंत्र शिक्षा से प्राप्त ज्ञान और कौशल शामिल हो सकते हैं।
- 5.8.3 आरपीएल में उन शिक्षुओं को व्यक्तिगत या कैरियर विकास या क्रेडिट प्राप्त करने का विकल्प दिया जाएगा, जिनके पास आवश्यक कौशल तो है, लेकिन इसके लिए कोई औपचारिक प्रमाण पत्र नहीं है। एनएसक्यूएफ स्तर विवरणक (लेवल डिस्क्रिप्टर) के विरुद्ध किसी व्यक्ति की शिक्षा की बैंचमार्किंग उन्हें प्रगति के लिए उपयुक्त विकल्पों को पहचानने में मदद मिलेगी। इससे शिक्षुओं को उनके द्वारा पहले से प्राप्त की गई शिक्षा और भावी शिक्षा और/ अथवा कैरियर के अवसरों के बीच स्पष्ट संबंध बनाने में मदद मिलेगी। इससे शिक्षुओं की कैरियर प्रगति और कौशल उन्नयन में सुधार होगा और साथ ही, विशेषज्ञ व्यक्तियों के रूप में अनुभवी पेशेवरों को शामिल करने में सुविधा होगी।
- 5.8.4 एनसीवीईटी द्वारा समय-समय पर अधिसूचित “आरपीएल” के संबंध में दिशानिर्देश इस संबंध में लागू होंगे।

5.9 व्यावसायिक मानचित्र और प्रगति पथ

प्रत्येक अर्हता व्यावहारिक मानचित्र और प्रगति पथ को परिभाषित करेगी और उसे प्रदान करेगी, ताकि छात्रों/ शिक्षुओं की हॉरिजोंटल और वर्टिकल, दोनों गतिशीलता सक्षम हो सके। ऐसा होने के लिए, निम्नलिखित आवश्यक हैं :-

- 5.9.1 प्रत्येक स्तर अनेक उपायों के द्वारा उससे ऊपर और उससे नीचे के स्तरों से जुड़ा हुआ है। यदि किसी उद्योग क्षेत्र या शैक्षणिक डोमेन में ये उपाय उपलब्ध नहीं हैं, तो एनएसक्यूएफ इन अंतरालों की पहचान करने, खाका तैयार करने और समाधान करने में सहायता करेगा।
- 5.9.2 ऐसे अंतरालों को पूरा करना होगा और प्रमुख प्रशासनिक मंत्रालय, उस क्षेत्र में पहले से ही काम कर रहे नियामक निकाय, एनएसक्यूसी में शामिल एबी और अन्य हितधारकों को शामिल किया जाएगा और प्रक्रिया में आवश्यक सहायता प्रदान करने का अनुरोध किया जाएगा।
- 5.9.3 वर्टिकल और हॉरिजोंटल मोबिलिटी सुविधा के लिए प्रत्येक अर्हता में प्रगति पथ निर्दिष्ट किए जाएंगे। इसके लिए, अवार्डिंग निकाय संबंधित क्षेत्र के स्पष्ट रूप से परिभाषित व्यावसायिक मानचित्र (ओएम) विकसित करेंगे। ऐसे ओएम एक ही क्षेत्र के भीतर या सभी क्षेत्रों में मार्ग दिखा सकते हैं।
- 5.9.4 व्यावसायिक शिक्षा और सामान्य शिक्षा के भीतर और बीच में बहु प्रवेश और बहु निकास विकल्पों के साथ हॉरिजोंटल और वर्टिकल प्रगति पथ एनसीआरएफ के प्रावधानों के अनुरूप तैयार किए जाएंगे।

5.10 अंतर्राष्ट्रीय तुलनात्मकता और गतिशीलता को सक्षम बनाना

- 5.10.1 क्रेडिट की अंतर्राष्ट्रीय समतुल्यता और हस्तांतरण संबंधित देशों के संबंधित नियामकों के बीच विभिन्न बहुपक्षीय/ द्विपक्षीय समझौतों के माध्यम से सक्षम है। आर्थिक सहयोग

और विकास संगठन (ओईसीडी), विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) जैसे संगठनों की पहल के कारण क्षेत्रीय अर्हता फ्रेमवर्क (आरक्यूएफ) में भी तेजी आई है।

5.10.2 पेशेवर दक्षताओं, कौशल और ज्ञान के पारदर्शी सेट की मांग से छात्रों और पेशेवरों की अंतर्राष्ट्रीय गतिशीलता में वृद्धि हुई है। अतः देशों के बीच, विभिन्न अर्हताओं की समतुल्यता की स्वीकार्यता छात्रों और पेशेवरों की अंतर्राष्ट्रीय समतुल्यता और गतिशीलता को सक्षम बनाने के लिए महत्वपूर्ण हो जाती है।

5.10.3 इसमें अर्हताओं के बीच समतुल्यता स्थापित करने के लिए एक मापनीय विधि की आवश्यकता की अनिवार्यता है ताकि देशों के बीच शिक्षुओं और कामगारों के कौशलों, तुलनाओं और गतिशीलता की पहचान हो सके।

5.10.4 राष्ट्रीय कौशल अर्हता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ), एनसीआरएफ के संयोजन से अर्हताओं को संरचित करने का एक तरीका प्रदान करता है, जो न केवल पाठ्यक्रम बल्कि शिक्षण के परिणामों द्वारा परिभाषित है और इसलिए शिक्षण के परिणामों को मापने और समतुल्यता स्थापित करने के लिए अर्हताओं की तुलना करने के लिए एक विश्वसनीय तरीका बन जाता है।

5.10.5 क्रेडिट प्रदान करने और संचयन करने के लिए मानकीकृत राष्ट्रीय फ्रेमवर्क के रूप में एनएसक्यूएफ क्रेडिट हस्तांतरण प्रावधानों के माध्यम से कौशल के अंतर्राष्ट्रीयकरण को प्रोत्साहित करता है, जिससे ये क्रेडिट अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अधिक स्वीकार्य और हस्तांतरणीय हो जाते हैं। इस प्रकार, एनएसक्यूएफ अंतर्राष्ट्रीय समतुल्यता के माध्यम से विदेशी कौशल निकायों और संस्थानों के साथ आदान-प्रदान को बढ़ावा देकर अन्य देशों द्वारा भारतीय शिक्षा और कौशल की व्यापक मान्यता और स्वीकृति को सक्षम बनाता है।

5.10.6 एनएसक्यूएफ द्विपक्षीय अथवा बहुपक्षीय समझौता ज्ञापनों और करारों के लिए भारतीय कौशल अर्हता स्तरों को अन्य देशों/ क्षेत्रों के साथ जोड़ने और संरेखित करने का एक साधन प्रदान करेगा। इससे भारतीय एनएसक्यूएफ संरेखित अर्हता धारकों को दुनिया के अन्य हिस्सों में काम करने और/ या स्थानांतरित होने में गतिशीलता को सुविधाजनक बनाने में मदद मिलेगी। एनएसक्यूएफ दुनिया भर में विकसित हो रहे विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रीय फ्रेमवर्क के साथ इंटरफेस का माध्यम भी होगा।

6. राष्ट्रीय अर्हता रजिस्टर (एनक्यूआर)

- 6.1 यह सुनिश्चित करने के लिए कि शिक्षा उच्चतर शिक्षा और कौशल पारिस्थितिकी तंत्र के सभी हितधारकों के पास, जिनमें अवार्डिंग निकाय, मूल्यांकन एजेंसियाँ, प्रशिक्षण प्रदाता, प्रशिक्षण केन्द्र, संस्थान, विश्वविद्यालय, इंजीनियरिंग कॉलेज, पॉलिटेक्निक, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, राज्य स्कूल बोर्ड, स्कूल, शिक्षक, अनुदेशक, प्रशिक्षक, अभिभावक और छात्र/ शिक्षु शामिल हैं। राष्ट्रीय कौशल अर्हता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) के अनुसार वर्तमान में संरेखित और अनुमोदित सभी अर्हताओं तक पहुंच हो, राष्ट्रीय अर्हता रजिस्टर (एनक्यूआर) पर अर्हताएं अपलोड की जाती हैं और परिषद् द्वारा उनका रखरखाव और नियमित रूप से अद्यतन किया जाएगा।
- 6.2 राष्ट्रीय अर्हता रजिस्टर (एनक्यूआर) एनएसक्यूएफ स्तरों से जुड़ी और एनएसक्यूसी द्वारा अनुमोदित सभी अर्हताओं का आधिकारिक राष्ट्रीय सार्वजनिक रिकॉर्ड होगा। अर्हता रजिस्टर को वेब पोर्टल पर उपलब्ध कराया जाएगा और नियमित रूप से अद्यतन किया जाएगा।
- 6.3 एनक्यूआर में राष्ट्रीय कौशल अर्हता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) के अनुसार संरेखित और अनुमोदित सभी वर्तमान और पिछली अर्हताओं को सूचीबद्ध किया जाएगा, साथ ही उनके नाम, कोड संख्या, संबंधित क्षेत्र/ अवार्डिंग निकाय, अनुमोदन की तिथि, मौजूदगी, संस्करण/ संशोधन, अभिलेखीकरण आदि का पूरा विवरण भी दिया जाएगा।
- 6.4 एनक्यूआर में वर्तमान में उपलब्ध अर्हताएं शामिल होंगी, जो संग्रहीत हैं या समाप्त हो चुकी हैं और प्रस्तावित किए जाने के लिए उपलब्ध नहीं हैं।

- 6.5 यह संबंधित हितधारकों का उत्तरदायित्व होगा कि वे कौशल पारिस्थितिकी तंत्र में किसी अर्हता को प्रस्तुत करने से पहले एनक्यूआर पर उसकी मौजूदगी और उपलब्धता की जाँच करे।

7. संशोधन का साझाकरण

- 7.1 कौशल पारिस्थितिकी तंत्र में विभिन्न हितधारकों और संगठनों द्वारा पहले से सृजित संसाधनों के साझाकरण को प्रोत्साहित किया जाएगा ताकि उपलब्ध धन और विशेषज्ञता का अनुकूल उपयोग किया जा सके।
- 7.2 उद्योग और नियोक्ताओं को कौशल/ व्यावसायिक प्रशिक्षक प्रदाताओं/ संस्थानों के साथ साझेदारी करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा ताकि कार्यस्थल की आवश्यकताएं और प्रकृति कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों का अभिन्न अंग बन सके।
- 7.3 समय-समय पर एनसीवीईटी द्वारा अधिसूचित अवार्डिंग निकायों द्वारा अर्हता, एनओएस और माइक्रो क्रेडेंशियल को अपनाने के लिए दिशानिर्देश इस संबंध में लागू होंगे।
- 7.4 व्यावसायिक शिक्षा, प्रशिक्षण और कौशल अर्हता और शिक्षण के संसाधनों का साझाकरण : दो प्रकार की अर्हताएं और शिक्षण संबंधी संसाधन होंगे :
- सबसे पहले, सार्वजनिक डोमेन या खुले संसाधनों में उपलब्ध संसाधन, जिन्हें राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद् (एनसीवीईटी) द्वारा समय-समय पर जारी दिशानिर्देशों का पालन करने के अधीन साझा किया जाएगा। सरकार या निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व से धनराशि के साथ विकसित कोई संसाधन एक सार्वजनिक संसाधन होगा।
 - दूसरे, अवार्डिंग निकायों, प्रशिक्षण प्रदाताओं या मूल्यांकन एजेंसियों द्वारा विकसित विस्तृत और उन्नत संसाधन, जहाँ विकास, प्रबंधन और उपयोग अधिकार संबंधित विकासकर्ता के पाठ उपलब्ध होंगे। इन संसाधनों का उपयोग अन्य लोगों द्वारा वित्तीय आवेदनों के साथ या उसके बिना आपसी सहमति के आधार पर मालिकों की अनुमति से किया जा सकता है।
 - सार्वजनिक हित में, परिषद् किसी भी संसाधन को सार्वजनिक संसाधन घोषित कर सकती है।

8. एनएसक्यूएफ का कार्यान्वयन

- 8.1 एनसीवीईटी में शामिल राष्ट्रीय कौशल अर्हता समिति (एनएसक्यूसी) एनएसक्यूएफ के कार्यान्वयन के लिए एक सर्वोच्च निकाय है। परिषद् द्वारा गठित एनएसक्यूसी में अन्य के बीच चुनिन्दा केन्द्रीय मंत्रालयों, शिक्षा और कौशल व्यवस्था के नियामक निकायों, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (एआईसीटीई), प्रशिक्षण महानिदेशक (डीजीटी), केन्द्रीय विद्यालय शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई), चुनिन्दा एसएसडीएम (रोटेशन द्वारा), चुनिन्दा उद्योग संघों, अवार्डिंग निकायों के प्रतिनिधियों सहित क्षेत्रीय प्रतिनिधि शामिल हैं।
- 8.2 बदलती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एनसीवीईटी परिषद् के अनुमोदन से एनएसक्यूसी की संघटन को संशोधित किया जा सकता है। एनएसक्यूसी क्षेत्रीय मुद्दों के समाधान के लिए विशिष्ट उप समितियों की स्थापना करने के लिए स्वतंत्र होगा। विशिष्ट क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले और “क्षेत्रीय प्रतिनिधियों” के समूह के अंतर्गत सूचीबद्ध एनएसक्यूसी के सभी सदस्य क्षेत्र पर उप समिति का हिस्सा हो सकते हैं।
- 8.3 एनसीवीईटी एनएसक्यूएफ संरेखण और अर्हताओं के अनुमोदन की प्रक्रिया विवरणों के संबंध में एसओपी और दिशानिर्देश भी निर्धारित करेगा।
- 8.4 एनएसक्यूसी के कार्य इस प्रकार होंगे :
- 8.4.1 एनएसक्यूएफ के लिए अर्हता/ एनओएस/ एमसी के संरेखण से संबंधित सभी नीतियाँ, उनका संशोधन, प्रशिक्षक और मूल्यांकनकर्ता मानदंड आदि।

- 8.4.2 एनएसक्यूसी द्वारा मान्यता प्राप्त अवार्डिंग निकायों (एबी) या एनसीवीईटी द्वारा ऐसा करने के लिए अधिकृत किसी अन्य निकाय तैयार अर्हता, राष्ट्रीय व्यवसाय मानकों (एनओएस) और माइक्रो क्रेडेंशियल (एमसी) का एनएसक्यूएफ संरेखण और अनुमोदन।
- 8.4.3 समय-समय पर बदलती आवश्यकताओं/ नीतियों को ध्यान में रखते हुए एनएसक्यूएफ संरेखण और अनुमोदन के लिए प्रक्रिया को मानकीकृत करना और उसकी समीक्षा करना।
- 8.4.4 आरपीएल अर्हताओं को अपनाने और डिप्लोमा अर्हताओं के संरेखण आदि से संबंधित दिशानिर्देश/ एसओपी निर्धारित करना।
- 8.4.5 यह सुनिश्चित करने के लिए दिशानिर्देश निर्धारित करना कि एबी अर्हताओं में शामिल हों और प्रशिक्षण प्रदाताओं सहित कार्यान्वयन एजेंसियाँ, प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं, दिव्यांगों आदि सहित आबादी के वंचित वर्गों की विशेष जरूरतों को संबोधित करें।
- 8.4.6 भविष्य की कौशल अर्हता, ओईएम अर्हता, क्रॉस-सेक्टोरल बहु कौशल और विरासत/ पारंपरिक क्षेत्रों से संबंधित अर्हताओं/ एनओएस/ एमसी के विकास और एनएसक्यूएफ संरेखण को प्रोत्साहित करे।
- 8.4.7 स्कूलों, उच्चतर शिक्षा और तकनीकी शिक्षा के लिए कौशल अर्हताओं को संशोधित, संरेखित और अनुमोदित करना।
- 8.4.8 स्कूली, उच्चतर शिक्षा और व्यावसायिक शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र में एनएसक्यूएफ संरेखित और अनुमोदित कौशल अर्हताओं के कार्यान्वयन से संबंधित मुद्दों का समाधान करना।
- 8.4.9 एनक्यूआर पर अर्हताओं को अपलोड करने, संशोधित करने और संग्रहित करने की प्रक्रिया निर्धारित करना और उसे अनुमोदित करना।
- 8.4.10 विभिन्न क्षेत्रों के लिए व्यावसायिक मानचित्र को अनुमोदित करना और सभी स्वायत्त निकायों द्वारा इसका अनुपालन और कार्यान्वयन सुनिश्चित करना।
- 8.4.11 प्रमाणपत्र के लिए मानदंड और प्रारूप विकसित/ अनुमोदित करना।
- 8.4.12 एनसीआरएफ के अनुरूप व्यावसायिक शिक्षा के संबंध में क्रेडिट आवंटन, संचयन, भंडारण एवं क्रेडिट हस्तांतरण के लिए तंत्र को अनुमोदित करना तथा एनएसक्यूएफ के लिए पाठ्यक्रमों के संरेखण, व्यावसायिक शिक्षा, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास के लिए क्रेडिट हस्तांतरण आदि के संबंध में मंत्रालयों/ विभागों/ नियामक निकायों के बीच मामलों की समीक्षा करना और उनका समाधान करना।
- 8.4.13 अंतर्राष्ट्रीय गतिशीलता की अनुमति देने के लिए व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण/ कौशल विकास से संबंधित राष्ट्रीय अर्हताओं को अंतर्राष्ट्रीय अर्हता फ्रेमवर्क के साथ संरेखित करने के लिए सभी कदम उठाना और समन्वयन करना।
- 8.4.14 सभी क्षेत्रों में व्यावसायिक शिक्षा, प्रशिक्षण और कौशल विकास के लिए उच्च मानकों एवं गुणवत्ता की स्थापना और रखरखाव के लिए आवश्यक समझा जाने वाला कोई अन्य मामला।

8.5 मूल्यांकन

- 8.5.1 परिषद् के अधिदेश के अनुसार, व्यावसायिक शिक्षा, प्रशिक्षण और कौशल विकास के लिए सभी मूल्यांकन, एनएसक्यूएफ संरेखित और अनुमोदित अर्हताओं के संबंध में आयोजित सभी प्रशिक्षणों के लिए एनसीवीईटी मान्यता प्राप्त मूल्यांकन एजेंसियों द्वारा समय-समय पर परिभाषित मानदंडों के अनुसार, एनएसक्यूसी के अनुमोदन के बाद किए जाएंगे ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि परिणाम उचित एनएसक्यूएफ स्तरों के अनुरूप हों।

8.5.2 यदि एनसीवीईटी द्वारा मान्यता प्राप्त मूल्यांकन एजेंसियों द्वारा मूल्यांकन नहीं किया गया है, तो अवार्डिंग निकाय या किसी अन्य एजेंसी द्वारा कोई एनसीवीईटी प्रमाणपत्र जारी नहीं किया जाएगा।

8.6 प्रमाणपत्र

8.6.1 समय-समय पर एनसीवीईटी द्वारा अधिसूचित अवार्डिंग निकायों की मान्यता और विनियमन के लिए परिभाषित और अधिसूचित मानदंडों के अनुसार एनएसक्यूएफ संरेखित और अनुमोदित अर्हताओं के लिए एनसीवीईटी द्वारा मान्यता प्राप्त अवार्डिंग निकायों द्वारा प्रमाणपत्र किया जाएगा।

8.6.2 प्रमाणपत्र, एनएसक्यूसी के अनुमोदन के बाद, समय पर एनसीवीईटी द्वारा जारी अनुमोदित प्रारूप में छात्र/ शिक्षु के सफल मूल्यांकन के बाद जारी किया जाएगा।

8.6.3 राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद् (एनसीवीईटी) इस प्रमाणपत्र को जारी करने की विधि या तो कौशल भारत डिजिटल पोर्टल या एनसीवीईटी द्वारा निर्दिष्ट किसी अन्य प्रक्रिया के माध्यम से निर्धारित करेगी।

8.7 कार्यान्वयन के लिए विविध प्रावधान

8.7.1 केन्द्र और राज्य सरकारें, केन्द्रीय मंत्रिमंडल/ विभाग, राज्य सरकार के विभाग, राज्य कौशल विकास मिशन (एसएसडीएम) आदि यह सुनिश्चित करने के लिए नेतृत्व प्रदान करेंगे कि सभी हितधारक अपने तत्वावधान में व्यावसायिक शिक्षा, प्रशिक्षण और कौशल पारिस्थितिकी तंत्र को एनएसक्यूएफ संरेखित करे ताकि अधिक मूल्य और गतिशीलता सुनिश्चित हो सके। राज्य सरकारें यह सुनिश्चित करने के लिए तौर-तरीके निर्धारित करने में भी मदद करेंगी कि क्षेत्रीय विविधता के लिए प्रावधान किए जाने के साथ-साथ वे निर्धारित मानकों और प्रक्रियाओं से विचलित न हों, जिससे एनएसक्यूएफ के माध्यम से गुणवत्ता आश्वासन को क्षति पहुंचे।

8.7.2 किसी भी कार्यक्रम के लिए सरकारी वित्तपोषण केवल एनएसक्यूएफ संरेखित और अनुमोदित अर्हता/ पाठ्यक्रमों पर व्यावसायिक शिक्षा, प्रशिक्षण और कौशल के लिए उपलब्ध हो सकता है।

8.7.3 सभी सरकारी वित्तपोषित प्रशिक्षण और शिक्षा संस्थान विभिन्न व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (वीईटी) पाठ्यक्रमों (स्कूल और उच्चतर शिक्षा, दोनों) में प्रवेश के लिए पात्रता मानदंड निर्धारित करेंगे, जो गतिशीलता को सुविधाजनक बनाने के लिए एनएसक्यूएफ के साथ संरेखित है।

8.7.4 मान्यता प्राप्त अवार्डिंग निकायों को शुल्क आधारित कार्यक्रमों में भी एनएसक्यूएफ संरेखित और अनुमोदित अर्हताएं संचालित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

8.7.5 एनएसक्यूएफ को सभी शैक्षणिक संस्थानों द्वारा उनके व्यावसायिक शिक्षा, प्रशिक्षण और कौशल संबंधी कार्यक्रमों के लिए अंगीकार किया जा सकता है।

8.7.6 केन्द्र और राज्य सरकारें अपने भर्ती नियमों और अपने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के नियमों में संशोधन कर सकती हैं ताकि एनएसक्यूएफ स्तरों के संदर्भ में सभी कार्यबल संबंधी पदों के लिए पात्रता मानदंड निर्धारित किए जा सकें।

8.7.7 यह अधिसूचना 2013 की पूर्ववर्ती एनएसक्यूएफ अधिसूचना का स्थान लेगी।

9. प्रावधानों के कार्यान्वयन में कठिनाइयों का निवारण

इस नीति के कार्यान्वयन के दौरान आने वाली चुनौतियों/ कठिनाइयों का मूल्यांकन किया जाएगा और उनका समाधान किया जाएगा और यदि कोई तत्काल/ अल्प संशोधन आवश्यक है, तो उसे एनसीवीईटी के अध्यक्ष के अनुमोदन से जारी किया जाएगा, जिसे परिषद् द्वारा कार्योत्तर अनुमोदन प्रदान किया जाएगा। दिशानिर्देशों के किसी भी प्रावधान के संबंध में परिषद् की व्याख्या/ निर्णय अंतिम होगा।

अनुबंध-1

एनएसक्यूएफ स्तरों के लिए स्तर विवरणक (लेवल डिस्किप्टर)
(प्रत्येक स्तर पर सूचीबद्ध अधिकांश मापदंडों को लागू किया जाना है)

एनएसक्यूएफ स्तर	व्यावसायिक सैद्धान्तिक ज्ञान	व्यावसायिक और तकनीकी कौशल/विशेषज्ञता	अभिक्षमता, मानसिकता, सॉफ्ट कौशल, रोजगार तैयारी और उद्यमशीलता कौशल	व्यापक शिक्षण के परिणाम	उत्तरदायित्व
ब्यौरे	व्यावसायिक ज्ञान और समझ तथा ऐसे ज्ञान का प्रयोग करना	अपेक्षित व्यावसायिक और तकनीकी कौशल और कार्यों की निष्पादित और पूरा करने के लिए उनका प्रयोग करना	सामान्य रोजगार तैयारी और उद्यमशीलता कौशल तथा मानसिकता (संप्रेषण) डिजिटल, वित्तीय और कानूनी साक्षरता, उद्यमशीलता, समावेशिता और विविधता, साक्षरता और गणनात्मक	सामान्य शिक्षण के परिणाम (अपेक्षित निष्पादन मानदंड और प्रक्रिया अनुकूलन)	जॉब का उत्तरदायित्व स्तर
स्तर-1 संक्षिप्त रूपरेखा/विवरण	<ul style="list-style-type: none"> प्रारंभिक ज्ञान कार्य के संदर्भ को समझने के लिए पहचान करके या स्मरण करके प्रदर्शनीय कार्य में प्रारंभिक ज्ञान होना 	<ul style="list-style-type: none"> भूमिका सीमित कौशल निर्देशित गतिविधियों को करते समय बुनियादी कौशलों की संकीर्ण सीमा पुनरावृत्ति की प्रकृति की होती है, जिनके लिए किसी पूर्व अभ्यास की आवश्यकता नहीं होती। 	<ul style="list-style-type: none"> बुनियादी रोजगार तैयारी अति संकीर्ण बुनियादी रोजगारपरक कौशल, जिनमें वित्तीय और डिजिटल साक्षरता की संप्रेषण कौशल और बुनियादी समझ, डिजिटल भुगतान और आधार शामिल हैं। 	<ul style="list-style-type: none"> नियमित/पुनरावृत्ति कार्य पूर्ण आदेशों और गहन पर्यवेक्षण में नियमित और पुनरावृत्तिक व्यापारों को पूरा करना 	<ul style="list-style-type: none"> सहायक सहायक/ जमीनी स्तर के कार्यकर्ता के रूप में हमेशा निरंतर अनुदेश और गहन पर्यवेक्षण के अंतर्गत कार्य करना।
स्तर-1	<ul style="list-style-type: none"> पहचान करके अथवा स्मरण करके प्रदर्शनीय कार्य क्षेत्र में प्रारंभिक ज्ञान होना सामान्य व्यापार शब्दावली और अनुदेशात्मक शब्दों के अर्थ और समझ की संकीर्ण 	<ul style="list-style-type: none"> बुनियादी कौशलों की संकीर्ण सीमा होना बहुत बुनियादी प्रयोगात्मक कौशल होना। अनुदेशात्मक कार्यों को समझने और कार्यनिष्पादन करने के लिए योग्य, ऐसे निर्देशात्मक क्रियाकलापों 	<ul style="list-style-type: none"> बहुत ही संकीर्ण बुनियादी रोजगारपरक कौशल, जिसमें देशी भारतीय भाषा में संप्रेषण कौशल होना शामिल है। बुनियादी पठन और लेखन कौशल; बुनियादी अंक गणितीय कौशल होना चाहिए वित्तीय और डिजिटल साक्षरता, डिजिटल भुगतान और आधार 	<ul style="list-style-type: none"> नियमित और पुनरावृत्ति के सुपरिभाषित कार्य का निष्पादन एक हेल्पर/सहायक की सीमित पूर्व निर्धारित बुनियादी भूमिका में कार्य करना कार्य को पूर्ण 	<ul style="list-style-type: none"> प्रथम स्तर के हेल्पर/ जमीनी स्तर के कार्यकर्ता के रूप में काम करना दिए गए कार्य के लिए कोई प्रत्यक्ष उत्तरदायित्व अथवा जवाबदेही नहीं होना हमेशा सतत अनुदेशों और गहन पर्यवेक्षण के अंतर्गत कार्य करना

	<p>सीमा से परिचित होना</p> <ul style="list-style-type: none"> कार्य के संदर्भ को समझने के लिए व्यक्तिगत ज्ञान का प्रयोग करने में सक्षम और कुछ गुणवत्ता मापदंड होना 	<p>और पुनरावृत्ति प्रकृति की प्रक्रियाओं को करना, जिनमें कोई पूर्व अभ्यास आवश्यक नहीं।</p> <ul style="list-style-type: none"> बुनियादी उपकरणों के प्रयोग से अनुदेशित क्रियाकलाप करना 	<p>की बुनियादी समझ होना</p>	<p>अनुदेशों और गहन पर्यवेक्षण के अंतर्गत करना</p> <ul style="list-style-type: none"> पुनरावृत्ति के कार्य के प्रयोग पर ध्यान देना बुनियादी सुरक्षा और सामान्य साफ सफाई मानकों की जानकारी होना 	
स्तर-2 संक्षिप्त रूपरेखा/विवरण	<ul style="list-style-type: none"> मौलिक ज्ञान एक सीमित संदर्भ में बुनियादी सामग्रियों, उपकरणों, अनुप्रयोगों की समझ के साथ कार्य के क्षेत्र में बुनियादी कार्य/ संचालनात्मक ज्ञान होना 	<ul style="list-style-type: none"> सीमित नियत कौशल कार्यात्मक भूमिकाओं की सीमित सीमा में संरचित कार्य निष्पादन करना। परिचित समस्याओं के लिए ज्ञात समाधानों का उपयोग करना 	<ul style="list-style-type: none"> रोजगार तैयारी लिखित और मौखिक संदेश/ संप्रेषण को स्पष्ट रूप से प्राप्त करना और प्रसारित करना। छोटे व्यावसायों के लिए व्यापक लेकिन बुनियादी रोजगार कौशलों का होना, जिनमें बुनियादी स्व-रोजगार/ उद्यमशीलता की मानसिकता होना 	<ul style="list-style-type: none"> पूर्व निर्धारित कार्य करना उम्मीदवार नियमित और पूर्वानुमानित गतिविधियों की सीमित सीमा वाली जाँब कर सकता है। बुनियादी सीमा और गुणवत्ता मानदंडों को समझता है। 	<ul style="list-style-type: none"> सहायक सहायक के रूप में कार्य प्रदान करने और गुणवत्ता की सीमित उत्तरदायित्व होना
स्तर-2	<ul style="list-style-type: none"> कार्य के क्षेत्र में बुनियादी कार्य/ संचालन का ज्ञान सीमित संदर्भ में बुनियादी सामग्रियों, उपकरणों, अनुप्रयोगों को समझना स्वयं सहायता समूह के सदस्य/ सूक्ष्म उद्यमी के लिए 	<ul style="list-style-type: none"> पूर्व निर्धारित संदर्भ में सीमित संबंधित कौशल कार्यात्मक भूमिकाओं की सीमित सीमा में संरचित कार्य निष्पादन करना। परिचित समस्याओं के लिए ज्ञात समाधानों का उपयोग करना। कार्य 	<ul style="list-style-type: none"> पढ़ने और लिखने तथा सरल कंप्यूटेशनल गणित की क्षमता – संख्यात्मक और साक्षरता लिखित और मौखिक संदेश/ संप्रेषण को स्पष्ट रूप से प्राप्त करना और प्रेषित करना। सहायक के रूप में एक टीम के भीतर काम करना। सुरक्षा, स्वच्छता और पर्यावरण, सामाजिक, राजनीतिक और धार्मिक विविधता की समझ लघु व्यवसायों के लिए 	<ul style="list-style-type: none"> उम्मीदवार नियमित और पूर्वानुमानित गतिविधियों की सीमित आवश्यकता वाली नौकरी कर सकता है। कार्य अधिकतर अनुदेशों और पर्यवेक्षक के अंतर्गत किए जाते हैं। कौशल और कार्य के अभ्यास पर ध्यान केन्द्रित 	<ul style="list-style-type: none"> अधिकांशतः अनुदेशन और पर्यवेक्षण के तहत काम करना काम की डिलीवरी और गुणवत्ता के लिए सीमित उत्तरदायित्व होना स्वयं सहायता समूह के सदस्यों, शूक्रम उद्यमियों (जेएसएस) के लिए स्थानीय बाजारों में उत्पादन और विपणन की अंतिम

	<p>व्यावसायिक गतिविधि, कच्चे माल, तैयार उत्पाद/ सेवा और स्थानीय बाजार का बुनियादी ज्ञान होना</p> <ul style="list-style-type: none"> • अनुदेशों और पर्यवेक्षण के तहत पुनरावृत्ति वाले कार्यों को समझने और निष्पादित करने में सक्षम होना • बुनियादी गुणवत्ता, सुरक्षा और सामान्य स्वच्छता मानदंडों को समझना। पर्यावरणीय पहलुओं से परिचित होना 	<p>में प्रासंगिक उपकरणों और सामग्रियों की पहचान करने तथा उनका उपयोग करने का कौशल</p> <ul style="list-style-type: none"> • स्वयं सहायता समूह के सदस्यों, शूक्ष्म उद्यमियों के लिए निर्माण या विनिर्माण (हस्तशिल्प, पारंपरिक वस्तुएं आदि) सेवा और विपणन आदि के लिए कार्य कौशल होना 	<p>बुनियादी स्व-रोजगार/ उद्यमी मानसिकता सहित व्यापक लेकिन बुनियादी रोजगार कौशल होना।</p> <ul style="list-style-type: none"> • वित्तीय और डिजिटल साक्षरता, आधार और मोबाइल, डिजिटल भुगतान आदि के उपयोग की समर्थ होना 	<p>करना, पूर्व निर्धारित और नए दोनों में।</p> <ul style="list-style-type: none"> • स्वयं सहायता समूह के सदस्यों, भूक्षम उद्यमियों (जेएसएस) के लिए प्रक्रिया और वितरण की पूरी तरह से स्पष्ट समझ होना • बुनियादी सुरक्षा और सामान्य स्वच्छता मानदंडों को समझना 	<p>उत्तरदायित्व होना</p>
<p>स्तर 2.5 से 3 रूपरेखा/ विवरण</p>	<ul style="list-style-type: none"> • ज्ञान की सीमा • मानक प्रक्रियाओं की निर्धारित सीमा का ज्ञान, परिचित समस्याओं के लिए ज्ञात प्रक्रियाओं की एक सीमा तक सीमित विवेक और निर्णय का उपयोग करना 	<ul style="list-style-type: none"> • तकनीकी कौशल की सीमा • परिचित संदर्भों की सीमा में समस्या और मुद्दों की पहचान के लिए आवश्यक कौशल 	<ul style="list-style-type: none"> • टीम तैयारी और उद्यमशीलता तैयारी • व्यापक रोजगार कौशलों के साथ टीम वर्कर, जो काम के लिए प्रेरणा और सकारात्मक दृष्टिकोण प्रदर्शित करे 	<ul style="list-style-type: none"> • कई तरह के काम करना और कई तरह के समाधान प्रदान करना • उम्मीदवार परिचित, पूर्वानुमानित, नियमित, स्पष्ट विकल्प की स्थिति में जॉब करता है, जो उत्पादन/ सेवाओं में अनेक मानक प्रक्रियाओं या प्रचालनों के 	<ul style="list-style-type: none"> • जवाबदेह/ जिम्मेदार - जूनियर तकनीशियन और तकनीशियन • अपने काम और ठोस आउटपुट की डिलीवरी और गुणवत्ता की उत्तरदायित्व लेना। किसी विशिष्ट क्षेत्र के भीतर नियमित और पूर्वानुमानित कार्यों की योजना बनाने में सहायता कर सकता है

				प्रयोग पर ध्यान केन्द्रित कर सकता है। समस्याओं और संभावित समाधानों की सीमा को पहचानने/ पूर्वानुमान लगाने में सक्षम होना चाहिए	
स्तर 2.5 से 3 8वीं के बाद आईटीआई	<ul style="list-style-type: none"> नियमित संदर्भों में नियोजित मानक प्रक्रियाओं की एक निर्धारित रेंज के संबंध में ज्ञान होना समय पर डिलीवरी और गुणवत्ता की बुनियादी अवधारणा को समझता होना उपलब्ध सूचना की व्याख्या कर सकता है और उसे संप्रेषित कर सकता है। समस्या की पहचान और समाधान के लिए सूचना एकत्र करने और व्यवस्थित करने का बुनियादी ज्ञान। बुनियादी वित्तीय की समक्ष और 	<ul style="list-style-type: none"> परिचित संदर्भों की सीमा के भीतर प्रक्रियाओं और कार्य विधियों के चयन को पूरा करने की कौशल और तकनीकी अभियां होना ज्ञान, कौशल और समझ की एक सीमा प्राप्त करने और जहाँ प्रासंगिक हो, लागू करने की अभियां परिचित संदर्भों की सीमा के भीतर समस्या और मुद्दों की पहचान करने के लिए आवश्यक कौशल है। दिए गए संदर्भों में प्रासंगिकता उपकरणों और सामग्रियों की पहचान करने का कौशल कार्य/ जॉब के संचालन संबंधी ज्ञान और समक्ष रखता हो। उचित 	<ul style="list-style-type: none"> टीम के सदस्य के रूप में/ टीम के भीतर कार्य करना। व्यक्तिगत प्रेरणा प्रदर्शित करना। कार्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण और जुनून होना लिखित और मौखिक संप्रेषण में कुछ स्पष्टता के ऐसे संप्रेषण में सहायता के लिए भाषा को बुनियादी ज्ञान के साथ अच्छे कौशल। मध्यवर्ती साक्षरता और संख्यात्मक कौशल कार्यशाला गणनाओं के लिए कार्यशाला गणना और अंकगणित और बीच गणितीय सिद्धान्तों के बुनियादी कौशल स्व-रोजगार और लघु उद्यम कौशल सहित व्यापक रोजगार कौशल होना, जिसमें 1 से अधिक व्यक्तियों के लिए जॉब का सृजन हो सके। डिजिटल उपकरणों का उपयोग कर सकते हैं, बुनियादी वित्तीय और डिजिटल साक्षरता, आधार और मोबाइल, डिजिटल भुगतान आदि में कुछ दक्षता के साथ। 	<ul style="list-style-type: none"> उम्मीदवार को परिचित, पूर्वानुमानित, नियमित, स्पष्ट विकल्प की स्थिति में जॉब/ कार्य/ काम/ छोटी परियोजना/ असाइनमेंट को पूरा करने में सक्षम होना चाहिए उत्पादन/ सेवाओं में मानक प्रक्रियाओं या संचालन के अनुप्रयोग की सीमा पर ध्यान केन्द्रित करना उत्पादन/ सेवाओं में समस्याओं और समाधानों की संभावित सीमा की पहचान/ पूर्वानुमान लगाने में सक्षम होना। कार्य ज्यादातर स्वयं के द्वारा 	<ul style="list-style-type: none"> अपने काम की डिलीवरी और गुणवत्ता तथा ठोस आउटपुट की उत्तरदायित्व लेता है। स्तर 2.5 पर उम्मीदवार जूनियर तकनीशियन होता है। स्तर 3.0 पर उम्मीदवार कुशल कर्मचारी/ तकनीशियन के रूप में कार्य करता है। हेल्पर या सहायकों से काम लेना और जूनियर तकनीशियन के साथ मिलकर काम करना। किसी विशेष क्षेत्र में नियमित और पूर्वानुमानित कार्यों की योजना बनाने में सहायता में सक्षम होना।

	<ul style="list-style-type: none"> परिचित समस्याओं के लिए ज्ञात प्रक्रियाओं की एक रेंज पर सीमित विवेक और निर्णय का उपयोग करना। 	<p>परिशुद्धता के साथ जॉब/ कार्य को पूरा करने का कौशल।</p>	<ul style="list-style-type: none"> सामाजिक, राजनीतिक प्राकृतिक और कार्यगत वातावरण की बुनियादी समझ। संवैधानिक मूल्यों और नागरिकता समावेश और विविधता की बुनियादी समझ। 	<p>किए जाते हैं और उन्हें बहुत कम अनुदेशों और पर्यवेक्षण की आवश्यकता होती है।</p> <ul style="list-style-type: none"> जोखिमों के साथ-साथ सभी सुरक्षा और सामान्य स्वच्छता मानदंडों और पर्यावरणीय पहलुओं को समझता है। स्वयं सहायता समूह के सदस्यों, लघु उद्यमियों के लिए उत्पादन प्रक्रिया, गुणवत्ता मापदंडों, वितरण और स्थानीय विपणन की पूरी तरह से स्पष्ट समझ। 	
स्तर 3.5 से 4 संक्षिप्त रूपरेखा/ वर्णन	<ul style="list-style-type: none"> विशिष्ट ज्ञान विशिष्ट ज्ञान के अथवा/ और विविध प्रक्रियात्मक ज्ञान, प्रचालन समझ, समय, और गुणवत्ता प्रबंधन डेटा की व्याख्या और वित्तीय व्यवहार्यता विशेषण में कुशल। 	<ul style="list-style-type: none"> विशिष्ट कौशल उन्नत ज्ञान के साथ व्यावसायिक रूप से कुशल तकनीकों को सफलतापूर्वक लागू करने और सटीकता के साथ काम करने में सक्षम 	<ul style="list-style-type: none"> टीम तैयारी, स्व-उद्यमिता तैयारी संप्रेषण, नेतृत्व, उद्यमिता और डिजिटल तथा वित्तीय साक्षरता सहित रोजगार कौशल में दक्षता के साथ अत्यधिक कुशल और बहुमुखी पेशेवर 	<ul style="list-style-type: none"> विशिष्ट/ जटिल जॉब/ कार्य न्यूनतम पर्यवेक्षक के साथ विशिष्ट कार्यों को करने, तकनीकी कौशल का प्रयोग करने और स्पष्टता के साथ समस्या के समाधान में कुशल और बहुमुखी पेशेवर 	<ul style="list-style-type: none"> स्वयं और टीम उत्तरदायित्व - सीनियर तकनीशियन या मास्टर तकनीशियन व्यक्तिगत जवाबदेह, सामूहिक जिम्मेदार, गैर-मानक और गैर-नियमित कार्यों में सक्षम और आश्वस्त

<p>स्तर 3.5 से 4 10वीं के बाद आईटीआई</p>	<ul style="list-style-type: none"> नियमित और गैर-नियमित, दोनों संदर्भों में नियोजित प्रक्रियाओं का विशेष ज्ञान होना कार्य का विशेष प्रचालनीय ज्ञान और समक्ष होना कार्य की डिलीवरी के लिए आवश्यक समय की अवधारणा का पूरा ज्ञान हो, और विभिन्न मुद्रों के लिए गुणवत्ता हो उपलब्ध सूचना को एकत्र करने और उसकी व्याख्या करने, निष्कर्ष निकालने और उसे संप्रेषित करने का ज्ञान होना विभिन्न कार्य/ समाधान विकल्पों के वित्तीय और व्यवहार्यता पहलू की समझ 	<ul style="list-style-type: none"> विशिष्ट व्यावसायिक और तकनीकी कौशल, गतिविधियों/ कार्यों की विस्तृत रेंज में व्यावसायिक ज्ञान और तकनीकी कौशल की स्पष्टता का प्रदर्शन करना किसी विशिष्ट थेट्र/ जॉब भूमिका में तकनीकों/ प्रक्रियाओं को सफलतापूर्वक लागू करने या लागू करने के लिए आवश्यक ज्ञान का उपयोग कर सके अनेक ज्ञान, कौशलों और समक्ष को जहाँ प्रासंगिक हो, प्राप्त करने और लागू करने की योग्यता होना प्रासंगिक उपकरणों की स्पष्ट रूप से पहचान कर सके और अधिकांश नियमित/ अनियमित संदर्भों में सामग्रियों का उन्नत ज्ञान हो। कार्य/ जॉब के लिए आवश्यक प्रचालनीय कौशल/ अपेक्षित 	<ul style="list-style-type: none"> कैरियर नियोजन, डिजिटल कौशल, वित्तीय और कानूनी साक्षरता की समझ सहित व्यापक रोजगार कौशल होना मौखिक और लिखित दोनों तरह से अच्छा संप्रेषण कौशल होना पहल और नेतृत्व क्षमता होना उन्नत साक्षरता और संख्यात्मक कौशल होना स्वरोजगार और उद्यमिता कौशल/ उद्यमी मानसिकता के लिए अच्छे कौशल होना, जो संभावित रूप से अधिक लोगों (जैसे 3 से 5) के लिए रोजगार पैदा कर सकता है सटीक कार्यशाला/ गणितीय गणना और अनुमान लगाने के लिए कौशल और अंकगणित व बीजगणितीय सिद्धान्तों की समझ होना अधिकांश बुनियादी डिजिटल उपकरणों का आसान उपयोग कर सके, वित्तीय और डिजिटल ज्ञान, आधार तथा मोबाइल की स्पष्ट समझ हो, डिजिटल भुगतान आदि का दक्षता के साथ उपयोग करना संवैधानिक मूल्यों और नागरिकता, समावेश और विविधता की अच्छी समझ। सामाजिक, राजनैतिक और कार्यगत वातावरण की बहुत अच्छी समझ होना 	<ul style="list-style-type: none"> उम्मीदवार एक परिचित/ अपरिचित, प्रत्याशित/ अप्रत्याशित, नियमित/ अनियमित अनेक विकल्पों/ चयन की स्थिति में एक विशिष्ट जॉब/ कार्य/ काम करने में समर्थ हो। उत्पादन/ सेवाओं में मानक और गैर-माक प्रक्रियाओं तथा कुछ हद तक जटिल संचालन के अनुप्रयोग पर ध्यान केन्द्रित करना उत्पादन/ सेवाओं में गुण व दोषों के साथ समस्या को पहचानने और व्यापक संभव समाधान करने में सक्षम होना जटिल कार्यों को बिना किसी अनुदेश और पर्यवेक्षण के स्वयं करना। संबंधित व्यावसायिक सुरक्षा और सामान्य स्वच्छता मानदंडों तथा 	<ul style="list-style-type: none"> स्तर 3.5 पर उम्मीदवार एक सीनियर कुशल तकनीशियन होता है। अपने काम और आउटपुट प्रदान करने और गुणवत्ता के साथ अपने अधीनस्थों की भी पूरी उत्तरदायित्व लेता है। समूह कार्यों के लिए जिम्मेदारियां साझा करता है। स्तर 4 पर उम्मीदवार अत्यंत कुशल मास्टर तकनीशियन होता है। सभी गैर-मानक और गैर-नियमित कार्यों को आत्मविश्वास के साथ पूरा कर सकता है।
---	---	---	---	---	---

		<p>सटीकता और अनुमानित समय-सीमा के भीतर जॉब/कार्य को पूरा करने का कौशल।</p> <ul style="list-style-type: none"> परिचित/ अपरिचित संदर्भों की सीमा में प्रक्रियाओं और कार्यविधियों का चयन करने की क्षमता होना 		<p>पर्यावरणीय पहलुओं को लागू करना</p> <ul style="list-style-type: none"> लघु उद्यमियों के लिए विकास, उत्पादन, गुणवत्ता मानदंडों तथा वितरण और विपणन प्रक्रियाओं की पूरी तरह से स्पष्ट समझ होना परिचित संदर्भ में स्पष्ट विकल्पों को शामिल करने वाली गतिविधियों की स्पष्टता के साथ अच्छी तरह से विकसित अनेक तकनीकी कौशल लागू करना इस संबंध में ज्ञान है और उन प्रक्रियाओं को लगातार सुधारने में सक्षम है, जिनका उपयोग व्यक्ति संबंधित जॉब भूमिकाओं के लिए करता है संबंधित जॉब भूमिकाओं से संबद्ध जोखिमों की जानकारी रखना परिचित
--	--	--	--	--

				समस्याओं के लिए ज्ञात अनेक प्रक्रियाओं पर विवेक और निर्णय का उपयोग करना	
4.5 से 5 संक्षिप्त रूपरेखा/विवरण	<ul style="list-style-type: none"> बहु विषयक और विशिष्ट ज्ञान विशिष्ट क्षेत्रों में समस्याओं को हल करने के लिए व्यापक और गहन ज्ञान तथा कौशल रखना 	<ul style="list-style-type: none"> विशिष्ट डोमेन कौशलों के साथ विविध कौशल जटिल कार्यों को आसानी से करने के लिए उपयोग किए जाने वाले उत्कृष्ट संज्ञानात्मक कौशलों और तकनीकी कौशलों, परियोजना प्रबंधन, विशेषज्ञता और सूचित निर्णय लेने के लिए डेटा विश्लेषण में निपुणता होना 	<ul style="list-style-type: none"> उद्यमी मानसिकता, स्व-प्रबंधन उत्कृष्ट संप्रेषण, डिजिटल और वित्तीय साक्षरता, नैतिक मूल्यों, स्व-प्रबंधन के साथ एक बहुमुखी पेशेवर और उद्यमी मानसिकता हो सकती है। 	<ul style="list-style-type: none"> फैसला लेना/ निर्णय करना तकनीकी विशेषज्ञता, जटिल समस्याओं को सुलझाने और आउटपुट में सुधार लाने में अनुकूलता के साथ एक कुशल पेशेवर होना 	<ul style="list-style-type: none"> टीम लीडर - जूनियर तकनीकी पर्यवेक्षक, तकनीकी पर्यवेक्षक या जूनियर/ उप प्रबंधक अत्यधिक कुशल तकनीकी पर्यवेक्षक, जो ठोस परिणाम हासिल करने, परिवर्तन का प्रबंधन करने, टीमों का निर्माण करने और कार्यबल का मार्गदर्शन करने के लिए जिम्मेवार होना
स्तर 4.5 से 5 डिप्लोमा/स्नातक	<ul style="list-style-type: none"> प्रौद्योगिकी/ कौशल/ जॉब भूमिका के चुने गए क्षेत्रों में, व्यापक बहुविषयक संदर्भों में ज्ञान रखना प्रौद्योगिकी/ कौशल/ जॉब भूमिका और इसके निहित सिद्धान्तों के विशेष क्षेत्र का गहन ज्ञान और समझ होना 	<ul style="list-style-type: none"> चुने हुए प्रौद्योगिकी/ कौशल/ जॉब भूमिका के क्षेत्रों में संबंधित कठिन कार्यों को निष्पादित करने और पूरा करने के लिए आवश्यक संज्ञानात्मक विशेषज्ञता व्यावसायिक और तकनीकी कौशल का प्रदर्शन, नियमित या गैर-निर्मित 	<ul style="list-style-type: none"> नेतृत्व के विजन को शॉप फ्लोर लेवल के कार्यबल तक ले जाने के लिए उत्कृष्ट मौखिक और लिखित संप्रेषण तथा सहयोग रखने का कौशल हो उन्हें प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए बहुत अच्छी डिजिटल, वित्तीय और कानूनी ज्ञान रखना। संवैधानिक, मानवीय, नैतिक और नैतिक मूल्यों की अच्छी समझ होना संगठन और समय प्रबंधन 	<ul style="list-style-type: none"> मानक और गैर-मानक प्रथाओं को शामिल करने वाली गतिविधियों की विस्तृत रेंज में विशिष्ट व्यावसायिक और तकनीकी कौशल की व्यापक रेंज का प्रदर्शन करना बुनियादी डिजाइन, प्रोटोटाइप, परीक्षण, जैसे 	<ul style="list-style-type: none"> व्यक्तिगत और/अथवा समूह के ठोस परिणामों को निर्धारित करने के लिए उत्तरदायी होना ग्राउंड/ शॉप फ्लोर स्तर पर परिवर्तन की अपेक्षाओं और परिवर्तन की अपेक्षाओं और परिवर्तन के प्रबंधन को संभालना/ अनुकूलन करना/ समायोजित करना टीम निर्माण

	<ul style="list-style-type: none"> • बुनियादी डिजाइन, प्रोटोटाइप, परीक्षण जैसे कार्यों को पूरा करने के लिए विशेष ज्ञान और अनेक संज्ञानात्मक व्यावहारिक कौशलों का अर्जन करना ताकि उपयुक्त सूचना, विधियों, उपकरणों और सामग्रियों का चयन करके किसी समस्या को हल किया जा सके 	<ul style="list-style-type: none"> कार्यों में तकनीकों को सफलतापूर्वक लागू करना • विविध व्यावसायिक और तकनीकी कौशल रखना; विविध गतिविधियों और कार्यों में ज्ञान और अभ्यास का सपष्ट प्रदर्शन करना • परियोजना प्रबंधन कौशल • प्रासंगिक उपकरणों को सपष्ट रूप से पहचानने या कभी-कभी उपलब्ध उपकरणों और तकनीकों में सुधार करने का कौशल और कठिन परिस्थितियों तथा विभिन्न संदर्भों में सामग्रियों का अग्रिम ज्ञान • सूचित निर्णय लेने के लिए डेटा एकत्र करने, सूचना को व्यवस्थित करने, विश्लेषण करने और परिणामों को संप्रेषित करने में बहुत अच्छा होना 	<ul style="list-style-type: none"> • जटिल गणनाओं में बहुत अच्छा और लागू समाधानों के लिए गणितीय और वित्तीय विश्लेषण कौशल होना • सामाजिक, राजनैतिक और कार्यगत वातावरण की अच्छी तरह से व्यवहारिक समझ रखना • कार्य संदर्भों के भीतर आत्म प्रबंधन का अभ्यास करना • भावात्मक बुद्धिमत्ता • स्टार्ट-अप/ छोटे व्यवसाय बनाने और उसके शुरुआत से लेकर अंत तक प्रबंधन के लिए एक उद्यमशीलता की मानसिकता होना 	<ul style="list-style-type: none"> कार्यों को पूरा करने के लिए अर्जित विशिष्ट ज्ञान और विविध संज्ञानात्मक व्यावहारिक कौशल को लागू करना ताकि उचित सूचना, विधियों का चयन करके समस्याओं को हल किया जा सके। • सीनियर प्रबंधन और कार्यबल/ शॉप फ्लोर के बीच एक परत के रूप में कार्य करने के लिए संप्रेषण और सहयोग होना। • जटिल जानकारी को ठीक से सुनने और समझने तथा स्पष्ट व संक्षिप्त तरीके से प्रस्तुत करने में सक्षम होना चाहिए। • चुनिन्दा शिक्षण के छेत्रों से संबद्ध कई अप्रत्याशित समस्याओं के समाधान का निर्धारण करने के लिए सूचना के विश्लेषण और मूल्यांकन के 	<ul style="list-style-type: none"> • निर्धारित गतिविधियों के लिए व्यापक मानदंडों के भीतर प्रक्रियाओं और कार्यविधियों का प्रबंधन करना • दूसरों के नियमित काम की देखरेख करना, काम या अध्ययन गतिविधियों के मूल्यांकन और सुधार के लिए आवश्यक उत्तरदायित्व लेना • स्तर 4.5 पर उम्मीदवार अत्यधिक कुशल होता है और जूनियर तकनीकी पर्यवेक्षक के रूप में काम करना • निरंतर कर्मचारियों को प्रेरित करना, मार्गदर्शन करना, सलाह और प्रशिक्षण देना • स्तर 5.0 पर उम्मीदवार एक तकनीकी पर्यवेक्षक या जूनियर/ उप प्रबंधक होता है। • एक स्वतंत्र कार्य एकक/ शॉप फ्लोर/ अनुभाग/व्यावसा यिक गतिविधियाँ/ असाइनमेंट के प्रबंधन की उत्तरदायित्व होना
--	---	---	--	--	--

				<p>आधार निश्चित करना और निर्णय लेना</p> <ul style="list-style-type: none"> आउटपुट की प्रकृति और¹ गुणवत्ता के लिए उत्तरदायित्व लेना आउटपुट की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए प्रक्रियाओं पर काम करने में सक्षम। विचारों विश्लेषण और संश्लेषण करने में सक्षम परिचित और² अपरिचित समस्याओं तथा मुद्दों के लिए ज्ञात और अभिनव विविध प्रतिक्रियाओं पर विवेक और निर्णय का उपयोग करना 	
<p>5.5 से 6 संक्षिप्त रूपरेखा विवरण</p>	<ul style="list-style-type: none"> उन्नत बहुविषयक और विशेष ज्ञान संबंधित क्षेत्रों में विशेष विशेषज्ञता के साथ तकनीक सहित अंतरविषयक ज्ञान में कुछ उभरते रुझानों, 	<ul style="list-style-type: none"> उन्नत तकनीकी और प्रबंधकीय कौशल सामाजिक बुद्धिमत्ता के साथ उन्नत संज्ञानात्मक अधमताओं, परियोजना प्रबंधन, तकनीकी-वाणिज्यिक पहलुओं और भविष्य की अनुकूलनशील 	<ul style="list-style-type: none"> नेतृत्व, प्रभावी संसाधन प्रबंधन असाधारण संगठनात्मक संप्रेषण और सलाह के कौशल के साथ गतिशील नेतृत्व, इष्टतम समूह प्रदर्शन के लिए नवाचार को आगे बढ़ाने में सक्षम होना 	<ul style="list-style-type: none"> जटिल समस्याओं में निर्णय क्षमता उन्नत तकनीकी कौशल को लागू करना, महत्वपूर्ण मापदंडों की निगरानी करना, प्रक्रियाओं का मूल्यांकन और सुधार करना और जटिल 	<ul style="list-style-type: none"> वर्टिकल/ बिजनेस यूनिट प्रबंधन – प्रबंधक या वरिष्ठ प्रबंधक जवाबदेह नेतृत्व स्वतंत्र यूनिटों/ परियोजनाओं का प्रभावी प्रबंधन करना, प्रतिनिधि नियुक्त करना, पर्यवेक्षण करना और पूर्ण उत्तरदायित्व व टीम निर्माण के साथ परिवर्तन

	परिवर्तन, प्रबंधन और समस्या समाधान में प्रवीण होना	ता में कुशल होना		समस्याओं में साक्ष्य आधारित निर्णय के साथ जटिल समस्याओं को हल करना	लाना
स्तर 5.5 से 6 स्नातक/ स्नातकोत्तर	<ul style="list-style-type: none"> एक या अधिक संबंधित क्षेत्रों में गहन ज्ञान के साथ प्रौद्योगिकी कौशल/ जॉब भूमिका के बहु विषयक/ अंतः विषेयक/ अंतर-विषयक क्षेत्रों के बारे में उन्नत ज्ञान होना प्रौद्योगिकी/ कौशल/ जॉब भूमिका के चुनिन्दा क्षेत्रों में उभरते और भावी विकास तथा मुद्दों के बारे में जागरूकता और ज्ञान होना परिवर्तन प्रबंधन प्रक्रियाओं और प्रणालियों के बारे में उन्नत समझ और ज्ञान होना शिक्षण के चुनिन्दा क्षेत्रों और भावी सुधार से संबंधित 	<ul style="list-style-type: none"> प्रौद्योगिकी/ कौशल/ जॉब भूमिका के चुनिन्दा क्षेत्रों से संबंधित जटिल कार्यों को निष्पादित करने और पूरा आवश्यक विविध उन्नत संज्ञानात्मक और तकनीकी कौशल रखना अनिश्चित वातावरण में जटिल समस्याओं और स्थितियों के लिए अभिनव और व्यवहार्य समाधान करने के लिए आवश्यक विविध संज्ञानात्मक और तकनीकी कौशल रखना परिवर्तन प्रबंधन प्रक्रियाओं के बारे में जागरूकता और ज्ञान होना परिवर्तन प्रबंधन प्रक्रियाओं और प्रणालियों के बारे में उन्नत समझ और ज्ञान होना शिक्षण के चुनिन्दा क्षेत्रों और भावी सुधार से संबंधित 	<ul style="list-style-type: none"> उत्कृष्ट नेतृत्व, संप्रेषण, सहयोग और संगठनात्मक कौशल तकनीकी कार्यबल के प्रबंधन के लिए प्रशासनिक दृष्टिकोण और नेतृत्व गुण रखना प्रभावी सलाह, लोगों का प्रबंधन, सुनना, प्रतिनिधि कौशल संगठन और समय प्रबंधन रचनात्मक सोच और नवाचार अच्छा तार्किक और गणितीय विश्लेषण करना सिमुलेशन मॉडलिंग कौशल सामाजिक राजनीतिक, प्रकृतिक और कार्यगत वातावरण की पूरी समझ रखना सूचना को व्यवस्थित करना, उसका विश्लेषण करना, उसकी व्याख्या करना और उस पर कार्य करना तथा निर्णय लेने के लिए उसके परिणामों को प्रभावी ढंग से संप्रेषित करना और प्रस्तुत करना/ उपयोग करना। अवलोकन, जांच और प्रासंगिक/ उचित प्रश्न पूछने की क्षमता की गहन समझ रखना जटिल तकनीकी या व्यावसायिक गतिविधियों या परियोजनाओं का प्रबंधन करना, जिसके 	<ul style="list-style-type: none"> जटिल परिवर्तनशील वातावरण और संदर्भों से जुड़े उन्नत सैद्धान्तिक ज्ञान और विशेष पेशेवर तथा तकनीकी कौशल को लागू करना महत्वपूर्ण मापदंडों और केपीआई अथवा अन्य की प्रभावी समझ, निगरानी और पर्यवेक्षण प्रक्रियाओं, कार्यविधियों और कार्य या अध्ययन गतिविधियों का मूल्यांकन और सुधार उभरते विकास और महत्वपूर्ण मुद्दों के प्रभावों तथा परिणामों की निर्धारित करने, प्राप्त करने और मूल्यांकन करने के लिए पूरी तरह से जवाबदेह प्रभावी समर्पण और निगरानी अप्रत्याशित कार्य का पूर्ण प्रबंधन और पर्यवेक्षण 	<ul style="list-style-type: none"> स्तर 5.5 पर उम्मीदवार एक प्रबंधक/ तकनीकी प्रबंधक/ उत्पाद प्रबंधक या समकक्ष होता है स्तर 6.0 पर उम्मीदवार सीनियर प्रबंधक/ सीनियर तकनीकी प्रबंधक/ सीनियर उत्पाद प्रबंधक या समकक्ष होता है एक बड़ी स्वतंत्र इकाई/ व्यावसायिक गतिविधियाँ/ परियोजना के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार व्यापक मापदंडों के भीतर नियोजन, संसाधन, प्रक्रियाएं, गतिविधियों के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार और व्यक्तिगत तथा समूह परियोजनाओं को निर्धारित करने, प्राप्त करने और मूल्यांकन करने के लिए पूरी तरह से जवाबदेह प्रभावी समर्पण और निगरानी अप्रत्याशित कार्य का पूर्ण प्रबंधन और पर्यवेक्षण

	<p>समस्याओं और मुद्दों की पहचान करने के लिए विविध विस्तृत स्रोतों पर उन्नत ज्ञान और कौशल की प्राप्ति होना</p>	<p>नवाचारी तथा तकनीकी विकास की गति की मांगों के अनुकूल होने का कौशल होना</p> <ul style="list-style-type: none"> • सामाजिक बुद्धिमत्ता होना 	<p>लिए समूह/ टीम के सदस्य के रूप में आप कार्य के आउटपुट के साथ-साथ समूह के आउटपुट के लिए प्रभावी, भावी सोच, योजनाबद्ध और पूर्ण व्यक्तिगत उत्तरदायित्व की आवश्यकता होती है</p> <ul style="list-style-type: none"> • संगठनात्मक उद्देश्यों और परिणामों की प्रगति के लिए लोगों और संसाधनों का प्रबंधन करने के लिए नेतृत्व कौशल लागू करना। भावनात्मक बुद्धिमत्ता होना 	<p>स्थितियों में निर्णय लेना</p> <ul style="list-style-type: none"> • ज्ञान और कौशल को उन्नत बनाने के लिए निरंतर और नियमित रूप से स्व-गति से तथा स्व-निर्देशित रूप से शिक्षण का प्रयास करना, जो जटिल कार्यों को पूरा करने या शिक्षा और अनुसंधान को आगे बढ़ाने में सहायक होगा। • शिक्षण के चुनिन्दा क्षेत्रों से संबंधित समस्याओं और मुद्दों की पहचान करने और भविष्य में सुधार करने के तरीकों की पहचान करने में सक्षम होना • प्रौद्योगिकी/ कौशल/ जॉब भूमिका के चुनिन्दा क्षेत्रों में जटिल वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान पर पहुंचने के लिए विभिन्न स्रोतों से साक्ष्य के मूल्यांकन के आधार पर 	<p>करना</p> <ul style="list-style-type: none"> • दूसरों के काम के लिए जिम्मेदार होना। • परिवर्तन एजेंट • टीम निर्माण • एक टीम सदस्य/ नेता के रूप में किए गए कार्यों और अपने काम में आउटपुट/ परिणामों के साथ-साथ समूहों के लिए पूरी व्यक्तिगत उत्तरदायित्व और जवाबदेही का प्रयोग करना
--	---	---	--	---	--

				निर्णय लेना	
स्तर 6.5 से 7 संक्षिप्त रूपरेखा/विवरण	<ul style="list-style-type: none"> उभरते विकास की महत्वपूर्ण समझ के साथ उन्नत ज्ञान व्यापक उन, महत्वपूर्ण सोच और निरंतर आत्मविश्वास के लिए प्रयासरत रहते हुए विशेष क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग के साथ एक सक्षम विशेषज्ञ होना 	<ul style="list-style-type: none"> अत्यधिक विशिष्ट कौशल, अंतर विषयक कौशल, नेतृत्व कौशल जटिल समस्या, समाधान, परिवर्तन प्रबंधन, नेतृत्व और परियोजना प्रबंधन में विशेषज्ञता के साथ अत्यधिक कुशल और अभिनव व्यावसायिक होना 	<ul style="list-style-type: none"> क्रॉस-सांस्कृतिक क्षमता, परिवर्तनकारी नेतृत्व विविध सांस्कृतिक क्षमता, रणनीतिक विचार, समय प्रबंधन और उत्कृष्टता के लिए नेतृत्व क्षमताओं के साथ अत्यधिक कुशल व्यावसायिक होना 	<ul style="list-style-type: none"> अर्जित उन्नत तकनीकी कौशल, तकनीकी मूल्यांकन और समीक्षा को लागू करना व्यावहारिक समस्याओं का कुशलतापूर्वक विश्लेषण और रचनात्मक समाधान करना, सांख्यिकीय उपकरणों का उपयोग करना और लक्ष्य प्राप्त के लिए निर्णय लेने में नेतृत्व और तकनीकी मास्टरी दर्शाना 	<ul style="list-style-type: none"> व्यवसाय प्रबंधन (जैसे सीईओ/ सीएसओ आदि) संगठनात्मक विकास, जटिल समस्या समाधान, कर्मचारियों के विकास और डेटा संचालन के निर्णयों के लिए उत्तरदायी दूरदर्शी नेतृत्व होना
स्तर 6.5 से 7	<ul style="list-style-type: none"> किसी विशेष क्षेत्र के बारे में प्रक्रियाओं, विधियों और तकनीकों सहित उन्नत ज्ञान रखना शिक्षण के एक या अधिक क्षेत्रों से संबंधित उभरते विकास की आलोचनात्मक समझ रखना। तकनीकी प्रगति और उपयोग को समझना और इसे एक या अधिक 	<ul style="list-style-type: none"> मौलिक विचारों को उत्पन्न करने, अवधारणा बनाने, डिजाइन करने और अभिनव समाधानों को लागू करने के लिए आवश्यक संज्ञानात्मक और तकनीकी कौशल होना मूल विचारों के सृजन के लिए अपेक्षित संज्ञानात्मक और तकनीकी कौशल होना परिवर्तन प्रक्रिया की अगुवाई 	<ul style="list-style-type: none"> सामाजिक बुद्धिमत्ता, संज्ञानात्मक भार प्रबंधन, क्रॉस-सांस्कृतिक क्षमता सहित सॉफ्ट - कौशल और दक्षताओं का उच्चतम स्तर होना रचनात्मक और प्रेरक संप्रेषण, आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान कौशल सहित विशिष्ट उच्च क्रम कौशल होना। भावनात्मक बुद्धिमत्ता, विश्लेषणात्मक कठोरता, अच्छा संप्रेषण और नवाचार कौशल; रणनीतिक और भविष्योन्मुखी आदर्श और नवाचार संगठन और समय प्रबंधन 	<ul style="list-style-type: none"> व्यावहारिक समस्याओं के लिए रचनात्मक और व्यवहार्य समाधान तैयार करने के लिए व्यापक, संज्ञानात्मक, सैद्धान्तिक ज्ञान और कौशल का प्रदर्शन करना एकत्र किए गए डेटा के विश्लेषण के लिए उपयुक्त सांख्यिकीय और अन्य विश्लेषणात्मक उपकरणों और तकनीकों 	<ul style="list-style-type: none"> स्तर 6.5 पर उम्मीदवार एक निदेशक/ सीएसओ/ उप सीईओ या समकक्ष होता है। स्तर 7 पर उम्मीदवार निदेशक/ सीईओ या समकक्ष होता है, जो किसी दिए गए क्षेत्र/ पर्यावरण/ बाजार में दृष्टि और रणनीतिक सोच के लिए जिम्मेदार होता है। स्वयं और अन्य स्टॉप सदस्यों के विकास के लिए जिम्मेदार होना संगठनात्मक

	<p>विशिष्ट ध्येयों में लागू करना।</p> <ul style="list-style-type: none"> शिक्षण, अनुसंधान और विकास से संबंधित जटिल, विशेष कार्यों को करने के लिए आवश्यक ज्ञान। कौशल में उन्नति के लिए स्व-अध्ययन करना, बौद्धिक स्वतंत्रता, विश्लेषणात्मक कठोरता और अच्छे संप्रेषण का प्रदर्शन करना। 	<p>करने का कौशल होना</p> <ul style="list-style-type: none"> परियोजना प्रबंधन कौशल समस्या को अभिनव तरीके से हल करने के लिए कौशल के अंतः विषयक अनुप्रयोग के लिए आवश्यक कौशल होना नेतृत्व और प्रभावी निर्णय लेने का कौशल जटिल और अप्रत्याशित स्थितियों और समस्याओं के लिए अभिनव साक्ष्य आधारित व्यावहारिक समाधान विकसित करने में सक्षम होना सामाजिक बुद्धिमत्ता 	<p>• सृजनात्मक सोच और नवाचार</p> <p>• कार्य के भविष्य के लिए अनुकूलन और तकनीकी विकास तथा नवाचारों की तेज गति की मांगों का उत्तर देना जो काम और व्यावसायिक प्रथाओं से संबंधित कौशल आवश्यकताओं में बदलाव लाते हैं</p> <p>• दिए गए अधिकारों, नवाचार, स्वायतता, व्यावसायिक अखंडता और नए विचार, व्यवसाय मॉडल और अनुसंधान व विकास सहित काम या अध्ययन संदर्भों में सबसे आगे प्रक्रियाओं के विकास के लिए निरंतर प्रतिबद्धता का प्रयोग करना।</p> <p>• कार्यस्थल/व्यक्तिगत जीवन में पूर्ण संवैधानिक, मानवतावादी, नैतिक और नैतिक मूल्यों को समर्झना और उनकी सराहना करना, वैश्विक और स्थानीय नागरिकता, विकास के लिए व्यक्तिगत और संगठनात्मक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए लोगों को प्रेरित करने के लिए नेतृत्व कौशल</p> <p>• उत्कृष्टता का लक्ष्य रखना</p>	<p>का उपयोग करने की क्षमता प्रदर्शित करना</p> <p>• विषय की आलोचनात्म क समझ, मास्टरी और नवीनता का प्रदर्शन, पर्याप्त शोध और शोध प्रदर्शन (जहाँ लागू हो) को पूरा करना</p> <p>• साक्ष्य का मूल्यांकन करने का कौशल, दूसरों के तर्कों में तार्किक खामियों और जोखिमों की पहचान करना; विभिन्न स्रोतों से डेटा का विश्लेषण और संश्लेषण करना; निष्कर्ष निकालना और उन्हें साक्ष्यों और उदाहरणों के साथ सहायता देना, जबकि विरोधी दृष्टिकोणों को संबोधित करना/ समायोजित करना; निर्णय लेना और उचित निर्णय करना</p> <p>• निर्णय लेने</p>	<p>उन्नति और विकास के लिए जिम्मेदार होना</p> <ul style="list-style-type: none"> अप्रत्याशित कार्य/ अध्ययन स्थितियों से जुड़ी जटिल तकनीकी गतिविधियों/ कार्यों में निर्णय लेने के लिए जिम्मेदार, जटिल और अप्रत्याशित समस्याओं और स्थितियों के लिए मूल प्रतिक्रियाएं उत्पन्न करना अपने काम के आउटपुट के साथ-साथ सतमूह/ टीम आउटपुट के लिए व्यक्तिगत उत्तरदायित्व का प्रयोग करना। जटिल स्थितियों/ कार्यगत वातावरण में डेटा आधारित निर्णय लेना वित्तीय और मानव संसाधन (एचआर) के संसाधनों का मूल्यांकन और समीक्षा करना संकट प्रबंधक कार्य/ व्यवसाय या व्यावसायिक अभ्यास की विशिष्ट समस्याओं का समाधान तलाशने के लिए उत्तरदायित्व के प्रयोग की आवश्यकता वाले कार्यों में निर्णय लेना
--	---	--	--	--	--

				<p>और योजना बनाने के लिए सूचना को संस्थापित करना</p> <ul style="list-style-type: none"> • तकनीकी मूल्यांकन करना और समीक्षा करना तथा सुधार की कार्रवाई करना • किसी समस्या को हल करने के लिए किसी विशेष क्षेत्र के अर्जित उन्नत तकनीकी ज्ञान को लागू करना। • संगठनात्मक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए लोगों और संसाधनों का प्रबंधन करने के लिए ज्ञान और नेतृत्व कौशल को लागू करना। 	
स्तर 8 संक्षिप्त रूपरेखा/ विवरण	<ul style="list-style-type: none"> • ज्ञान में निपुणता/ नवाचार प्रेरित/ व्यापक ज्ञान • जटिल समस्याओं के लिए साक्ष्य आधारित समाधान उत्पन्न करने के लिए महत्वपूर्ण नवाचार और विशेष समस्या के समाधान 	<ul style="list-style-type: none"> • सबसे उन्नत तकनीकी और प्रबंधकीय कौशल • बेहतरीन परियोजना प्रबंधन, संज्ञानात्मक तकनीकी, अंतः विषयक और नेतृत्व कौशल • अत्यधिक विशिष्ट, रचनात्मक और परिवर्तनकारी कौशल रखना 	<ul style="list-style-type: none"> • महत्वपूर्ण अधिकार, परिवर्तनकारी नेतृत्व, सामाजिक बुद्धिमत्ता • वैश्विक नागरिकता और उत्कृष्टता के मूल्यों के साथ अत्यधिक विशिष्ट, रचनात्मक और परिवर्तनकारी कौशल रखना 	<ul style="list-style-type: none"> • बड़ी परिवर्तनकारी परियोजनाओं का नेतृत्व करना • बड़े पैमाने पर परिवर्तन को आगे बढ़ाने और संसाधनों का प्रभावी ढंग से प्रबंधन करने के लिए अनुकूल सोच, विश्वेषणात्मक कौशल और नई मानसिकता 	<ul style="list-style-type: none"> • विजनेस विजन अध्यक्ष/ बोर्ड सदस्य/ सीएमडी • रणनीतिक विचारक और नवप्रवर्तक संगठनात्मक उन्नति और विकास के लिए जवाबदेह, डेटा संचालित निर्णय लेना

	कौशल में मास्टरी होना	साथ प्रथाओं को पुनः परिभाषित करना		वाला उच्च प्रदर्शन नेतृत्व होना	
8 उच्चतम स्तर के कौशल	<ul style="list-style-type: none"> विषय/ क्षेत्रों की आलोचनात्मक और अभिनव समझ के साथ-साथ मास्टरी के लिए समस्या के समाधान के लिए अत्यधिक विशिष्ट ज्ञान होना ताकि दिए गए क्षेत्र में अनुसंधान और विकास के माध्यम से ज्ञान के निर्माण में मौलिक योगदान देसके ज्ञान, अनुसंधान, विश्लेषणात्मक और रचनात्मक आवश्यकताओं के चुनिन्दा विषयों/ क्षेत्रों पर व्यापक और गहन विशेषज्ञता होना किए गए शोध अध्ययनों के परिणामों/ निष्कर्षों से संबंधित व्यावसायिक ज्ञान और सूचना को अच्छी तरह 	<ul style="list-style-type: none"> दिए गए विशिष्टता के विषय के विषय/ क्षेत्र में अप्रत्याशित और जटिल कार्यों को निष्पादित करने और उन्हें पूरा करने के लिए आवश्यक सबसे उच्चत और अत्यधिक विशिष्ट व्यावसायिक और तकनीकी कौशल है। चुनिन्दा क्षेत्र में मौलिक और/या अनुपयुक्त अनुसंधान के अनुप्रयोग के साथ या उसके विना मूल विचारों को उत्पन्न करने, अवधारणा बनाने, डिजाइन करने और अभिनव समाधानों को लागू करने के लिए आवश्यक संज्ञानात्मक और तकनीकी कौशल किए गए शोध अध्ययनों के परिणामों/ निष्कर्षों से संबंधित व्यावसायिक ज्ञान और सूचना को अच्छी तरह करने के लिए 	<ul style="list-style-type: none"> सामाजिक बुद्धिमत्ता, संज्ञानात्मक भार प्रबंधन, आभासी सहयोग, क्रॉस-सांस्कृतिक क्षमता आदि सहित सॉफ्ट कौशल और दक्षताओं का उच्चतम स्तर होना रचनात्मक और प्रेरक संप्रेषण, आलोचनात्मक सोच और समस्या के समाधान कौशल सहित अत्यधिक विशिष्ट उच्च क्रम कौशल/ भावनात्मक बुद्धिमत्ता। रचनात्मक सोच और नवाचार। भावी कार्य के लिए अनुकूल होना और तकनीकी विकास तथा नवाचारों की तेज गति की मांगों का उत्तर देना, जो काम और व्यवसायिक प्रथाओं से संबंधित कौशल और अपेक्षाओं में बदलाव लाना नए विचारों, व्यवसाय मॉडल और अनुसंधान व विकास सहित प्रक्रियाओं के विकास के लिए पर्याप्त अधिकार, नवाचार, स्वायतता, पेशेवर अखंडता और निरंतर प्रतिबद्धता का प्रयोग करना। कार्यस्थल/ व्यक्तिगत जीवन, वैशिक और स्थानीय नागरिकता में पूर्ण संवैधानिक, मानवीयता, नैतिक और नैतिक मूल्यों को 	<ul style="list-style-type: none"> व्यावसायिक कौशल और कामकाज में नेतृत्व की भूमिका के लिए व्यावसायिक दक्षताओं का उच्चतम स्तर रखना, जिसमें नए और अनुकूल तथा अनुभव सोच, ट्रांस डिसिप्लीनरी, डिजाइन मानसिकता, गुणवत्ता परक अवधारणा, गणनात्मक सोच, नई मीडिया साक्षरता, स्थिरता आदि शामिल है। सूचना और अनुभवजन्य साक्ष्य के विश्लेषण और मूल्यांकन के आधार पर वास्तविक जीवन की समस्याओं सहित समस्याओं पर निर्णय लेने और निर्णय में सक्षम होना मास्टर इंटीग्रेटर और डिसर्टिव विचारक की 	<ul style="list-style-type: none"> स्तर 8 पर उम्मीदवार बोर्ड सदस्य/ सीएमडी या अध्यक्ष होता है। किसी दिए गए क्षेत्र/ पर्यावरण/ बाजार में समग्र रणनीति/ रणनीतिक सोच और कल्पना के लिए जिम्मेदार विश्वसनीय इनोवेटर और विचारक लीडर अपने काम के सभी आउटपुट/ परिणामों और विभिन्न विभागों (प्रबंधकीय अनुपात और भूमिकाएं) समूह प्रयासों आदि सहित अन्य के आउटपुट/ परिणामों के लिए पूर्ण व्यक्तिगत उत्तरदायित्व का प्रयोग करना संगठन के हॉरिजोंटल और वर्टिकल/ हॉरिजोंटल/ बहु आयामी विकास और स्वयं तथा संगठन के लोगों के विकास के लिए जिम्मेदार होना काम/ अध्ययन की अप्रत्याशित जटिल स्थितियों/ कार्यगत वातावरण में डेटा आधारित निर्णय।

	<p>से संरचित और तार्किक तरीके से प्रस्तुत करना</p> <ul style="list-style-type: none"> शिक्षण में उत्सुक है और जटिल समस्याओं तथा अप्रत्याशित स्थितियों के लिए साक्ष्य आधारित समाधान उत्पन्न करने के लिए अर्जित अत्यधिक विशिष्ट ज्ञान को लागू करना 	<p>कौशल के अंतः विषय अनुप्रयोग के लिए आवश्यक विशेष कौशल</p> <ul style="list-style-type: none"> प्रभावी विकास के लिए संगठनात्मक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए लोगों को प्रेरित करने और उनका मार्गदर्शन करने के लिए परिवर्तनकारी नेतृत्व कौशल को लागू करना। उत्कृष्टता की लक्ष्य रखना मानसिकता को डिजाइन करना, पुनः परिभाषित करना क्रॉस-सांस्कृतिक क्षमता 	<p>समझना और उनकी सराहना करना, पर्यावरण संरक्षण और समाज की वैश्विक भलाई के लिए काम करना।</p> <ul style="list-style-type: none"> प्रभावी विकास के लिए संगठनात्मक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए लोगों को प्रेरित करने और मार्गदर्शन करने के लिए परिवर्तनकारी नेतृत्व कौशल को लागू करना। उत्कृष्टता की लक्ष्य रखना 	<ul style="list-style-type: none"> वित्तीय और मानव संसाधनों तथा प्रक्रियाओं के सुधार के साथ समग्र मूल्यांकन और समीक्षा को संरक्षित करना कार्यों की व्यापक रेंज में विस्तृत महत्वपूर्ण निर्णय लेना और निर्णय क्षमता होना
--	---	--	---	---

अनुबंध-IIराष्ट्रीय कौशल अहंता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) सरेखित अहंताओं के लिए न्यूनतम प्रवेश मानदंड और नोशनल घंटों की सीमा आदि के लिए मानक मानदंड

एनएसक्यूएफ मानदंडों के मानकीकरण के लिए पालन किए जाने वाले बुनियादी सिद्धान्त

- i. दीर्घकालिक प्रशिक्षण (एलटीटी) ऐसा कोई कार्यक्रम है, जो ओजेटी घटक को छोड़कर, शिक्षण के 1200 घंटे अथवा 1 वर्ष के बराबर अथवा उससे अधिक है। कोई भी पाठ्यक्रम/ अहंता, जो ओजेटी घटक को छोड़कर, शिक्षण के 1200 घंटों से कम अथवा 1 वर्ष से कम अवधि की है, उसे अल्पकालिक प्रशिक्षण (एसटीटी) कार्यक्रम कहा जाएगा।
- ii. दीर्घकालिक प्रशिक्षण (एलटीटी) के मामले में;
 - (क) एनटीसी का तात्पर्य नेशनल ट्रेड सर्टिफिकेट है और यह एक या दो वर्ष की अवधि का प्रमाणपत्र कार्यक्रम है। यह प्रमाणपत्र कार्यक्रम प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) द्वारा प्रस्तावित किया जाता है और इसे 8वीं कक्षा, 10वीं कक्षा और 12वीं कक्षा के बाद प्रस्तावित किया जाता है। एनटीएस ऐसे छात्रों को प्रदान किया जाता है जो शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (सीटीएस) के लिए आल इंडिया ट्रेड टेस्ट (एआईटीटी) उत्तीर्ण करते हैं।
 - (ख) एनएसी का तात्पर्य राष्ट्रीय शिक्षुता प्रमाणपत्र (नेशनल अप्रेटिशिप सर्टिफिकेट) है और प्रशिक्षण की अवधि एक वर्ष से लेकर 2 वर्ष तक की होती है। एनएसी कार्यक्रम करने के लिए न्यूनतम आयु सीमा 14 वर्ष है और अहंताएं 8वीं कक्षा पास से लेकर 12वीं कक्षा पास (10+2) तक भिन्न होती है। एनएसी ऐसे छात्रों को प्रदान किया जाता है, जो आल इंडिया ट्रेड टेस्ट (एआईटीटी) उत्तीर्ण करते हैं।
 - (ग) शिल्पकार प्रशिक्षक प्रशिक्षण योजना (सीआईटीएस) प्रशिक्षक प्रशिक्षुओं के लिए डीजीटी द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला एक कार्यक्रम है। सीटीएस कार्यक्रम की अवधि 4 वर्ष की है और सीआईटीएस के लिए पात्रता एनटीसी/ एनएसी/ डिप्लोमा/ स्नातक अहंताएं हैं।
- क. प्रवेश अपेक्षाओं के लिए बुनियादी सिद्धान्त
- iii. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (सीटीएस) के तहत नेशनल ट्रेड सर्टिफिकेट (एनटीसी), राष्ट्रीय शिक्षुता प्रमाणपत्र (एनएसी) और शिल्प प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (सीआईटीएस) अर्थात् एनटीसी/ एनएसी/ सीआईटीएस, दीर्घकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम है और एक से तीन वर्ष तक के हो सकते हैं। तदनुसार, जहाँ भी एनटीसी/ एनएसी/ सीआईटीएस या इसके संयोजन का उल्लेख किया गया है, इसमें समान एनएसक्यूएफ/ एनसीआरएफ स्तर और अवधि के समकक्ष सरकार द्वारा अनुमोदित वीईटी और कौशल कार्यक्रम भी शामिल होंगे।
- iv. किसी विशेष एनएसक्यूएफ/ एनसीआरएफ स्तर पर एसटीटी कार्यक्रम करने के लिए उम्मीदवार को कम से कम शिक्षा/ वीईटी और कौशल शिक्षण के संबंधित वर्षों को पहले ही पूरा कर लेना चाहिए। उदाहरण के लिए, स्तर 3.5 का एसटीटी कार्यक्रम करने के लिए, शिक्षण के न्यूनतम वर्ष के रूप में 11 वर्ष होने चाहिए, जिसमें शैक्षणिक शिक्षा या व्यावसायिक शिक्षा और कौशल के साथ-साथ अनुभवजन्य शिक्षा, यदि कोई हो, शामिल है।
- v. उपरोक्त बिन्दु (iv) का सिद्धान्त उन छात्रों/ शिक्षुओं पर लागू नहीं होता है, जो एक एनएसक्यूएफ स्तर से सीधे अगले एनएसक्यूएफ स्तर पर आगे बढ़ते हैं और एनएसक्यूएफ स्तर-1 और एनएसक्यूएफ स्तर-2 के मामले में भी। इस प्रकार से बिन्दु (iv) का सिद्धान्त उन शिक्षुओं के लिए लागू नहीं होता, जो पूरी तरह से कौशल व्यवस्था में हैं और कोई शैक्षणिक समतुल्यता नहीं चाहते अथवा शैक्षणिक आधार में नहीं जाना चाहते। वे पिछले एनएसक्यूएफ स्तर और/अथवा पूर्व शिक्षण की मान्यता (आरपीएल) में विताए गए वर्षों की संख्या के आधार पर केवल कौशल व्यवस्था में ही वर्टिकल रूप से आगे बढ़ सकते हैं, जो शैक्षणिक प्रवेश अहंता पर किसी भी प्रतिबंध के बिना मूल्यांकन किए जाने के अधीन हैं। तथापि, उन्हें ऐसे वीईटी और कौशल के लिए कोई भी शैक्षणिक समतुल्यता प्रदान नहीं की जाएगी। इस पहलुओं को आगे आरपीएल में विस्तार से बताया जाएगा। ऐसे दिशानिर्देश, जो प्रदान करते हैं कि बहुत ही विशेष मामलों में (अर्थात् पदक पुरस्कार विजेता, ओलम्पिक मेडल विजेता) स्तर विवरणक (लेवल डिस्क्रिप्टर) लागू नहीं हो सकता है और संशोधित रूप में लागू किया जाएगा।

- vi. उल्लिखित अपेक्षाएं/ मानदंड एक विशेष एनएसक्यूएफ/ एनसीआरएफ स्तर पर वीईटी और कौशल में प्रवेश के लिए पालन की जाने वाली न्यूनतम अपेक्षाएं हैं। जॉब भूमिका और/ अथवा क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुसार, इन अपेक्षाओं को ऊपर की ओर बढ़ाया जा सकता है।
- vii. एक सिद्धांत के रूप में, प्राप्त 'पिछले एनएसक्यूएफ स्तर' के आधार पर अर्हता के लिए प्रवेश के संदर्भ में, 0.5 एनएसक्यूएफ/ एनसीआरएफ स्तर के प्रत्येक ऊपर की ओर बढ़ने के लिए आवश्यक न्यूनतम अनुभव 1.5 वर्ष होगा, जैसा कि स्तर 3 से स्तर 7 तक लागू है।
- viii. जबकि प्रत्येक एनएसक्यूएफ/ एनसीआरएफ स्तर की अर्हता/ पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए प्रवेश मानदंडों के विभिन्न संयोजन दिए गए हैं, शैक्षणिक/ वीईटी और कौशल शिक्षण के वर्षों की समतुल्य संख्या के सिद्धांत का पालन करते हुए, समान एनएसक्यूएफ/ एनसीआरएफ स्तरों के सरकारी अनुमोदित कार्यक्रमों के अन्य संयोजनों को शामिल किया जा सकता है। यह सिद्धांत उन लोगों पर लागू नहीं होता है, जो एक एनएसक्यूएफ स्तर में सीधे अगले एनएसक्यूएफ स्तर पर प्रगति कर रहे हैं और एनएसक्यूएफ स्तर-1 और एनएसक्यूएफ स्तर-2 अर्हता के मामले में भी, जिसके लिए विशिष्ट अवधि निर्धारित की गई है।
- ix. नीचे दी गई तालिका किसी विशेष एनएसक्यूएफ/ एनसीआरएफ स्तर पर एनएसक्यूएफ संरेखित और अनुमोदित अर्हता/ पाठ्यक्रम/ कार्यक्रम शुरू करने के लिए न्यूनतम प्रवेश अपेक्षाओं को अनुमोदित करती है। उम्मीदवार व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण/ कौशल क्षेत्र में प्रगति कर सकता है और पिछले एनएसक्यूएफ स्तर के मानदंडों के माध्यम से उच्चतम स्तर प्राप्त कर सकता है। तथापि, यदि ऐसा कोई उम्मीदवार शैक्षणिक क्षेत्र में शैक्षणिक समतुल्यता अथवा हॉरिजोनल/ वर्टिकल गतिशीलता चाहता है, तो उम्मीदवार को तालिका में दिए गए प्रत्येक एनएसक्यूएफ/ एनसीआरएफ स्तर में प्रवेश के लिए परिभाषित न्यूनतम शैक्षणिक अपेक्षाओं या वीईटी/ शैक्षणिक/ अनुभवजन्य शिक्षा आदि के संयोजन को पूरा करना होगा।
- x. पूर्ण रूप से वीईटी और कौशल विकास में पूर्ण शिक्षण की मान्यता (आरपीएल) के लिए कोई भी औपचारिक प्रवेश अर्हता निर्धारित नहीं की जा सकती है, बरतें कि आरपीएल मूल्यांकन एनसीवीईटी के विस्तृत दिशानिर्देशों के अनुसार किया जाएगा। तथापि, ऊपर बिन्दु (ix) में उल्लिखित सिद्धांत लागू होंगे।

ख. नोशनल घंटों को परिभाषित करने के लिए बुनियादी सिद्धांत

- xi. उल्लिखित नोशनल घंटे किसी विशेष एनएसक्यूएफ/ एनसीआरएफ स्तर के लिए घंटों की न्यूनतम सीमा है, जिसे यदि अपेक्षित हो, तो जॉब भूमिका/ अर्हता के प्रकार के आधार पर बढ़ाया जा सकता है। इन नोशनल घंटों में, अनिवार्य रूप से सैद्धान्तिक व्यावहारिक और रोजगार मॉड्यूल शामिल होना चाहिए। ओजेटी घटक वांछनीय है, जिसे अर्हता में शामिल किया जा सकता है। तथापि, इसके लिए निर्धारित नोशनल घंटे जॉब भूमिका और क्षेत्र पर निर्भर हो सकते हैं।
- xii. एनसीआरएफ के अनुसार, नोशनल शिक्षण के घंटों में कक्षा में सीखना/ सिखाना, व्यावहारिक और प्रयोगशाला/ नवाचार प्रयोगशालाएं, कक्षा परियोजनाएं, असाइनमेंट, ट्यूटोरियल, खेल और क्रीड़ा, योग, प्रदर्शन, कला, सामाजिक कार्य, एनसीसी, परीक्षाएं, कक्षा परीक्षण, प्रश्नोत्तरी, मूल्यांकन, छोटे व बड़े परियोजना कार्य, कौशल शिक्षा में क्षेत्र का दौरा, इन्टर्नशिप, प्रशिक्षिता, जॉब में प्रशिक्षण (ओजेटी) और प्रासंगिक प्रवीणता तथा अर्जित व्यावसायिक स्तर आदि सहित अनुभवजन्य शिक्षा शामिल हो सकती है।
- xiii. रोजगार योग्य कौशल (ईएस) से संबंधित एनओएस हर अर्हता के लिए अनिवार्य होता है और इसे नोशनल घंटों में गिना जाएगा। एसटीटी और एलटीटी के लिए रोजगार योग्य कौशल (ईएस) मॉड्यूल का अलग से उल्लेख किया गया है। एलटीटी के मामले में, 1 वर्ष के कार्यक्रम के लिए ईएस मॉड्यूल 120 घंटों के होंगे। 2 वर्ष की अवधि के एलटीटी कार्यक्रमों के संबंध में, ईएस के लिए कुल नोशनल घंटे 180 घंटे होंगे (पहले वर्ष में न्यूनतम 90 घंटों के साथ), जबकि 3 वर्ष के एलटीटी कार्यक्रम के लिए ईएस के लिए कुल नोशनल घंटे 240 घंटे होंगे (पहले वर्ष में न्यूनतम 90 घंटों के साथ)।

ग. क्रेडिट के आवंटन के लिए बुनियादी सिद्धांत

- xiv. अर्हता डिजाइन और क्रेडिट के आवंटन में आसानी के लिए, अर्हता और एनओएस 30 के गुणांक में होंगे, जैसे 60, 90, 120 या 150; जबकि माइक्रो क्रेडेंशियल 7.5, 15, 22.5 या 30 घंटे की अवधि के हो सकते हैं।

xv. व्यावहारिक शिक्षा और प्रशिक्षण/ कौशल पारिस्थितिकी तंत्र के लिए क्रेडिट असाइनमेंट के संबंध में निम्नलिखित लागू होंगे :

- (क) एक वर्ष की अवधि के कार्यक्रम में कुल नोशनल घंटे (क्रेडिट की गणना के प्रयोजन के लिए) : 1200
- (ख) 1200 नोशनल शिक्षण के घंटों के साथ एक वर्ष में आवंटित किए जाने वाले क्रेडिट : 40 (तथापि, शिक्षण के प्रत्येक वर्ष के लिए घंटों की संख्या बहु सकती है और तदनुसार क्रेडिट की संख्या भी 44 हो जाएगी)।
- (ग) अतः समग्र क्रेडिट गणना के उद्देश्य के लिए एक क्रेडिट यूनिट के लिए नोशनल घंटों की संख्या : $1200/40 = 30$
- (घ) एनएसक्यूएफ स्तरों के अनुसार, व्यावसायिक/ कौशल शिक्षा के लिए क्रेडिट असाइनमेंट और विभिन्न स्तरों पर क्रेडिट का असाइनमेंट एनसीआरएफ में निर्धारित है।

घ. अन्य सिद्धांतों में यह व्यवस्था है कि :-

- xvi. प्रासंगिक अनुभव में जॉब में प्रशिक्षण (ओजेटी), इंटर्नशिप और अप्रैटिसशिप प्रशिक्षण शामिल हो सकते हैं। तथापि, अर्हता के भाग के रूप में लिया गया और क्रेडिट में मोचन किया गया ओजेटी प्रासंगिक कार्य अनुभव के भाग के रूप में फिर से नहीं माना जाएगा।
- xvii. एनसीआरएफ/ एनएसक्यूएफ स्तर 2.5 तक प्रासंगिक अनुभव और ओजेटी की स्थापना के लिए संबंधित एबी/ नियामक निकाय, औपचारिक अनुभव प्रमाणपत्र की अनुपस्थिति में, शिक्षण के परिणामों के आधार पर प्रासंगिक अनुभव का मूल्यांकन करने के लिए प्रक्रिया (जैसे प्रवेश पूर्व परीक्षा आदि) निर्धारित कर सकता है। ऐसे मामलों में, यदि उम्मीदवारों के चयन के लिए शिक्षण के परिणामों का मूल्यांकन करने की पूर्व निर्धारित प्रक्रिया का पालन किया गया है, तो औपचारिक अनुभव और ओजेटी प्रमाण पत्र पर जोर नहीं दिया जा सकता।
- xviii. तथापि, 2.5 से आगे के सभी एनसीआरएफ/ एनएसक्यूएफ स्तरों के लिए मूल्यांकन के अतिरिक्त प्रासंगिक अनुभव और ओजेटी स्थापित करने वाले उचित प्रमाण पत्र की आवश्यकता होगी।
- xix. परियोजना कार्य और एनआईओएस के माध्यम से शिक्षण के अतिरिक्त घंटों के लिए अतिरिक्त क्रेडिट प्रदान किए जा सकते हैं।
- xx. एसटीटी कार्यक्रमों के मामले में, क्रेडिट की गणना 1200 शिक्षण के घंटों के लिए 40 क्रेडिट के सिद्धांत पर नोशनल घंटों की संख्या के आधार पर की जाएगी।
- xxi. कौशल उन्नयन के साथ या उसके बिना और परिणाम आधारित मूल्यांकन एवं प्रमाणन के अधीन पूर्व शिक्षण की मान्यता के प्रावधान का, प्रासंगिक अनुभव और अर्जित पेशेवर स्तर सहित अनुभवात्मक शिक्षण वाले प्रशिक्षित कार्यबल को एनएसक्यूएफ/एनसीआरएफ क्रेडिट स्तर के आवंटन के लिए भी प्रयोग किया जाएगा। इस प्रकार के अनुभवात्मक शिक्षण के लिए क्रेडिट का आवंटन एनसीवीईटी के दिशा-निर्देशों के अनुसार होगा।

तालिका : राष्ट्रीय कौशल अर्हता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) से सरेखित अर्हताओं के लिए न्यूनतम प्रवेश मानदंड और नोशनल घंटों की सीमा आदि के लिए मानक मानदंड

वीईटी/ कौशल प्रशिक्षण (एसटीटी/ एलटीटी) के बाद अर्जित एनएसक्यूएफ स्तर	अल्पकालिक प्रशिक्षण (एसटीटी)	दीर्घकालिक प्रशिक्षण (एलटीटी)				
		दीर्घकालिक प्रशिक्षण (एलटीटी) में भाग लेने के लिए न्यूनतम प्रवेश मानदंड	दीर्घकालिक प्रशिक्षण (एलटीटी) में भाग लेने के लिए न्यूनतम प्रवेश मानदंड	दीर्घकालिक प्रशिक्षण (एलटीटी) में भाग लेने के लिए न्यूनतम प्रवेश मानदंड	नोशनल घंटों की न्यूनतम सीमा - 30 के गुणांक में	रोजगार योग्य कौशल (ईएस) - नोशनल घंटों में शामिल किए जाने हेतु
	अल्पकालिक प्रशिक्षण (एसटीटी) में भाग लेने के लिए अपेक्षित न्यूनतम शिक्षा/ व्यावसायिक	अल्पकालिक प्रशिक्षण (एसटीटी) में				

	शिक्षा, प्रशिक्षण और कौशल	भाग लेने के लिए अपेक्षित न्यूनतम अनुभव*					
स्तर 1	कोई औपचारिक शिक्षा नहीं	कोई अनुभव अपेक्षित नहीं	150 - 210 घंटे	30 घंटे	कोई एलटीटी पाठ्यक्रम नहीं	शून्य	शून्य
स्तर 2	<ul style="list-style-type: none"> कोई औपचारिक शिक्षा नहीं कुछ अर्हताओं के लिए पढ़ने और लिखने की योग्यता अपेक्षित हो सकती है। 	कोई अनुभव नहीं तथापि, 1 वर्ष का संगत अनुभव कुछ अर्हताओं के लिए वांछनीय हो सकता है।	210 - 270 घंटे	30 घंटे	कोई एलटीटी पाठ्यक्रम नहीं	शून्य	शून्य
	एनएसक्यूएफ स्तर 1 की पिछली संगत अर्हता	कोई अनुभव अपेक्षित नहीं					
स्तर 2.5	<ul style="list-style-type: none"> 9वीं कक्षा पास 8वीं कक्षा पास और सतत स्कूली शिक्षा प्राप्त कर रहा हो 	कोई अनुभव अपेक्षित नहीं	240 - 300 घंटे	30 घंटे	8वीं कक्षा पास	1200 घंटे और (केवल एनटीसी के लिए) 150 घंटे का परियोजना कार्य	120 घंटे
	8वीं कक्षा पास	1 वर्ष का संगत अनुभव					
	5वीं कक्षा पास	4 वर्ष का संगत अनुभव					
	पढ़ने और लिखने की योग्यता	5 वर्ष का संगत अनुभव					
	एनएसक्यूएफ स्तर 2 की पिछली संगत अर्हता	6 माह का संगत अनुभव					
	एनएसक्यूएफ स्तर 1 की पिछली संगत अर्हता	1.5 वर्ष का संगत अनुभव					
स्तर 3	<ul style="list-style-type: none"> 10वीं कक्षा पास कक्षा 8 पास और 8वीं के बाद 2 वर्षीय (एनटीसी/ एनएसी) कक्षा 8 पास और नियमित स्कूल में सतत शिक्षा प्राप्त कर रहा हो (2 वर्षीय कार्यक्रम के मामले में) कक्षा 8 पास और नियमित स्कूल में सतत शिक्षा प्राप्त कर रहा हो 	कोई अनुभव अपेक्षित नहीं	270 - 390 घंटे	30/ 60 घंटे	9वीं कक्षा पास	1200 घंटे	120 घंटे
					8वीं कक्षा पास	2400 घंटे और (केवल एनटीसी के लिए) 150 घंटे का परियोजना कार्य	180 घंटे (प्रथम वर्ष में न्यूनतम 90 घंटे का माड्यूल)

	9वीं कक्षा पास	1 वर्ष का संगत अनुभव					
	8वीं कक्षा पास	2 वर्ष का संगत अनुभव					
	5वीं कक्षा पास	5 वर्ष का संगत अनुभव					
	एनएसक्यूएफ स्तर 2.5 की पिछली संगत अर्हता	1.5 वर्ष का संगत अनुभव					
	एनएसक्यूएफ स्तर 2 की पिछली संगत अर्हता	3 वर्ष का संगत अनुभव					
स्तर 3.5	<ul style="list-style-type: none"> 11वीं कक्षा पास 10वीं के बाद 3 वर्षीय डिप्लोमा का प्रथम वर्ष पूरा किया हो कक्षा 10 पास और नियमित स्कूल में सतत शिक्षा प्राप्त कर रहा हो कक्षा 8 पास और दो वर्षीय एनटीसी और साथ में एक वर्ष का एनएसी/ सीआईटीएस 	कोई अनुभव अपेक्षित नहीं।	360 - 420 घंटे	30 / 60 घंटे	10 वीं क कक्षा पास	1200 घंटे और (केवल एनटीसी के लिए) 150 घंटे का परियोजना कार्य	
	<ul style="list-style-type: none"> 10वीं कक्षा पास 8वीं कक्षा पास और साथ में 2 वर्ष का एनटीसी/ एनएसी/ सीआईटीएस या समतुल्य का कोई भी संयोजन 	1 वर्ष का संगत अनुभव					
	8वीं कक्षा पास	3 वर्ष का संगत अनुभव					
	एनएसक्यूएफ स्तर 3 की पिछली संगत अर्हता	1.5 वर्ष का संगत अनुभव					
	एनएसक्यूएफ स्तर 2.5 की पिछली संगत अर्हता	3 वर्ष का संगत अनुभव					
स्तर 4	<ul style="list-style-type: none"> 12वीं कक्षा पास 3 वर्षीय डिप्लोमा का दूसरा वर्ष पूरा किया हो (10वीं के बाद) 3 वर्षीय नियमित डिप्लोमा का दूसरा वर्ष चल रहा हो (10वीं के बाद) 10वीं पास और साथ में 2 वर्ष का एनटीसी/ एनएसी/ सीआईटीएस या समतुल्य का कोई भी संयोजन 8वीं पास और 2 वर्ष का एनटीसी और 2 वर्ष का एनएसी और 1 वर्ष का सीआईटीएस 	कोई अनुभव अपेक्षित नहीं	390 - 480 प्रशिक्षण के नोशनल घंटे	30 घंटे / 60 घंटे	11वीं कक्षा पास अथवा समतुल्य	1200 घंटे 120 घंटे	
						10वीं कक्षा पास अथवा समतुल्य	2400 घंटे और (केवल एनटीसी के लिए) 150 घंटे का परियोजना कार्य

	<ul style="list-style-type: none"> 10वीं पास और स्कूल में सतत शिक्षा प्राप्त कर रहा हो (2 वर्षीय कार्यक्रम) कक्षा 11 पास और नियमित स्कूल में सतत शिक्षा प्राप्त कर रहा हो 					
	11वीं कक्षा पास	1 वर्ष का संगत अनुभव				
	10वीं कक्षा पास	2 वर्ष का संगत अनुभव				
	एनएसक्यूएफ स्तर 3.5 की पिछली संगत अर्हता	1.5 वर्ष का संगत अनुभव				
	एनएसक्यूएफ स्तर 3.0 की पिछली संगत अर्हता	3 वर्ष का संगत अनुभव				
स्तर 4.5	<ul style="list-style-type: none"> 3 वर्षीय/ 4 वर्षीय यूजी का प्रथम वर्ष पूरा किया हो 3 वर्षीय/ 4 वर्षीय यूजी का प्रथम वर्ष चल रहा हो और शिक्षा जारी हो 10वीं के बाद 3 वर्षीय डिप्लोमा का तीसरा वर्ष चल रहा हो और शिक्षा जारी हो 10वीं के बाद 3 वर्षीय डिप्लोमा पूरा किया हो 12वीं के बाद 2 वर्षीय डिप्लोमा का प्रथम वर्ष पूरा किया हो 12वीं के बाद 2 वर्षीय डिप्लोमा का प्रथम वर्ष चल रहा हो 12वीं पास के साथ 1 वर्ष का एनटीसी/ एनएसी 12वीं पास के साथ 3 वर्ष का एनटीसी/ एनएसी/ सीआईटीएस में से किसी का संयोजन या समतुल्य 	कोई अनुभव अपेक्षित नहीं	450 - 510 प्रशिक्षण के नोशनल घंटे अथवा स्नातक के लिए छात्र - 450 घंटे इंटर्नशिप + परियोजना कार्य व मूल्यांकन	60 घंटे	12वीं कक्षा पास अथवा समतुल्य	1200 घंटे और (केवल एनटीसी के लिए) 150 घंटे का परियोजना कार्य
	12वीं कक्षा पास	1 वर्ष का संगत अनुभव			10वीं कक्षा पास अथवा समतुल्य	3600 घंटे
	10वीं पास के साथ 2 वर्ष का एनटीसी/ एनएसी/ सीआईटीएस में से किसी का संयोजन या समतुल्य	1 वर्ष का संगत अनुभव				240 घंटे (प्रथम वर्ष में न्यूनतम 90 घंटे का माड्यूल)
	8वीं पास के साथ 2 वर्ष का एनटीसी और 1 वर्ष का	1 वर्ष का				

	सीआईटीएस	संगत अनुभव					
	10वीं कक्षा पास	3 वर्ष का संगत अनुभव					
	एनएसक्यूएफ स्तर 4 की पिछली संगत अर्हता	1.5 वर्ष का संगत अनुभव					
	एनएसक्यूएफ स्तर 3.5 की पिछली संगत अर्हता	3 वर्ष का संगत अनुभव					
स्तर 5	<ul style="list-style-type: none"> • 3 वर्षीय/ 4 वर्षीय यूजी का दूसरा वर्ष पूरा किया हो • 3 वर्षीय/ 4 वर्षीय यूजी का दूसरा वर्ष चल रहा हो और शिक्षा जारी हो • 3 वर्षीय डिप्लोमा का दूसरा वर्ष पूरा किया हो (12वीं के बाद) • 12वीं के बाद 2 वर्षीय डिप्लोमा का दूसरा वर्ष चल रहा हो 	कोई अनुभव अपेक्षित नहीं	480 से 570 प्रशिक्षण के नोशनल घंटे अथवा स्नातक के लिए छात्र - 510 घंटे इंटर्नशिप + परियोजना कार्य व मूल्यांकन	60 घंटे	11वीं कक्षा का बाद 3 वर्षीय डिप्लोमा पूरा किया हो	1200 घंटे	120 घंटे
	12वीं पास के साथ 2 वर्ष का एनटीसी/ एनएसी/ सीआईटीएस में से किसी का संयोजन या समतुल्य	कोई अनुभव अपेक्षित नहीं			स्नातक प्रथम वर्ष पूरा किया हो अथवा समतुल्य	1200 घंटे	120 घंटे
	<ul style="list-style-type: none"> • 10वीं के बाद 3 वर्षीय डिप्लोमा पूरा किया हो • 12वीं पास के साथ 1 वर्ष का एनटीसी/ एनएसी • 3 वर्षीय/ 4 वर्षीय यूजी का प्रथम वर्ष पूरा किया हो 	1 वर्ष का संगत अनुभव			12वीं कक्षा पास अथवा समतुल्य पाठ्यक्रम	2400 घंटे	180 घंटे (प्रथम वर्ष में न्यूनतम 90 घंटे का माड्यूल)
	12वीं कक्षा पास	2 वर्ष का संगत अनुभव					
	10वीं कक्षा पास	4 वर्ष का संगत अनुभव					
	एनएसक्यूएफ स्तर 4.5 की पिछली संगत अर्हता	1.5 वर्ष का संगत अनुभव					
	एनएसक्यूएफ स्तर 4 की पिछली संगत अर्हता	3 वर्ष का संगत अनुभव			10वीं कक्षा पास और 2 वर्षीय एनटीसी तथा 1 वर्ष का संगत अनुभव (केवल सीआईटीएस के लिए)	1200 घंटे	120 घंटे

					अथवा 10वीं कक्षा पास और 2 वर्षीय एनटीसी 2 वर्ष का संगत अनुभव (केवल सीआईटीएस के लिए)		
स्तर 5.5 यूजी डिग्री	<ul style="list-style-type: none"> 3 वर्षीय/ 4 वर्षीय यूजी का तीसरा वर्ष पूरा किया हो 3 वर्षीय/ 4 वर्षीय यूजी का तीसरा वर्ष चल रहा हो और शिक्षा जारी हो <p>12वीं पास और 1 वर्ष का एनटीसी और 1 वर्ष का एनएसी और 1 वर्ष का सीआईटीएस पूरा किया हो</p> <ul style="list-style-type: none"> 12वीं पास के साथ 2 वर्ष का एनटीसी/ एनएसी/ सीआईटीएस में से किसी का संयोजन या समतुल्य 10वीं के बाद 2 वर्षीय डिप्लोमा पूरा किया हो 3 वर्षीय यूजी का दूसरा वर्ष पूरा किया हो 	कोई अनुभव अपेक्षित नहीं	540 से 600 प्रशिक्षण के नोशनल घंटे अथवा स्नातक के लिए छात्र - 550 घंटे इंटर्नशिप + परियोजना कार्य व मूल्यांकन	60 घंटे / 90 घंटे	स्नातक प्रथम वर्ष पूरा किया हो अथवा समतुल्य	2400 घंटे	180 घंटे (प्रथम वर्ष में न्यूनतम 90 घंटे का माड्यूल)
					स्नातक दूसरा वर्ष पूरा किया हो अथवा समतुल्य	1200 घंटे	120 घंटे
	<ul style="list-style-type: none"> 12वीं पास के साथ 1 वर्ष का एनटीसी/ एनएसी 3 वर्षीय डिप्लोमा पूरा किया हो (12वीं के बाद) 	2 वर्ष का संगत अनुभव					
	10वीं के बाद 3 वर्षीय डिप्लोमा पूरा किया हो	2 वर्ष का संगत अनुभव					
	12वीं कक्षा पास	3 वर्ष का संगत अनुभव					
	एनएसक्यूएफ स्तर 5 की पिछली संगत अर्हता	1.5 वर्ष का संगत अनुभव					
	एनएसक्यूएफ स्तर 4.5 की पिछली संगत अर्हता	3 वर्ष का संगत अनुभव					
स्तर 6	<ul style="list-style-type: none"> 3 वर्षीय यूजी डिग्री पूरी करने के बाद 2 वर्षीय पीजी का पहला वर्ष चल रहा हो 3 वर्षीय यूजी डिग्री पूरी करने के बाद 1 वर्षीय पीजी डिप्लोमा चल रहा हो यूजी का चौथा वर्ष पूरा किया 	कोई अनुभव अपेक्षित नहीं	570 से 660 प्रशिक्षण के नोशनल घंटे अथवा स्नातक/ स्नातकोत्तर के लिए	90 घंटे	स्नातक (3 वर्षीय) पूरा किया हो अथवा समतुल्य	1200 घंटे	120 घंटे

	हो (4 वर्षीय यूजी के मामले में) • यूजी का चौथा वर्ष पूरा किया हो (4 वर्षीय यूजी के मामले में) और शिक्षा जारी हो							
	3 वर्षीय यूजी डिग्री पूरी की हो	1 वर्ष का संगत अनुभव						
	• 12वीं पास के साथ 2 वर्ष का एनटीसी/ एनएसी/ सीआईटीएस में से किसी का संयोजन या समतुल्य • 12वीं के बाद 2 वर्षीय डिप्लोमा पूरा किया हो	2 वर्ष का संगत अनुभव	डिप्लोमा छात्र - 600 घंटे इंटर्नशिप + परियोजना कार्य व मूल्यांकन					
	12वीं के बाद 2 वर्षीय डिप्लोमा का पहला वर्ष पूरा किया हो	3 वर्ष का संगत अनुभव						
	12वीं कक्षा पास	4 वर्ष का संगत अनुभव						
	एनएसक्यूएफ स्तर 5.5 की पिछली संगत अर्हता	1.5 वर्ष का संगत अनुभव						
	एनएसक्यूएफ स्तर 5 की पिछली संगत अर्हता	3 वर्ष का संगत अनुभव						
	स्तर 6.5	• पीएचडी चल रही हो (अनुसंधान के साथ 4 वर्षीय यूजी ऑनर्स के बाद) • 2 वर्षीय पीजी का दूसरा वर्ष चल रही हो (3 वर्षीय यूजी डिग्री के बाद) • 2 वर्षीय पीजी का पहला वर्ष चल रही हो (3 वर्षीय यूजी डिग्री के बाद) • 2 वर्षीय पीजी डिग्री पूरी की हो (3 वर्षीय यूजी डिग्री के बाद)	कोई अनुभव अपेक्षित नहीं	630 से 690 प्रशिक्षण के नोशनल घंटे अथवा स्नातकोत्तर के लिए छात्र - 660 घंटे इंटर्नशिप + परियोजना कार्य व मूल्यांकन	90 घंटे	4 वर्षीय स्नातक पूरा किया हो अथवा 3 वर्षीय स्नातक के बाद पीजी डिप्लोमा पूरा किया हो अथवा 2 वर्षीय पीजी कार्यक्रम का प्रथम वर्ष पूरा किया हो	1200 घंटे	120 घंटे
	• 4 वर्षीय यूजी प्रोग्राम पूरा किया हो • 2 वर्षीय यूजी डिग्री के बाद 2 वर्षीय पीजी का पहला वर्ष पूरा किया हो	1 वर्ष का संगत अनुभव						
	3 वर्षीय यूजी डिग्री पूरी की हो	2 वर्ष का संगत अनुभव						
	12वीं कक्षा के बाद 2 वर्षीय डिप्लोमा पूरा किया हो (किसी भी थेट्रे में)	3 वर्ष का संगत अनुभव						
	12वीं पास के साथ 2 वर्ष का एनटीसी/ एनएसी/ सीआईटीएस में से किसी का संयोजन	3 वर्ष का संगत अनुभव						
	एनएसक्यूएफ स्तर 6 की पिछली संगत अर्हता	1.5 वर्ष का संगत अनुभव						
	एनएसक्यूएफ स्तर 5.5 की	3 वर्ष का संगत						

स्तर 7 पीजी इंजीनियरिंग	पिछली संगत अर्हता	अनुभव	660 से 750 प्रशिक्षण के नोशनल घंटे अथवा स्वातकोत्तर के लिए छात्र - 720 घंटे इंटर्नशिप + परियोजना कार्य व मूल्यांकन	120 घंटे			
	पीएचडी चल रही हो	कोई अनुभव अपेक्षित नहीं					
	4 वर्षीय यूजी प्रोग्राम के बाद 2 वर्षीय पीजी का दूसरा वर्ष चल रहा हो	कोई अनुभव अपेक्षित नहीं					
	3 वर्षीय यूजी के बाद 2 वर्षीय पीजी पूरी की हो	1 वर्ष का संगत अनुभव					
	4 वर्षीय यूजी डिग्री पूरी की हो	2 वर्ष का संगत अनुभव					
	3 वर्षीय यूजी डिग्री पूरी की हो	3 वर्ष का संगत अनुभव					
स्तर 8 पीएचडी / 19 वर्षों से अधिक	एनएसक्यूएफ स्तर 6.5 की पिछली संगत अर्हता	1.5 वर्ष का संगत अनुभव	750 से अधिक प्रशिक्षण के नोशनल घंटे अथवा इंटर्नशिप एवं परियोजना कार्य के घंटे	120 घंटे			
	एनएसक्यूएफ स्तर 6 की पिछली संगत अर्हता	3 वर्ष का संगत अनुभव					
	संगत क्षेत्र में पीएचडी	कोई अनुभव अपेक्षित नहीं					
	किसी भी क्षेत्र में पीएचडी	1 वर्ष का संगत अनुभव					
	संगत क्षेत्र में पीजी का दूसरा वर्ष	3 वर्ष का संगत अनुभव					
	किसी भी क्षेत्र में पीजी का दूसरा वर्ष	4 वर्ष का संगत अनुभव					
	संगत क्षेत्र में 3 वर्षीय यूजी या 4 वर्षीय यूजी	5 वर्ष का संगत अनुभव		120 घंटे			
	किसी भी क्षेत्र में 3 वर्षीय यूजी	6 वर्ष का संगत अनुभव					
	एनएसक्यूएफ स्तर 6.5 की पिछली संगत अर्हता	4.5 वर्ष का संगत अनुभव		120 घंटे			
	एनएसक्यूएफ स्तर 7 की पिछली संगत अर्हता	3 वर्ष का संगत अनुभव					

कर्नल गुंजन चौधरी, सचिव

[विज्ञापन-III/4/असा./214/2025-26]

NATIONAL COUNCIL FOR VOCATIONAL EDUCATION AND TRAINING

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th June, 2023

NATIONAL SKILLS QUALIFICATION FRAMEWORK-2023

F. No. 22001/01/2023/NCVET.—In pursuance of the notification No. SD-17/113/2017-E&PW dated 5th December 2018, notifying and constituting National Council for Vocational Education and Training (NCVET) and by virtue of the provisions of para 16(f) of the said notification enabling NCVET to frame the guidelines ‘for the approval of qualification packages, and approve qualification packages in the manner set out in such guidelines’ and subsequent approval of National Credit Framework by the Government and notification of the same by University Grants Commission (UGC) dated 10th April 2023 and public notice issued vide No.F. No 2-3/2022 (QIP) dated April

21, 2023/ Vaishakh 1, 1945, the rationalized and revised National Skills Qualification Framework (NSQF) is hereby notified, in supersession of the earlier notification dated 27th December 2013, as per the details given below.

1. DEFINITIONS APPLICABLE TO THE NSQF

- i. “Competence” means the proven ability to use acquired knowledge, skills and personal and social abilities, in discharge of responsibility roles. It is the ability to do a job well.
- ii. “Council” means National Council for Vocational Education and Training (NCVET)
- iii. “Credit” is recognition that a learner has successfully completed a prior course of learning corresponding to a qualification with pre-defined outcomes and at a given National Credit Framework (NCrF)/ National Skill Qualification Framework (NSQF) level, subject to assessments for achieving such learning outcomes.
- iv. “Knowledge” means the outcome of the assimilation of information through learning. Knowledge is the body of facts, principles, theories and practices that is related to a field of work, skill or study. Knowledge is described as theoretical and/or factual.
- v. “Learner” refers to an individual undergoing Vocational Education and Training/ skill development training, whether in a formal or informal setting.
- vi. “Learning Outcomes” represent what a learner knows, understands and is able to do on completion of a learning process, and which would be expressed in terms of knowledge, skills and competence.;
- vii. “National Skills Qualification Committee” or “NSQC” refers to the Committee set up for approval of Qualifications under NSQF.
- viii. “Qualification” means a skill competency in respect of which the Council has approved a qualification package. Acquiring a Qualification results into achieving a formal learning outcome, based on an assessment and validation process, is obtained when a competent body determines that an individual has achieved the prescribed learning outcomes to given standards.
- ix. “Recognition of Prior Learning” or “RPL” means assessment and certification of individuals with prior learning experience or skills towards gaining a qualification;
- x. “Sector” means a grouping of professional activities on the basis of their main economic function, product, service or technology.
- xi. “Skill” means the ability to apply knowledge and use know-how to complete tasks and solve problems. Skills are described as cognitive (involving the use of logical, intuitive and creative thinking) or practical (involving manual dexterity and the use of methods, materials, tools and instruments);
- xii. “Trainer” means someone who trains, instructs, teaches or otherwise enables the learner(s) to acquire the appropriate knowledge and skills to gain a Qualification.
- xiii. “Training Provider”, “training body” or “Institute” and “Institution” means a person or an organisation, which is affiliated with an awarding body recognized by the Council for providing training with respect to a qualification.
- xiv. Any other term not defined here shall have the same meaning as in the NSQF notification no. No. 8/6/2013- Invt dated 27th December 2013.

2. BACKGROUND OF DEVELOPMENT OF SKILL QUALIFICATION FRAMEWORK IN INDIA

- 2.1. Through the National Policy on Skill Development, 2009, India recognized the need for the development of a national qualification framework that would transcend both general education as well as vocational education and training. The Policy envisioned that the framework would stimulate and support reforms in skills development and facilitate establishment of nationally standardized, acceptable, and internationally comparable qualifications. In the absence of an organization at the Central level to develop such a framework, individual Ministries started working on development of the framework, which were to subsequently be subsumed in the National framework, when available. Accordingly, the Ministry of Labour and Employment developed the National Vocational Qualifications Framework (NVQF) and the Ministry of Human Resource Development developed the National Vocational Education Qualification Framework (NVEQF).
- 2.2. Realizing the need for a unified framework, an Inter-Ministerial Committee was formed by the Cabinet Secretariat to utilize the work already done by the two Ministries as the foundation of the

National Skills Qualification Framework (NSQF) notified vide notification no.8/6/2013-Invt dated 27th December, 2013 by the Department of Economic Affairs, Ministry of Finance. Prior to this, the National Skill Development Agency was notified in June 2013 by the Department of Economic Affairs with a mandate to anchor and operationalize the National Skill Qualification Framework (NSQF) to ensure that quality and standards meet sector specific requirements.

2.3. The need for NSQF arose on account of the following:

- i. The negative perception associated with vocational education, training, and hesitation amongst the youth in opting for it presuming that this avenue would preclude the concerned individual from being able to acquire higher degrees and qualifications.
- ii. Absence of clear pathways of learning and progression, especially on the vocational education and training front, with no clear provision for vertical or horizontal mobility.
- iii. Lack of uniformity in the outcomes associated with different qualifications across awarding bodies and institutions which often led to problems in establishing equivalence of certificates/ diplomas/ degrees in different parts of the country, impacting the employability and mobility of students/ learners.
- iv. Existence of a large section of people who acquired skills in the informal sector but did not have the necessary formal certifications to attest their skills.
- v. Absence of mechanism for international recognition of Indian qualifications adversely affecting the international mobility of students and workers

2.4. Accordingly, the NSQF sought to:

- i. Integrate education and competency-based skill framework, provide for credit accumulation, and transfer system to allow people to move between vocational and general education and vice versa at different stages in their lives according to their needs and convenience.
- ii. Provide a competency and learning outcomes-based framework for development of quality skill qualifications, in line with the industry requirements which in addition to employment also allows acquisition of higher qualifications, including degrees and doctorates.
- iii. Make the progression pathways transparent so that institutes, students/ learners and employers are clear about the possible avenues after pursuing a particular course and addresses the issues of inequity and disparity in qualifications.
- iv. Enable mainstreaming of learners from non-formal, in-formal background and also those who belong to out of school category through Recognition of Prior Learning (RPL).
- v. Enable alignment of Indian qualifications to international qualifications in accordance with relevant bilateral and multilateral agreements.

3. NEED FOR REVISING AND RATIONALIZING NSQF

Since the notification of NSQF in 2013, the skilling landscape has undergone major changes. The impetus on vocational education and skilling resulted in some major policy initiatives by the Government including notification and constitution of NCVET, launch of National Education Policy 2020 and approval of National Credit Framework in April 2023.

3.1. Establishment of National Council for Vocational Education and Training (NCVET):

- 3.1.1. The National Council for Vocational Education and Training (NCVET) was notified on 5th December 2018, vide notification no. No. SD-17/113/2017 E&PW, with the approval of the Cabinet dated 10th October 2018, subsuming the erstwhile National Skill Development Agency (NSDA) and the National Council of Vocational Training (NCVT).
- 3.1.2. The National Council for Vocational Education and Training has been entrusted with the development, qualitative improvement and regulation of vocational education and training, for granting recognition to and monitoring the functioning of awarding bodies, assessment agencies, skill information providers, and training bodies, and to perform other incidental functions as specified in the notification. The establishment of NCVET has also consolidated the fragmented regulatory framework in the Vocational Education and Training (VET) and skill ecosystem.

3.1.3. The NSQF is anchored in NCVET and its implementation is ensured through, inter-alia, the National Skills Qualification Committee (NSQC), which has been re-constituted, with representation from Central Ministries concerned, NITI Aayog, regulators of higher and technical education University Grants Commission (UGC), All India Council for Technical Education (AICTE), Central Board of School Education (CBSE), select State Skill Development Missions (SSDMs), Awarding Bodies including Directorate General of Training (DGT), Sector Skill Councils (SSCs) and select industry bodies.

3.2. National Education Policy, 2020:

- 3.2.1. The National Education Policy, 2020 has been launched by the Government of India in July 2020. The policy lays emphasis on making the education more holistic and effective by integration of general (academic) and vocational education while ensuring the vertical and horizontal mobility of students and learners between academic and vocational streams.
- 3.2.2. The NEP 2020, emphasizes upon removing hard distinction between arts, science and commerce; and between curricular, co-curricular and extracurricular activities; and between vocational and general education. NEP focuses on flexible curricular structure and multidisciplinary learning.

3.3. National Credit Framework (NCrF):

- 3.3.1. To fulfil the vision of National Education Policy 2020, a National Credit Framework (NCrF) has been approved by the government which is a comprehensive credit framework encompassing elementary, school, higher, and vocational education & training. NCrF focusses on making education more holistic and effective and would be the single meta framework for integrating and creditizing learning in various dimensions of academics, skilling and experiential learning including relevant experience and proficiency/ professional levels acquired, subject to assessment.
- 3.3.2. The NCrF provides for creditization of all learning and assignment, accumulation, storage, transfer & redemption of credits, subject to assessment; removes distinction and establishes academic equivalence between vocational & general education while enabling mobility within & between them, and its operationalization through the Academic Bank of Credits (ABC).
- 3.3.3. NCrF enables multi-disciplinarity, multiple entry - multiple exit (ME-ME) pathways in general & vocational education; ensures flexibility for students to choose their learning trajectories and career choices, including option for mid-way course correction or modification, as per their talents and interests.
- 3.3.4. Under the National Credit Framework (NCrF) every learning hour may be creditized subject to its assessment. The Credit levels to be assigned across school/ higher/ vocational education/ skilling, (independent of the streams, subjects etc.) are based on the cumulative numbers of hours/ years of learning subject to assessment.
- 3.3.5. For earning credits, any course/ qualification has to be aligned to the qualification framework concerned and assigned a pre-defined NCrF level while clearly describing the desired competency and learning outcomes expected after undergoing the course/ qualification. Also, for assignment of credits the learning outcome shall have to be assessed after completing the course/ qualification. NCrF proposes creditization to be applicable to school education, higher education and vocational education.

- 3.4. The school education and higher education have their respective Qualification frameworks namely the National Higher Education Qualification Framework (NHEQF) for higher education and the National Curriculum Framework for school education.
- 3.5. Above transformative policies necessitated corresponding modifications in the National Skill Qualification Framework (NSQF) particularly in respect of rationalising level descriptors, standardized minimum entry requirement criteria and notional hours, alignment of NSQF with NCrF and realigning its focus largely to the skills qualification framework.

4. NATIONAL SKILLS QUALIFICATION FRAMEWORK (NSQF) & IT'S OBJECTIVES

- 4.1. The National Skills Qualification Framework (NSQF) is an outcome and competency-based framework which organizes qualifications according to a series of levels of knowledge, skills, aptitude, and responsibility defined in terms of learning outcomes which the learner must acquire through formal, non-formal or informal learning which may comprise of academics, vocational

education, training & skilling and experiential learning including relevant experience and proficiency/ professional levels acquired, subject to assessment. Thus, the NSQF is a skills quality assurance framework.

4.2. **Key objectives and features of National Skill Qualification Framework**

4.2.1. The following are the key features of NSQF:

- i. Provide for integrating and creditizing vocational education, training and skill learning in various dimensions of academics, skilling and experiential learning including relevant experience and proficiency/ professional levels acquired, subject to assessment;
- ii. Clearly prescribe the desired competency levels in terms of knowledge, skills, aptitude, responsibility and learning outcomes expected after undergoing the course/ qualification while assigning a pre-defined NSQF/ NCrF level to the same;
- iii. Facilitate assigning of credit levels across vocational education/ skilling including that in school and higher education, based on the cumulative numbers of hours/ years of learning;
- iv. Creditization of every type and hour of learning subject to its assessment;
- v. Establish academic equivalence between vocational & general education while enabling mobility within & between them;
- vi. Enable multi-disciplinarity, multiple entry-multiple exit (ME-ME) and progression pathways within and between school education, higher education, technical education, vocational education, training & skilling, and the job markets;
- vii. Provide flexibility for students/ learners to choose their learning trajectories and career choices, including option for mid-way course correction
- viii. Recognize learning through close partnership with industry and employers through internships apprenticeships and on the job training across all sectors;
- ix. Provide for Recognition of Prior Learning (RPL) through a credible assessment process;
- x. Thus, NSQF enables and promotes lifelong learning and skill development.

4.2.2. **The other objectives of the National Skill Qualification Framework (NSQF) are to provide a framework that:**

- i. Makes it applicable and implementable in school education, higher education along with vocational education.
- ii. Provides for development of qualifications for each level, based on outcomes which are accepted nationally.
- iii. Provides structure for development and maintenance of progression pathways which enables access to qualifications and assists students/ learners to move easily and readily between different education and training sectors and between those sectors and the industry/ job market.
- iv. Gives individuals an option to progress through vocational education and training and gain recognition for their prior learning and experiences
- v. Underpins national regulatory and quality assurance framework and processes for vocational education, training and skilling
- vi. Supports and enhances the national and international mobility of the workforce with NSQF-aligned qualifications through enabling easy recognition and comparability of Indian qualifications with the internationally aligned qualifications.

5. NATIONAL SKILLS QUALIFICATION FRAMEWORK & ITS COMPONENTS

5.1. **NSQF Level Descriptors**

- 5.1.1. The National Skill Qualification Framework (NSQF) is an outcome and competency-based framework which is composed of levels 1 (one) to eight (8), comprising of Level-1, Level-2, level-2.5, Level-3, Level-3.5, Level-4, Level-4.5, Level-5.0, Level-5.5, Level-6.0, Level-6.5, Level-7.0, and Level-8.
- 5.1.2. Each level represents a different level of skill, complexity, knowledge, responsibility and autonomy required to demonstrate the competence commensurate with that level. Level one of the framework represents the lowest complexity while highest level i.e. level eight represents the highest complexity.
- 5.1.3. Each NSQF level is defined and described by a set of level descriptors expressed in terms of learning outcomes in five domains, which describe in general terms, the minimum knowledge, skills, and attributes that a learner needs to acquire in order to be certified for that level. The five domains are (i) professional theoretical knowledge, (ii) professional and technical skills/ expertise, (iii) aptitude, mind-set, soft skills, employment readiness & entrepreneurship skills, (iv) broad learning outcomes and (v) level of responsibility.

5.1.4. The brief description of each Level Descriptor is as below:

- a. **Professional Theoretical Knowledge:** Professional theoretical knowledge is what a learner should know and understand with reference to the subject skill. It is described in the following terms:
 - i. Depth of knowledge can be general or specialized.
 - ii. Breadth of knowledge can range from a single topic to multi-disciplinary area of knowledge.
 - iii. Kinds of knowledge range from concrete to abstract, from segmented to cumulative.
 - iv. Complexity of knowledge refers to the combination of kinds, depth, and breadth of knowledge.
- b. **Professional and Technical Skills/ Expertise:** Professional and Technical Skills/ Expertise are what a learner should be able to do as a core function needed for the job role. These are described in terms of the kinds and complexity of skills and include:
 - i. Specialized professional and technical skills; display of clarity of professional knowledge and technical skills in broad range of activities/tasks
 - ii. Applying the required knowledge for successfully implementing or applying techniques/ processes in a specific/ broad field/ job role
 - iii. The ability to gain, and where relevant, apply a range of knowledge, skills and understanding
 - iv. Can clearly identify the relevant tools; and materials in most routine/ non-routine contexts
 - v. The required operational skills for the work/ job. Skill to deliver job/ work with the required precision and in estimated timelines
 - vi. Capabilities of carrying out a choice of processes and procedures within the range of familiar / unfamiliar contexts
 - vii. Wide range of cognitive and practical skills required to create innovative and feasible solutions to simple/ complex problems and situations.
 - viii. For higher NSQF levels, understanding and application of techno-Commercial aspect of technology/associated skills or job role.
 - ix. Cognitive and creative skills involving the use of intuitive, logical, and critical thinking.
 - x. Communication skills involving written, oral, literacy and numeracy skills.
 - xi. Interpersonal skills and generic skills.

- xii. Technical skills with regards to a particular job role in both technology and non-technology areas. Technical skills are the specialized knowledge and expertise required to perform specific tasks and use specific tools and programs in real world situations.

c. Aptitude, mind-set, soft skills, employment readiness & entrepreneurship skills:

- i. This domain includes the generic employment readiness and mindset including communication, digital, financial and legal literacy, inclusion and diversity, entrepreneurship etc;
- ii. Soft skills and life skills like creative & cognitive thinking and innovation; critical thinking and problem solving; collaboration & team work; cultural awareness, heritage and competencies; – local and global citizenship; ethical values and emotional awareness; personal and social responsibility etc;
- iii. Higher order skills like novel and adaptive thinking, design mindset, computational thinking, cross-cultural competency, transdisciplinarity, new media literacy, virtual collaboration, social intelligence and liberal arts.etc.

d. Broad Learning Outcomes: Broad learning outcomes are a general summary of the other three domains corresponding to the given competency level as it integrates the three domains with the given responsibility at that level for undertaking a job role.

- i. Carrying out the predefined tasks, routine/repetitive tasks with/ without supervision;
- ii. Familiar, predictable, routine, situation of clear choice, focusing on range of application of standard procedures or operations in production/ services;
- iii. Versatile, adept at executing specialized tasks with minimal supervision, applying technical skills and problem-solving with clarity;
- iv. Identify/ anticipate the problems and possible range of solutions;
- v. Technical expertise, adept at solving complex problems and improving output, specialized judgement / decision making;
- vi. Advanced technical skills, monitoring critical parameters, evaluating and improving processes, and solving complex problems with evidence-based judgement;
- vii. Applying acquired advanced technical skills, technical appraisal and reviews;
- viii. Driving large-scale transformation and managing resources effectively.

e. Responsibility: Responsibility aspect determines the following:

- i. Level of responsibility for self and others;
- ii. Accountability for actions;
- iii. Nature of working relationships;
- iv. Managing change.

5.1.5. The descriptors give broad, general, but meaningful, indicators of the learning outcomes at each level. However, it is not the case that every qualification will or should have all of the characteristics set out in the level descriptors. The descriptors can be used in a number of ways:

- a. To allocate levels to learning programs and qualifications
- b. Allow broad comparisons to be made between outcomes of learning
- c. In validation and moderation of various qualifications and programs
- d. As a basis for communication with learners and other users of qualifications
- e. As a guide for mapping progression routes within training sectors
- f. By program designers when making entry requirements and recommendations for programs

5.1.6. The details of the Level Descriptors as on the date of this notification are at **Annexure I**. However, the Level Descriptors are subject to further modification with the approval of the

NCVET Council depending upon the need and requirements of vocational education, training and skilling ecosystem for the development, qualitative improvement and regulation of vocational education and training.

5.2. Qualifications and National Occupation Standards (NOS)

- 5.2.1. A Qualification comprises of a number of smaller units of learning with independent learning outcomes called National Occupational Standards (NOS). A NOS defines the measurable performance outcomes required from an individual engaged in a particular task and lists down what an individual performing that task should know and also do. These standards can form the benchmarks for various education and training programs.
- 5.2.2. Just as each job role may require the performance of a number of tasks, the combination of all the NOSs corresponding to these tasks would form the Qualification for that job role. The Qualification and constituent NOSs for each qualification/ job role corresponding to each level of the NSQF shall be formulated by the recognized Awarding Body concerned.
- 5.2.3. In the event of there being no AB for a given sector, or inability on the part of the AB to develop the required NOSs/ qualification in a timely manner, the NCVET/ NSQC may assign this responsibility to a relevant awarding body or any other entity having experience and knowledge of the sector.
- 5.3. **Micro-Credentials:** The smaller units, namely Micro-Credentials may be developed within a sector or across sectors primarily focusing on upskilling. Micro-credential aims to certify achievement of coherent sets of skills and knowledge, specified by a statement of purpose, learning outcomes and strong evidence of need by industry, employers or the Government.

5.4. Standardization of Norms for Minimum Entry Criteria & Notional Hours:

- 5.4.1. Each qualification at an NSQF level may be further defined in terms of entry criteria, minimum range of notional hours required to achieve the prescribed learning outcomes which are aligned to the National Credit Framework (NCrF). For a qualification at a particular NSQF level with a predefined learning outcome, there will be minimum level of standardization in terms of the following elements:
 - i. **Minimum Entry Criteria:** Since every level of qualification/ job role is expected to lead to a defined level of competency, minimum entry requirements for undertaking training in a qualification of a particular level may be prescribed by the Council. The entry criteria may include the academic credentials and/or previous Vocational Education, Training and Skilling undertaken and the existing work experience of the prospective student/ learner.
 - ii. **Minimum Range of Notional Hours:** Although the NSQF levels are not directly related to the duration of study, for every NSQF aligned qualification a range of minimum notional hours may be prescribed by NCVET to ensure that a minimum duration of training is imparted for a defined level of competency. The notional learning hours may include theory, practical/ skill training, internship, apprenticeship, On the Job Training (OJT), employability skills, etc.
- 5.4.2. The details of the Standardization of Norms for Minimum Entry Criteria & Notional Hours etc as on the date of this notification are at **Annexure II**. However, the Standardization of Norms for Minimum Entry Criteria & Notional Hours etc are subject to further modification with the approval of NCVET Council depending upon the need and requirements of Vocational Education, Training and Skilling ecosystem in the interest of the development, qualitative improvement and regulation of vocational education and training

5.5. Supporting Documents for a qualification

- 5.5.1. Each qualification shall be supported by the Qualification developer Awarding Body/ Assessment Agency concerned with the following:

- i. Qualification, NOSs, Micro-Credentials in prescribed format with the expected learning outcomes and performance criteria for every learning outcome; the detailed training and learning strategy, and process;

- ii. Model curriculum, student's guide; detailed syllabus, lesson plans, learning resources;
- iii. List of infrastructure, tools, equipment, labs/ computer labs, workshops, and other special infrastructure required for imparting the training; detailed specifications of infrastructure, tools, equipment, labs/ computer labs, workshops, and other special infrastructure required for imparting the training;
- iv. Detailed strategy and guidelines for training, assessment and testing;
- v. Trainer's qualifications/ eligibility/ experience; Training Manual, Trainer's Guide, projects, assignment, tutorials; asse Qualification
- vi. Assessor's qualifications/ eligibility/ experience; Assessment Manual, Assessor's Guide, question banks for assessments, job works for practical assessments; ToA Qualification
- vii. Basic e-content based on the model curriculum; Advance content, e-content and other digital resources, multimedia resources, including animation, simulation, digital twins, metaverses, etc;
- viii. Evidence of need of the qualification and type of training institution; Any special resources required for delivery of qualification to people with disabilities;
- ix. Each qualification shall be prepared in Hindi/ Indian language as per the geographical area of training;
- x. Details of online and offline learning and assessment as per blended learning guidelines;
- xi. NSQF curricula should specify the mode of learning, be modular and allow for skill accumulation and facilitate exit and entry.

These shall be developed for each NSQF level, and for every Qualification/NOS/MC by the Awarding Body (AB)/ Training Providers/ Assessment Agencies concerned.

5.6. Industry Engagement:

- 5.6.1. Since the National Skill Qualification Framework (NSQF) has been particularly designed for meeting the skilled workforce and manpower requirements of the industry and various sectors of economy at all levels (workmen, technicians, supervisory, managerial, management etc), NSQF has to be implemented with participation of the industry/ sectors and employers which is a critical prerequisite for its success.
- 5.6.2. NSQF therefore mandates that the Vocational Education, Training and Skilling qualification/ courses/ programs for students/ learners will be designed, developed, delivered, assessed and certified in close consultation with industry and employers in accordance with the guidelines by the Awarding Bodies, especially with respect to the following aspects:
 - i. Stakeholders' consultations during design and development of qualification
 - ii. Industry validation of the qualification to establish its need and relevance
 - iii. Allowing the relevant experts from the industry/ sectors to deliver and assess the qualification and prescribing the same in the guidelines for appointment of instructors/ trainers
- 5.6.3. The Awarding Bodies may also recognize the regular training centres/ facilities within an industry as their affiliated training centres for the purpose of skill training
- 5.6.4. In addition to this, the industry may also provide support in terms of providing training institutions and /or infrastructural support.
- 5.6.5. Industry led qualifications can be considered for NSQF alignment on a case-to-case basis, even where the industry concerned is not an NCVET recognized awarding body, the mechanism for which shall be prescribed by NCVET.

5.7. Award / Earning of Credits and Notional Learning Hours

- 5.7.1. Under the National Credit Framework (NCrF) every learning hour can be creditized subject to its assessment. The Credit levels to be assigned are based on the cumulative numbers of years of learning with assessment. For earning credits, the course/ qualification should be aligned to the qualification framework concerned, be assigned a defined NCrF level while clearly describing the desired competency and learning outcome expected. Also, the learning outcome shall be assessed after completing the course/ qualification for assignment of credits.
- 5.7.2. Credit" is recognition that a learner has successfully completed a prior course of learning, corresponding to a qualification at a given NSQF/ NCrF level. For each such pre-approved qualification, the student/ learner would have put in such number of hours of learning (academic, vocational education & skill and experiential learning) or workplace experiential learning including relevant proficiency and professional levels acquired, so as to achieve the pre-defined and approved learning outcomes as part of the qualification, subject to valid, reliable assessment by a duly recognized assessment agency.
- 5.7.3. The total Notional Learning Hours for one year of education/ learning across school education, higher education and vocational education, training and skilling have been prescribed to be 1200 Hrs per year for the purpose of assignment of credits for which the students/ learners shall be awarded 40 Credits subject to assessment.
- 5.7.4. The learning hours in vocational education, training and skilling may include, subject to achieving pre-defined learning outcomes at a NSQF/ NCrF level established through proper assessment, the following:
- a. Formal learning, including classroom learning, training sessions, coaching, teaching/ instructions;
 - b. Practical hands-on training in workshops, laboratory or other locations including innovation labs;
 - c. Assignments, tutorials, minor or major project work;
 - d. Examinations, class tests, quizzes, and all types of assessments;
 - e. Internship, apprenticeship, on the job training (OJT), i.e. Practice and learning on the job - gaining, applying and refining skills in the workplace and industrial field visits
 - f. Experiential learning including relevant proficiency and professional levels acquired etc.;
 - g. Informal learning for example through community-based workshops, youth groups, playgroups (Process to be separately notified by the Council);
 - h. Special achievements in sports and games, yoga, physical activities, performing arts, music, handicraft work, social work, NCC (Process to be separately notified by the Council).
- 5.7.5. For the purpose of credit calculations under National Credit Framework (NCrF) one Credit is equivalent to 30 notional learning hours. However, the Council may provide for a different number of hours per credit for theory practical and experiential learning for specific Qualifications. The assignment of credits is independent of the Vocational Education, Training and Skilling sector or type of learning. The students/ learners could be allowed additional courses, programs, subjects or projects beyond 40 credits to get additional credits for the same.
- 5.7.6. The number of credits may be worked out on the basis of the number of notional learning hours prescribed (that an 'average' learner, at a specified NSQF level, is expected to take to achieve the learning outcomes). No credits are added or taken away if the student/ learner takes more or less time is taken to achieve the pre-defined outcomes determined by successful assessments. No credits shall be awarded to or 'earned' by a student/ learner if the learning outcomes are not achieved.
- 5.7.7. The process of assignment, accumulation, storage, redemption and transfer of credits shall be in alignment with the National Credit Framework, including the special provisions like Recognition of Prior Learning (RPL), student/ learner accelerations etc.

- 5.7.8. Assignment of Credits has also been enabled for blended learning in Vocational Education, Training and Skilling to expand the open learning options and to promote extensive use of technology in education, learning & skilling. This would help in overcoming the constraints of physical infrastructure & scalability while enhancing access, equity, and affordability and ensuring quality and accountability. The blended learning option shall also enhance accessibility of learning in Indian language as well as for Divyangs.
- 5.7.9. The total Credit Points earned by the student in a particular year could be obtained by multiplying the credits earned with the NCrF Level at which the credits have been earned. The credit points may be redeemed as per the guidelines issued in this regard by the regulators/ institutions concerned for entry or admission in school, higher, technical or vocational education programs/ courses at multiple levels enabling horizontal and vertical mobility with various lateral entry and exit options.
- 5.7.10. The NSQF read with the provisions of National Credit Framework (NCrF) also enables creditization of experiential learning including relevant experience and proficiency/professional levels acquired, based on the weightage for the purpose, subject to assessment.
- 5.7.11. The provisions of NSQF shall be aligned with the provisions of NCrF and the NCrF levels.

5.8. NSQF Enabling Recognition of Prior Learning (RPL)

- 5.8.1. The NSQF read with the provisions of National Credit Framework (NCrF) fully enables the students/ learners with opportunities to catch up and reenter the education and skilling ecosystem in case they have fallen behind or dropped out at any stage thereby allowing them integration, progression and mobility into formal education ecosystem.
- 5.8.2. Recognition of Prior Learning (RPL) for workforce that has acquired knowledge and skills informally through the traditional family inheritance, work experience or other non-formal or informal methods is a very important associated function of the NSQF, especially in the Indian context where majority of the workforce has not received formal training. Such prior learning may include knowledge and skills gained/ acquired outside the formal learning ecosystem, through informal learning and training in the workplace, the family, the community and/or the voluntary sector, from continuing professional development activities or from independent learning from open/ other sources.
- 5.8.3. RPL will give an option for personal or career development or to gain credit to learners who have the required skills but no formal certificate for the same. It will help learners make clearer connections between the learning they have already achieved and future learning and/or career opportunities. Benchmarking an individual's learning against the NSQF Level Descriptors will help them to identify the appropriate options for progression. This will improve career progression and skill upgradation of learners as well as facilitate the engagement of the experienced practitioners as resource persons.
- 5.8.4. The Guidelines on "RPL" notified by NCVET, from time to time shall be applicable in this regard.

5.9. Occupational Maps and Progression Pathways

Every qualification will define and provide for the Occupational Maps and Progression Pathways to enable both horizontal and vertical mobility of students/ learners. For that to happen, the following are essential:

- 5.9.1. Each level is linked to the levels above and levels below it by a series of steps. If these steps in any industry sector or academic domain are missing, the NSQF would help identify, map and address these gaps.
- 5.9.2. Such gaps would have to be filled, and the key administrative ministry, regulatory bodies already operating in that sector, the ABs and other stakeholders being part of the NSQC, would be involved and requested provide the required support in the process.
- 5.9.3. The progression pathways shall be defined in each qualification to facilitate vertical and horizontal mobility. For this, Awarding Bodies shall develop clearly defined Occupational Maps (OMs) of the sector concerned. Such OMs may show pathways within the same sector or across sectors.

5.9.4. The horizontal and vertical progression pathways with the multiple entry multiple exit options within and between vocational education and general education shall be worked out in line with the provisions of NCrF.

5.10. **Enabling International Comparability and Mobility:**

- 5.10.1. The International equivalence and transfer of credits is enabled through various multilateral/bilateral agreements between respective regulators of the countries concerned. Regional Qualifications Framework (RQF) also picked up due to the initiatives by the Organisation like Economic Cooperation and Development (OECD), World Bank, and International Labour Organization (ILO).
- 5.10.2. The demand for transparent sets of professional competencies, skills, and knowledge enhanced the international mobility of students and professionals. Acceptance of equivalence of various qualifications between the countries, therefore, becomes vital to enable the international equivalence and mobility of students and professionals.
- 5.10.3. This necessitates the requirement of a measurable method for establishing equivalence between qualifications to enable the identification of skills, comparisons, and mobility of learners and workers between countries.
- 5.10.4. The National Skill Qualification Framework (NSQF), in conjunction with NCrF provides for a way of structuring qualifications defined by not only the course curriculum, but the learning outcomes, and therefore becomes a reliable method to measure the outcome of learning and for comparing qualifications to establish equivalence.
- 5.10.5. As a standardised national framework for credit assignment and accumulation NSQF encourages internationalization of skills through credit transfer provisions making these credits more acceptable and transferable internationally. NSQF, thus, enables wider recognition and acceptance of Indian education and skilling by other countries through international equivalence, promoting exchange with foreign skilling bodies and institutions.
- 5.10.6. The NSQF will provide a means of articulation and alignment of the Indian Skill Qualification levels with those of the other countries/ regions for bilateral or multilateral MOUs and agreements. This will help in facilitating the mobility of Indian NSQF-aligned Qualification holders to work in and/or relocate to other parts of the world. The NSQF will also be the means of interface with the various geographical regional frameworks that are developing across the world.

6. NATIONAL QUALIFICATIONS REGISTER (NQR)

- 6.1. To ensure that all stakeholders of education higher education and skilling ecosystem including awarding bodies, assessment agencies, training providers, training centers, institutions, universities, engineering colleges, polytechnics, industrial training institutes, state school boards, schools, teachers, instructors, trainers, parents and students/ learners, have access to all the qualifications currently aligned and approved as per National Skill Qualification Framework (NSQF), the qualification are uploaded on National Qualification Register (NQR) and shall be maintained and regularly updated by the council.
- 6.2. The National Qualification Register (NQR) will be the official national public record of all qualifications aligned to NSQF levels and approved by NSQC. The qualifications register will be made available on a web portal and regularly updated.
- 6.3. The NQR shall list all the current and past qualifications aligned and approved as per National Skill Qualification Framework (NSQF) along with full details of its name, code number, sector/awarding body concerned, date of approval, currency, version/ revision, archiving etc.
- 6.4. NQR will reflect the current qualifications alive which are available or being provided by various stakeholders. NQR shall also list all the qualifications archived or expired and are no more available for offering.
- 6.5. It shall be the responsibility of the stakeholders concerned who shall check the currency and availability of a qualification on NQR before offering the same in the skilling ecosystem.

7. SHARING OF RESOURCES

- 7.1. Sharing of Resources already created by different stakeholders and organizations in the skill ecosystem would be encouraged for optimum utilization of the funds and expertise available.
- 7.2. Industry and employers would be encouraged to partner with skill / vocational training providers/ institutes so that the requirements and ethos of the work place are integral to skill training programmes.
- 7.3. The ‘Guidelines for adoption of qualifications, NOSs, & Micro-credentials by multiple awarding bodies’ notified by NCVET, from time to time shall be applicable in this regard.
- 7.4. Sharing of Vocational Education, Training and Skilling Qualifications and learning resources: There would be two kinds of qualifications and learning related resources.
 - i. Firstly, the one available in the public domain or open resources which shall be sharable subject to following the guidelines issued by the National Council for Vocational Education and Training (NCVET) from time to time. Any resource developed with the funds from the government or corporate social responsibility shall be a public resource.
 - ii. Secondly, the detailed and advanced resources developed by awarding bodies, training providers or the assessment agencies where the development, management and use rights would be available with the developer concerned. These resources could be used by others with the permission of the owners based on mutual agreement with or without financial applications.
 - iii. In the public interest the council may declare any resource as a public resource.

8. IMPLEMENTATION OF NSQF

- 8.1. The National Skills Qualification Committee (NSQC) anchored in NCVET is the apex body for implementation of NSQF. Constituted by the Council, the NSQC comprises, amongst others, of the representatives from the select Central Ministries, the regulatory bodies of education and skilling ecosystem namely University Grants Commission (UGC) and All India Council for Technical Education (AICTE), Director General Training (DGT), Central Board of School Education (CBSE), select SSDMs (by rotation), select Industry Associations, the Awarding Bodies, and sectoral representatives.
- 8.2. To meet the changing requirements, the composition of NSQC may be modified with the approval of the NCVET Council. The NSQC would be at liberty to set up specific sub-committees for addressing sectoral issues. All Members of the NSQC representing specific sectors, and listed under the group of “sectoral representatives” may be part of the sub-committee (s) on the sector”.
- 8.3. The NCVET shall also lay down an SOPs and guidelines detailing the process for NSQF alignment and approval of qualifications.

8.4. Functions of the NSQC would be as under:

- 8.4.1. All Policies relating to alignment of qualifications/ NOSs/ MCs to NSQF; their revision; trainer and assessor norms, etc.
- 8.4.2. NSQF alignment and approval of the Qualifications, National Occupation Standards (NOSs) and Micro Credentials (MCs) prepared by the NCVET recognized Awarding Bodies (ABs) or any other such body authorized to do so by NCVET;
- 8.4.3. Standardize and review the process for NSQF alignment and approval keeping in view the changing requirements/ policies from time to time.
- 8.4.4. Prescribe guidelines/ SOPs related to RPL, Adoption of qualifications and NSQF alignment of Diploma qualifications etc.
- 8.4.5. Prescribe guidelines for ensuring that ABs incorporate in the Qualifications and implementing agencies, including training providers, address during training the special needs of disadvantaged sections of the population including women, PwDs etc.
- 8.4.6. Encourage development and NSQF alignment of Qualifications/ NOS/ MCs relating to Future Skills qualifications, OEM Qualifications, Cross- sectoral, Multi-skilling and Heritage/ Traditional sectors amongst others.
- 8.4.7. Modify, align and approve the skill qualifications for Schools, Higher Education and Technical Education.

- 8.4.8. Resolve issues relating to implementation of NSQF aligned and approved skill qualifications in Schools, Higher Education and Vocational education ecosystem.
- 8.4.9. Lay down process for uploading, revision and archiving of qualifications on NQR and approve the same.
- 8.4.10. Approve Occupational Map for various sectors and ensure adherence and implementation by all ABs.
- 8.4.11. Develop/ approve norms and formats for Certification;
- 8.4.12. Approve the mechanism for credit assignment, accumulation, storage and transfer of credits with respect to vocational education in line with NCrF and review and resolve matters among Ministries/ Departments/ Regulatory Bodies regarding alignment of courses to NSQF, credit transfer for Vocational Education, Training and Skilling, etc.;
- 8.4.13. Coordinate and take all steps to align the national qualifications to international qualifications frameworks, relating to Vocational Education & Training/ Skilling to allow international mobility;
- 8.4.14. Any other matter considered necessary for establishing and maintaining high standards and quality for Vocational Education, Training and Skilling in all sector.

8.5. Assessment

- 8.5.1. As per the Council's mandate all assessments for Vocational Education, Training and Skilling shall be done by the NCVET recognized Assessment Agencies for all the training conducted in respect of NSQF aligned and approved qualifications as per the norms defined from time to time, after approval of NSQC to ensure that outcomes conform to appropriate NSQF levels.
- 8.5.2. In case the assessment has not been conducted by a NCVET recognized Assessment Agencies, no NCVET certification shall be issued by the awarding body or any other agency.

8.6. Certification

- 8.6.1. Certification will be done by the NCVET recognized Awarding Bodies for the NSQF aligned and approved qualifications as per the norms defined and notified for recognition and regulation of Awarding Bodies, notified by the NCVET from time to time.
- 8.6.2. The Certificate is to be issued after successful assessment of the student/ learner in the approved format issued by NCVET from time to time, after approval of NSQC.
- 8.6.3. National Council for Vocational Education and Training (NCVET) shall prescribe the method of issuing this certificate either through the skill India digital portal or any other process to be specified by the NCVET.

8.7. Miscellaneous Provisions for implementation

- 8.7.1. Central and State Governments: The Central Ministries/ Departments, State Government Departments, State Skill Development Missions (SSDMs) etc. will provide the leadership to ensure that all stakeholders align the Vocational Education, Training and Skilling ecosystem under their aegis to the NSQF to ensure greater value and mobility. The State Governments will also help determine the modalities for ensuring that while regional variations are provided for, the same do not deviate from the set standards and procedures undermining the quality assurance through NSQF.
- 8.7.2. The Government funding for any program may be available only for Vocational Education, Training and Skilling on NSQF aligned and approved qualifications/ courses.
- 8.7.3. All the government funded training and education institutions shall define eligibility criteria for admission to various Vocational education and Training (VET) courses (both in school and higher education) which are aligned with NSQF to facilitate mobility.
- 8.7.4. The recognized Awarding Bodies will be encouraged to run the NSQF aligned and approved qualifications in fee-based programs as well.
- 8.7.5. NSQF may be adopted by all academic institutions for their Vocational Education, Training and Skilling related programs.

8.7.6. Governments both Central and states may amend their recruitment rules and as those of their public sector enterprises to define eligibility criteria for all workforce related positions in terms of NSQF levels.

8.7.7. This notification will supersede the earlier NSQF notification of 2013.

9. REMOVAL OF DIFFICULTIES IN IMPLEMENTATION OF THE PROVISIONS

Challenges/ difficulties faced during the implementation of this policy shall be evaluated and addressed and in case any urgent/ minor modifications are required, the same shall be issued with the approval of the Chairperson, NCVET, which shall be got approved post facto by the Council. Interpretation/ decision of the Council regarding any of the provisions of the guidelines shall be final.

ANNEXURE I

LEVEL DESCRIPTORS FOR NSQF LEVELS (Majority of the parameters listed across every level to apply)

NSQF Level	Professional Theoretical Knowledge	Professional and Technical Skills/ Expertise	Aptitude, mind-set, soft skills, employment readiness & entrepreneurship skills:	Broad Learning Outcomes	Responsibility
Details	Professional Knowledge and understanding and application of such knowledge	Professional and Technical Skills required and their application to perform and accomplish tasks	Generic Employment Readiness & Entrepreneurship Skills and Mindset (Communication, Digital, Financial and Legal Literacy, Entrepreneurship, inclusion and Diversity, Literacy and Numeracy, other Soft/ Life Skills)	Generic Learning Outcomes (Performance Criteria and Process Orientation/ Required)	Responsibility Level of the Job
Level 1 Brief Outline/ Description	<ul style="list-style-type: none"> Elementary Knowledge Elementary knowledge in work demonstrable by recognition or recall for understanding the context of work 	<ul style="list-style-type: none"> Role confined Skills Narrow range of basic skills while carrying out directed activities and processes that are repetitive & predictable in nature requiring no previous practice 	<ul style="list-style-type: none"> Basic employment readiness Very narrow/ basic Employability Skills, including communication skills & basic understanding of Financial and Digital literacy, digital payments and Aadhaar 	<ul style="list-style-type: none"> Routine/ Repetitive Tasks Perform Routine & Repetitive tasks under full instructions and close supervision 	<ul style="list-style-type: none"> Helper Works as helper/ Ground level worker, always works under continuous instruction and close supervision.
Level 1	<ul style="list-style-type: none"> Elementary knowledge in the area of work demonstrable by recognition or recall Becomes familiar with narrow and defined range of common trade 	<ul style="list-style-type: none"> Narrow range of basic skills Has very basic practical skills. Able to understand and perform instruction based tasks and Carries out directed activities and 	<ul style="list-style-type: none"> Very narrow/ basic Employability Skills, including communication skills in native Indian language, May have basic reading and writing skills; basic arithmetic skills 	<ul style="list-style-type: none"> Perform a well-defined task that is routine & repetitive. Acts in a limited pre-defined basic role of a helper/ assistant Task is performed under 	<ul style="list-style-type: none"> Work as first level helper/ Ground level worker No direct responsibility; OR responsibility limited to the assigned task Always works under continuous instruction and close supervision.

	<p>terminology & instructional words meaning and understanding</p> <ul style="list-style-type: none"> • Able to use individual knowledge for understanding the context of work and some quality parameters 	<p>processes repetitive & predictable in nature requiring no previous practice.</p> <ul style="list-style-type: none"> • Carries out directed activity using basic tools. 	<ul style="list-style-type: none"> • Has basic understanding of Financial and Digital literacy, digital payments and Aadhaar 	<ul style="list-style-type: none"> • full instructions and close supervision • Focus on practice of repetitive work • Familiarity with basic safety and general hygiene norms. 	
Level 2 Brief Outline/ Description	<ul style="list-style-type: none"> • Fundamental knowledge • Basic working/ operational knowledge in the area of work with understanding of basic materials, tools, applications in a limited context. 	<ul style="list-style-type: none"> • Limited finite skills • Performs structured tasks in a limited range of functional roles. Uses known solutions to familiar problems. 	<ul style="list-style-type: none"> • Employment readiness • Receive and transmit written and oral messages/ communication clearly. Have broader but basic Employability Skills including basic self-employment/ entrepreneurial Mind-set for mini businesses 	<ul style="list-style-type: none"> • Carry out the Predefined tasks • The candidate may carry out a job requiring limited range of routine and predictable activities. Understands basic safety and quality norms. 	<ul style="list-style-type: none"> • Assistant • Limited responsibility for delivery and quality of work as an Assistant.
Level 2	<ul style="list-style-type: none"> • Basic working/ operational knowledge in the area of work. • Understands basic materials, tools, applications in a limited context. • For self-help group member/ micro-entrepreneur basic working knowledge of business activity, raw material, finished product/ service and local market. • Able to understand and perform repetitive tasks under instructions and supervision. • Understand the basic quality, safety and general hygiene norms. Familiarity with environmental aspects. 	<ul style="list-style-type: none"> • Limited related skills in predefined context. • Performs structured tasks in a limited range of functional roles. • Uses known solutions to familiar problems. • Skill to identify and use relevant tools and materials in a limited context of work and quality. • For self-help group members, micro-entrepreneurs working skills for making or manufacturing (handicraft, traditional items, etc) service & marketing etc. 	<ul style="list-style-type: none"> • Ability to read and write and do simple computational math – numeracy and literacy. • Receive and transmit written and oral messages/ communication clearly. • Works within a team as assistant • Understanding of safety, hygiene and environment, social, political and religious diversity. • Have broader but basic Employability Skills including basic self-employment/ entrepreneurial Mind-set for mini businesses • Have understanding of use of Financial and Digital literacy, Aadhar and Mobile, digital payments etc. 	<ul style="list-style-type: none"> • The candidate may carry out a job requiring limited range of routine and predictable activities. • Tasks are mostly performed under instructions and supervision • Focus on practice of skill and work, both predefined and new. • For self-help group members, micro-entrepreneurs (JSS) end to end clear understanding of process and delivery. • Understands basic safety and general hygiene norms. 	<ul style="list-style-type: none"> • Works mostly under instruction and supervision. • Limited responsibility for delivery and quality of work. • For self-help group members, micro-entrepreneurs (JSS) end to end responsibility of production and marketing in local markets.

Level 2.5 to 3 Brief Outline/ Description	<ul style="list-style-type: none"> • Range of knowledge • Knowledge involving a defined range of standard procedures, uses limited discretion and judgement over a range of known responses to familiar problems. 	<ul style="list-style-type: none"> • Range of technical skills • Required skills for Identification of the problem and issues within the range of familiar contexts 	<ul style="list-style-type: none"> • Team readiness & Enterpreneurial readiness • Team worker, with broad employability skills who displays of motivation and positive attitude for work. 	<ul style="list-style-type: none"> • Carry out Range of tasks and may provide range of solutions • The candidate carries out a job in familiar, predictable, routine, situation of clear choice, can focus on range of application of standard procedures or operations in production/ services. Must be able to identify/ anticipate the problems and possible range of solutions 	<ul style="list-style-type: none"> • Accountable/ responsible - Jr. Technician & Technician • Takes responsibility for delivery and quality of own work and tangible output. Can assist in the planning of the routine and predictable tasks within a specific field.
Level 2.5 to 3 ITI after 8th	<ul style="list-style-type: none"> • Possesses knowledge involving a defined range of standard procedures employed in routine contexts. • Understands the basic concept of timely delivery and Quality. • Can interpret the available information & communicate the same. • Basic knowledge of collecting and organizing information for problem identification and solution. • Understands the basic financial and • Uses limited discretion and judgement over a range of known responses to familiar problems. 	<ul style="list-style-type: none"> • A range of skills and technical capabilities of carrying out a choice of processes and procedures within the range of familiar contexts. • The ability to gain, and where relevant apply a range of knowledge, skills and understanding. • Has the required skills for Identification of the problem and issues within the range of familiar contexts and generate possible solution. • Skills to identify the relevant tools and materials in given context. • Possesses operational knowledge and understanding of the work/ job. • Skill to deliver job/work with reasonable precision. 	<ul style="list-style-type: none"> • Working as a member of a team/ within a team. Display Personal Motivation. Positive Attitude & Passion for Work • Good skills in written and oral communication with some clarity, basic knowledge of Language to support such communication. • Intermediate literacy and Numeracy skills • Skills for workshop calculations and basic of arithmetic and algebraic principles. • Have broader Employability Skills including self-employment and mini-entrepreneurship skills creating job for more than 1 person. • Can use digital tools, has basic Financial and Digital literacy, Aadhar and Mobile, digital payments etc with some 	<ul style="list-style-type: none"> • The candidate must be able to carry out job/ work/ tasks/ /small project/assignments in a familiar, predictable, routine, situation of clear choice. • Focus on range of application of standard procedures or operations in production/ services. • Able to identify/ anticipate the problems and possible range of solutions in production/ services • Tasks are mostly performed by own and require little instructions and supervision. • Understands all safety & general hygiene norms and environmental aspects, together with Risks. • For self-help group members, 	<ul style="list-style-type: none"> • Takes responsibility for delivery and quality of own work and tangible output. • At Level 2.5 the candidate is a Junior Technician. • At level 3.0 the candidate works as a skilled worker/ technician. • Take work from the helpers or assistants and collaboratively work with junior technician. • Able to assist in the planning of the routine and predictable tasks within a specific field.

			<p>proficiency.</p> <ul style="list-style-type: none"> Basic understanding of social political natural and work environment. Basic understanding of Constitutional values & Citizenship, inclusion and Diversity 	<p>mini-entrepreneurs end to end clear understanding of production process, quality parameters, delivery and local marketing.</p>	
Level 3.5 to 4 Brief Outline/ Description	<ul style="list-style-type: none"> Specialized knowledge Specialized knowledge OR/AND Proficient with diverse procedural knowledge, operational understanding, time and quality management, data interpretation, and financial feasibility analysis. 	<ul style="list-style-type: none"> Specialized skills Professionally skilled with advanced knowledge, capable of successfully implementing techniques and delivering work with precision. 	<ul style="list-style-type: none"> Team readiness, self-entrepreneurship readiness Highly skilled and versatile professional with proficiency in employability skills including communication, leadership, entrepreneurship, and digital and financial literacy. 	<ul style="list-style-type: none"> Specialized/ complex jobs/tasks Versatile candidate adept at executing specialized tasks with minimal supervision, applying technical skills and problem-solving with clarity. 	<ul style="list-style-type: none"> Self and team responsibility – Sr. Technician or Master Technician Individually accountable, collectively responsible; Capable and confident in non-standard and non-routine tasks
Level 3.5 to 4 ITI after 10th	<ul style="list-style-type: none"> Possesses specialized knowledge of procedures employed in both routine and non-routine contexts. Possesses specialized operational knowledge and understanding of the work. Has complete knowledge of concept of time required for delivery; and Quality for a range of issues. Has knowledge of collecting and interpreting the available information, drawing conclusions & communicating the same.. Understands the financial and feasibility aspect of various work/ 	<ul style="list-style-type: none"> Possesses specialized professional and technical skills; displays clarity of professional knowledge and technical skills in broad range of activities/ tasks. Can apply the required knowledge for successfully implementing or applying techniques/ processes in a specific field/ job role The ability to gain, and where relevant apply a range of knowledge, skills and understanding Can clearly identify the relevant tools; and has advanced knowledge of materials in most routine/ non-routine contexts. Possesses the required operational 	<ul style="list-style-type: none"> Have much broader Employability Skills including understanding of career planning, digital skills, financial and legal literacy. Good Communication skills, both oral and written. Initiative and Leadership Abilities Advanced literacy and Numeracy skills Has good skills for self-employment and entrepreneurship skills/ entrepreneurial Mind-set which may potentially create job for more persons (say 3 to 5) Skills for accurate workshop/ mathematical calculation and estimations, and understanding of arithmetic and 	<ul style="list-style-type: none"> The candidate must be able to carry out a specialized job/ work/ tasks in a familiar/ unfamiliar, predictable/ unpredictable, routine/ non-routine, situation of multiple options/ choices. Focus on range of application of standard and non-standard procedures and somewhat complex operations in production/ services. Able to identify the problems and a wider possible range of solutions with pros and cons in production/ services Complex tasks are performed by 	<ul style="list-style-type: none"> At Level 3.5 the candidate is a senior skilled technician Takes complete responsibility for delivery and quality of own work and output as also the subordinates. Shares responsibility for the group tasks. At level 4 the candidate is a highly skilled master technician Can perform all non-standard procedures and non-routine tasks with confidence.

	solutions options	<p>skills for the work/ job. Skill to deliver job/ work with the required precision and in the estimated timelines.</p> <ul style="list-style-type: none"> • Capabilities of carrying out a choice of processes and procedures within the range of familiar / unfamiliar contexts. 	<p>algebraic principles.</p> <ul style="list-style-type: none"> • Can comfortably use most of the basic digital tools, has clear understanding of Financial and Digital literacy, Aadhaar and Mobile, uses digital payments etc. with proficiency • Good understanding of Constitutional values & Citizenship, inclusion and Diversity. • Very Good understanding of social political and work environment 	<p>himself without much instructions and supervision.</p> <ul style="list-style-type: none"> • Apply related occupational safety & general hygiene norms and environmental aspects. • For mini-entrepreneurs end to end clear understanding of development, production, quality parameters, and delivery and marketing processes. • Applies range of well -developed technical skills with clarity of activities involving clear choices within familiar contexts • Has knowledge and is able to continuously improve processes which the individual uses for concerned job roles • Has information of associated Risks with related job roles • Uses discretion and judgement over a range of known responses to familiar problems. 	
Level 4.5 to 5 Brief Outline/ Description	<ul style="list-style-type: none"> • Multidisciplinary and specialized knowledge • Possesses broad and deep knowledge and skills to solve problems in specialized fields. 	<ul style="list-style-type: none"> • Range of skills along with specialized domain skills • Excellent cognitive skills and technical prowess utilized to perform complex tasks with ease, project management expertise, and adept at data analysis for 	<ul style="list-style-type: none"> • Entrepreneurial mindset, self-management • A versatile professional with excellent communication, digital and financial literacy, ethical values, self-management and may have entrepreneurial mindset. 	<ul style="list-style-type: none"> • Judgement / decision making – specialized • A skilled professional with technical expertise, adept at solving complex problems and improving output. 	<ul style="list-style-type: none"> • Team leader – Junior technical supervisor, Technical supervisor or junior/ deputy manager. • Highly skilled Technical Supervisor responsible for achieving tangible outcomes, managing change, building teams, and mentoring the workforce.

		informed decision-making.		
Level 4.5 to 5 Dip/UG	<ul style="list-style-type: none"> Possesses knowledge in multidisciplinary contexts, broadly, within the chosen fields of technology/ skills/ job role. Deeper knowledge and understanding of specialized field of technology / skills/ job role and its underlying principles Acquired specialized knowledge and a range of cognitive and practical skills to accomplish tasks like basic design, prototyping, testing so as to solve a problem by selecting appropriate information, methods, tools, and materials. 	<ul style="list-style-type: none"> Demonstrates cognitive specialised professional and technical skills required for performing and accomplishing difficult tasks relating to the chosen field/s of technology / skills/ job role; successfully applying techniques in routine or non-routine Possesses a range of professional and technical skills, displays clarity of knowledge and practice in broad range of activities/ tasks. Project Management Skills Skill to clearly identify the relevant tools or sometimes improvise the available tools and techniques; and has advance knowledge of materials in difficult situations and different contexts. Very good in data collecting organizing information, analysis and communication of results for informed decision making. 	<ul style="list-style-type: none"> Possesses excellent oral and written communication and collaboration skills for clearly taking the vision of the leaders to the shop floor level workforce. Possesses very good Digital, Financial and Legal Literacy to use them effectively Has a good understanding the constitutional, humanistic, ethical, and moral values. Organisation and Time Management Very good in complex calculations, and mathematical and financial analysis skills for applied solutions. Has well informed practical understanding of the social, political and work environment. Exercise self-management within the work contexts. Emotional Intelligence May have an entrepreneurial Mind-set for creating a start-up/ small businesses and its end to end management. 	<ul style="list-style-type: none"> Demonstrates a wide range of specialized professional and technical skill in broad range of activity involving standard and non-standard practices. Apply the acquired specialized knowledge and a range of cognitive and practical skills to accomplish tasks like basic design, prototyping, testing so as to solve problems by selecting appropriate information, methods, tools, and materials. Communication and collaboration skills to act as a layer between the senior management and workforce/ shopfloor. Should be able to listen and understand properly and present complex information in a clear and concise manner make judgement and take decision, based on the analysis and evaluation of information, for determining solutions to a variety of unpredictable problems associated with the chosen fields of learning, Takes responsibility for the nature and <ul style="list-style-type: none"> Is accountable for determining and achieving personal and /or group tangible outcomes Handles/ / adapts/ accommodates change requirements and change management at the ground/ shop floor level. Team Building Manages processes and procedures within broad parameters for defined activities. Supervises the routine work of others, takes the required responsibility for the evaluation and improvement of work or study activities. At level 4.5 the candidate is Highly skilled and works as a Junior Technical Supervisor. Constantly motivates, guides, mentors and trainsthe workforce. At level 5.0 the candidate is a Technical supervisor or junior/ deputy manager. Is responsible for managing an independent work unit/ shop floor/ section/ business activity/ assignment

				quality of outputs. • Is able to work on processes to improve the quality of outputs • Can analyze and synthesize ideas • Uses discretion and judgement over a range of known and innovative responses to familiar and unfamiliar problems and issues.	
Level 5.5 to 6 Brief Outline/ Description	<ul style="list-style-type: none"> Advanced multidisciplinary and specialized knowledge Proficient in interdisciplinary knowledge including tech with specialized expertise in related fields; knowledgeable in emerging trends, change management, and problem-solving. 	<ul style="list-style-type: none"> Advanced Technical and Managerial Skills Proficiently skilled in advanced cognitive abilities, project management, techno-commercial aspects, and future adaptability, with social intelligence. 	<ul style="list-style-type: none"> Leadership, effective resource management Dynamic leader with exceptional organizational, communication and mentoring skills, capable of driving innovation for optimal group performance. 	<ul style="list-style-type: none"> Judgement in complex problems Applies advanced technical skills, monitors critical parameters, evaluates and improves processes, and solves complex problems with evidence-based judgement in complex problems. 	<ul style="list-style-type: none"> Vertical/ Business unit management –Manager or Senior Manager Accountable leader effectively manages independent units/projects, delegates, supervises and drives change with full responsibility & team building.
Level 5.5 to 6 UG/ PG	<ul style="list-style-type: none"> Advanced knowledge about a multidisciplinary/ interdisciplinary/ cross-disciplinary field of technology/ skills/ job role, with specialized in depth knowledge in one or more related fields. Has awareness and knowledge of the emerging and futuristic developments and issues in the chosen fields of technology/ skills/ job role. Has advanced understanding and Knowledge about the Change management processes and 	<ul style="list-style-type: none"> Possesses a range of advanced cognitive, professional and technical skills required for performing and accomplishing complex tasks relating to the chosen fields of technology/ skills/ job role. Wide range of cognitive and practical skills required to create innovative and feasible solutions to complex problems and situations in uncertain environment. Project Management Skills Understanding and application of techno-Commercial 	<ul style="list-style-type: none"> Excellent leadership, Communication, collaboration and organizational skills Possesses Administrative outlook and leadership traits for managing technical workforce. Effective mentoring, people management, listening, delegation skills Organisation and Time Management Creative thinking and Innovation Good logical and mathematical analysis/ simulation modelling skills Complete understanding of social, political, natural and work environment. Organizing, 	<ul style="list-style-type: none"> Applies advance theoretical knowledge and specialized professional and technical skills involving complex variable environment and contexts Effective understanding, monitoring and supervision of critical parameters and KPIs or others, Evaluation and improvement of processes, procedures and work or study activities , Examine and assess the implications and consequences of 	<ul style="list-style-type: none"> At level 5.5 the candidate is a Manager/ Technical Manager/ product Manager or equivalent. At level 6.0 the candidate is a Senior Manager/ Senior Technical Manager/ Sr. Product Manager or equivalent. Is responsible for managing a bigger independent unit/ business activity/ project Responsible for managing activities like planning, resourcing, processes, people, within broad parameters and with complete accountability for determining, achieving and evaluating personal and group outcomes. Effective delegation & monitoring Exercise full management and supervision of unpredictable work; Responsible for the work

	<p>systems.</p> <ul style="list-style-type: none"> • Acquired advanced knowledge and skills on a wide range of sources for identifying problems and issues relating to the chosen fields of learning, and future improvements 	<p>aspect of technology/associated skills or job role.</p> <ul style="list-style-type: none"> • Skills to adapt to the future of work and to the demands of the fast pace of innovations and technological developments. • Social Intelligence 	<p>analyzing, interpreting and acting on the information and effectively communicating and presenting/ using its outcome for decision making.</p> <ul style="list-style-type: none"> • A keen sense of observation, enquiry, and capability for asking relevant/ appropriate questions, • Managing complex technical or professional activities or projects, requiring effective, envisioning, planning & full personal responsibility for output of own work as well as for the outputs of the group as a member of the group/team • Apply leadership skills to manage people and resources for achieving organizational objectives and outcomes. Emotional Intelligence 	<p>emerging developments and critical issues.</p> <ul style="list-style-type: none"> • Make judgement in a range of situations by critically reviewing and consolidating evidences & risks • Constantly and regularly pursue self-paced and self-directed learning to upgrade knowledge and skills that will help accomplish complex tasks or pursue education & research. • Can identify problems and issues relating to the chosen fields of learning, and ways of future improvements • Exercises judgement based on evaluation of evidence from a range of sources to arrive at a solutions to complex real-life problems in chosen fields of technology/ skills/ job role. 	<p>of others.</p> <ul style="list-style-type: none"> • Change agent • Team Building • The exercise of full personal responsibility and accountability for the initiatives undertaken and the outputs/outcomes of own work as well as of the group as a team member/ leader
<p>Level 6.5 to 7 Brief Outline/ Description</p>	<ul style="list-style-type: none"> • Advanced knowledge with critical understanding of emerging developments • A capable expert with extensive knowledge, critical thinking, and application of technology to specialized fields while pursuing continuous self-development. 	<ul style="list-style-type: none"> • Highly specialized skills, transdisciplinary skills, leadership skills • Highly skilled and innovative professional with expertise in complex problem-solving, change management, leadership, and project management. 	<ul style="list-style-type: none"> • Cross cultural competency , transformational leadership • Highly skilled professional with cross-cultural competency, strategic ideation, time management, and leadership abilities for excellence 	<ul style="list-style-type: none"> • Apply acquired advanced technical skills, technical appraisal and reviews • Proficiently analyzes and creatively resolves practical problems, utilizing statistical tools while showing leadership and technical mastery in decision-making for achieving 	<ul style="list-style-type: none"> • Business Management (like CEO / CXO ,etc.) • Visionary leader accountable for organizational growth, complex problem-solving, staff development, and data-driven decisions.

				goals.	
Level 6.5 to 7 PG	<ul style="list-style-type: none"> Possesses advanced knowledge including processes, methods, and techniques about a specialized field. Has a critical understanding of the emerging developments relating to one or more fields of learning Understands technological advancements and usage and applies it in one or more specific fields Knowledge required for performing complex, specialized tasks including those relating to teaching, and research and development. Undertakes self-study for advancement in skills; demonstrates intellectual independence, analytical rigour and good communication. 	<ul style="list-style-type: none"> Has highly specialized and professional and technical skills required for performing and accomplishing the complex tasks in the given discipline/ area of specialization. Has the cognitive and technical skills required for generating original ideas, conceptualizing, designing, and implementing innovative solutions. Has skills to lead the change management process Project Management Skills Has skills required for transdisciplinary application of skills to innovatively solve a problem. Leadership and effective decision-making skills. Is able to develop innovative evidence-based practical solutions to complex and unpredictable situations and problems. Social Intelligence 	<ul style="list-style-type: none"> Highest levels of soft-skills and competencies including Social intelligence, Cognitive load management, , Cross-cultural competency.. Specialized higher order skills including creative and persuasive communication, critical thinking and problem solving skills. Emotional Intelligence, analytical rigor, good communication and innovation skills; Strategic and forward-looking ideation capabilities Organisation and Time Management Creative thinking and Innovation Adapting to the future of work and responding to the demands of the fast pace of technological developments and innovations that drive shift in skill needs relating to work and professional practices. Exercising given authority, innovation, autonomy, professional integrity, and sustained commitment to the development of new ideas, business models, and processes including research and development. at the forefront of work or study contexts. Understands and appreciates full 	<ul style="list-style-type: none"> Demonstrates comprehensive, cognitive, theoretical knowledge and practical skills to develop creative and viable solutions to practical problems. Exhibits ability to use appropriate statistical and other analytical tools and techniques for analysis of data collected. Critical understanding of the subject, demonstrating mastery and innovation, completion of substantial research and dissertation (where applicable). Skills to evaluate the evidence; identify logical flaws and risks in the arguments of others; analyze and synthesize data from a variety of sources; draw conclusions and support them with evidence and examples, while addressing/ accommodating opposing viewpoints; make judgements and take appropriate decisions Processes information for decision making and planning Undertakes technical appraisal and reviews and takes corrective 	<ul style="list-style-type: none"> At level 6.5 the candidate is a Director/ CXO/ Dy CEO or equivalent. At level 7 the candidate is a Director/ CEO or equivalent Responsible for vision and strategic thinking in a given field/ environment/ market. Responsible for development of self and other staff members Responsible for organisational growth and development Responsible for decision making in complex technical activities/ tasks involving unpredictable work/study situations, generate original responses to complicated and unpredictable problems and situations. Exercising personal responsibility for output of own work as well as for group/team outputs Data based decision making in complex situations/ work environment. Appraisal and review of the financial and HR resources Crisis Manager Takes decisions across functions requiring the exercise of responsibility to find solutions to specific problems work/ vocation, or professional practice.

			<p>constitutional, humanistic, ethical, and moral values in workplace/ personal life, global and local citizenship, Leadership skills to motivate people for achieving, personal and organizational goals for growth.</p> <ul style="list-style-type: none"> • Pursuit of excellence 	<p>actions.</p> <ul style="list-style-type: none"> • Applies the acquired advanced technical knowledge of a specialized field to solve a problem. • Applies knowledge and leadership skills to manage people and resources for achieving organizational goals. 	
Level 8 Brief Outline/ Description	<ul style="list-style-type: none"> • Mastery of knowledge / Innovation driven/ Comprehensive knowledge • Mastery of knowledge, critical innovation, and specialized problem-solving skills to generate evidence-based solutions for complex problems. 	<ul style="list-style-type: none"> • Most advanced Technical and Managerial skills • Highly specialized professional with superior project management, cognitive, technical, transdisciplinary, and leadership skills. Redefining practices with a cross-cultural mindset. 	<ul style="list-style-type: none"> • Significant authority , transformational leadership , Social intelligence • Possess highly specialized, creative, and transformative skills with values for global citizenship and excellence. 	<ul style="list-style-type: none"> • Lead large transformational projects • High-performing leader with adaptive thinking, analytical skills, and innovative mindset to drive large-scale transformation and manage resources effectively. 	<ul style="list-style-type: none"> • (Business Vision Chairperson/ Board Member / CMD) • Strategic thinker and innovator, accountable for organizational growth and development, making data-driven decisions
Level 8 Highest level skills	<ul style="list-style-type: none"> • Mastery alongwith critical & innovative understanding of the subject/ disciplines; • Possesses highly specialized knowledge for problem-solving to provide original contribution to the knowledge creation through research, and development in the given area. • Has comprehensive and in-depth expertise over the chosen disciplines/ fields of knowledge, research, analytical and /or creative 	<ul style="list-style-type: none"> • Has most advanced and highly specialized professional and, technical skills required for performing and accomplishing unpredictable and complex tasks in the given discipline/ area of specialization. • Highest Project Management Skills • Has the cognitive and technical skills required for generating original ideas, conceptualizing, designing, and implementing innovative solutions, with or without application of fundamental and/or applied 	<ul style="list-style-type: none"> • Highest levels of soft-skills and competencies including Social intelligence, Cognitive load management, Virtual Collaboration, Cross-cultural competency, etc. • Highly specialized higher order skills including creative and persuasive communication, critical thinking, and problem-solving skills. Emotional Intelligence. • Creative thinking and Innovation • Adapting to the future of work and responding to the demands of the fast pace of technological 	<ul style="list-style-type: none"> • Highest levels of professional competencies for leadership roles in professional skills and working including novel and adaptive & innovative thinking, Trans-disciplinarily, Design mind-set, quality concepts Computational thinking, new media Literacy, sustainability etc. • To be able to make judgements and take decisions on the problems, including real-life problems, based on the analysis and evaluation of info and 	<ul style="list-style-type: none"> • At Level 8 a candidate is a Board Member/ CMD or Chairperson • Responsible for overall strategizing/ strategic thinking and envisioning in a given field/ environment/ market. • Trusted Innovator and Thought Leader • Exercising full personal responsibility for all outputs/ outcomes of own work and outputs/ outcomes of other including various departments, (Managerial Ratios & Roles) group efforts etc • Responsible for horizontal and vertical/ horizontal/ multi-dimensional growth of the organization and development of self and people of the organization.

	<p>requirements.</p> <ul style="list-style-type: none"> • Present the professional knowledge & information pertaining to the results/ findings of research studies undertaken in a well- structured and logical manner. • Is a keen learner and applies the acquired highly specialized knowledge to generate evidence-based solutions to complex problems and unpredictable situations • 	<p>research in the chosen field (s).</p> <ul style="list-style-type: none"> • Specialised skills required for transdisciplinary application of skills to innovatively solve a problem. • Transformational leadership skills to motivate and mentor people for achieving organizational goals for effective growth. • Design mindset, redefine existing knowledge or professional practice • Cross-cultural competency 	<p>developments and innovations that drive shift in skill needs relating to work and professional practices,</p> <ul style="list-style-type: none"> • Exercising substantial authority, innovation, autonomy, professional integrity, and sustained commitment to the development of new ideas, business models, and processes including research and development at the forefront of work or study contexts. • Understands and Appreciates full constitutional, humanistic, ethical, and moral values in workplace/ personal life, global and local citizenship, Work for environment preservation and global good of society. • Applies transformational leadership skills to motivate and mentor people for achieving organizational goals for effective growth. Pursuit of excellence 	<p>empirical evidence.</p> <ul style="list-style-type: none"> • Master Integrator and Disruptive thinker • Higher order skills to evaluate the reliability and relevance of evidence; identify flaws in the arguments of others; analyze and synthesize data from a variety of sources; draw valid conclusions and support them with evidence and examples and addressing opposing viewpoints. • Applies knowledge and leadership skills to manage people and resources for achieving organizational goals and strategizing for effective growth. • Is able to lead large transformation projects 	<ul style="list-style-type: none"> • Data based decision making in unpredictable complex situations/ work environment of work/study. • Overall appraisal and review align with improvement of the financial and HR resources & processes • Makes significant judgement and take decisions across broad range of functions
--	--	---	--	---	--

ANNEXURE II

Standard Norms for Minimum Entry Criteria & Range of Notional Hours etc. for National Skill Qualification Framework (NSQF) aligned Qualifications

Basic Principles to be followed for Standardization of NSQF Norms

- i. A Long-Term Training (LTT) is any program which is equal to or more than 1200 hours or 1 year of learning excluding OJT component. Any course/ Qualification which is less than 1200 hours of learning or of less than 1 year duration excluding OJT component shall be called as Short-Term Training (STT) programme.
- ii. In case of Long-Term Training (LTT):
 - a) The NTC stands for National Trade Certificate and is a one or two- year duration certificate program. This certificate program is offered by Directorate General of Training (DGT) and is offered after Grade 8th, Grade 10th and after Grade 12th. NTC is offered to students who pass the All-India Trade Test (AITT) for Craftsman Training Scheme (CTS).

- b) The NAC stands for National Apprenticeship Certificate, and the period of training varies from one year to 2 years. The minimum age for undertaking NAC program is 14 years and the qualifications vary from Grade VIII pass to XII Grade pass (10+2) system. NAC is offered to students who pass the All-India Trade Test (AITT).
- c) The Craftsman Instructor Training Scheme (CITS) is a program offered by DGT for the instructor trainees. The duration of CITS program is 1 year and the eligibility for CITS is having NTC/ NAC/Diploma/Degree qualifications.

A. Basic Principles for Entry Requirements:

- iii. National Trade Certificate (NTC) under Craftsmen Training Scheme (CTS), National Apprenticeship Certificate (NAC) and Crafts Instructor Training Scheme (CITS) i.e. NTC/NAC/CITS, in Industrial Training Institutes (ITIs), are long term training programs and may range from one to three years. Accordingly, wherever NTC/NAC/CITS or its combination is mentioned, this would also include the equivalent Government approved VET & Skill programs of similar NSQF/ NCrF levels and duration.
- iv. To undertake a STT program at a particular NSQF/ NCrF level the candidate should have already, at the minimum, completed the corresponding years of learning of education / VET & skilling.
For example, to undertake a STT program of level 3.5, the minimum years of learning should be 11 years including academic education or vocational education & Skilling plus the experiential learning, if any.
- v. The principle at Point (iv) above is not applicable to those students/ learners progressing directly from one NSQF level to the next NSQF level and also in case of NSQF level 1 and NSQF level 2. Thus, the principle at Point (iv) is not applicable for learners who are purely into skill ecosystem & do not want any academic equivalence or mobility onto the academic axis. They may progress vertically only on the skilling axis based on the number of years spent in the previous NSQF level and/or Recognition of Prior Learning (RPL) subject to assessment without any restrictions on academic entry qualification. However, this will not award/ result into any academic equivalence for such VET & Skilling. This aspect would be further detailed out in RPL Guidelines which provide that in very special cases (say Padma Award winners, Olympic Medallist) the level descriptors may also not apply as it is, and would be applied in the modified form.
- vi. The requirements/criteria mentioned are the minimum requirements to be adhered to for entry into VET & Skilling at a particular NSQF/ NCrF level. These requirements may be enhanced upwards as per the requirements of a job role and/or sector.
- vii. As a principle, wrt entry for a Qualification based on the ‘previous NSQF level’ attained, the minimum experience required for every upward movement of 0.5 NSQF/ NCrF level will be 1.5 years as applicable from level 3 to level 7.
- viii. While various combinations of entry criteria have been given for entry into every NSQF/ NCrF level Qualification/ course, other combinations of government approved programs of the same NSQF/ NCrF levels may be added, following the principle of equivalent number of years of academic/ VET & skill learning. This principle is not applicable to those progressing directly from one NSQF level to the next NSQF level and also in case of NSQF level 1 and NSQF level 2 Qualifications for which specific periods have been defined.
- ix. The Table below addresses the minimum entry requirements for undertaking an NSQF aligned and approved Qualification/ Course/ program pegged at a particular NSQF/ NCrF level. A candidate can progress in the Vocational Education and Training/ skilling domain and attain the highest levels through the criteria of ‘previous NSQF level’ . However, if such a candidate desires academic equivalence or horizontal/ vertical mobility into the academic stream, the candidate will need to fulfil the minimum educational requirements or combination of VET/ academic/ experiential learning etc as defined for entry into each NSQF/ NCrF level, given in the Table.
- x. For Recognition of Prior Learning (RPL) purely in VET & skilling no formal entry qualifications may be prescribed subject to the condition that the RPL assessment shall be conducted as per the detailed guidelines of NCVET. However, the principle as outlined in point (ix) above shall apply.

B. Basic Principles for defining notional hours.

- xi. The notional hours mentioned are the minimum range of hours for a particular NSQF/ NCrF level which may be enhanced, if so desired, depending on the type of job role/ qualifications. These notional hours must mandatorily comprise of theory, practical and the Employability Module. The OJT component is desirable may be included in the qualifications, however, the notional hours prescribed for the same may be dependent on job role and sector.

xii. As per NCrF the notional learning hours may include class room learning/ teaching, practical and laboratory/ innovation labs, class projects, assignments, tutorials; sports and games, yoga, performing arts, social work, NCC; examinations, class tests, quizzes, assessments; minor or major project work, field visits in skill education; internship, apprenticeship, on the job training (OJT); and experiential learning including relevant proficiency and professional levels acquired etc.

xiii. The NOS related to Employability Skills (ES) is mandatory for every qualification and shall be counted in the notional hours. Employability skills (ES) module for STT and LTT is mentioned separately. In case of LTT, the ES modules for a 1 year program shall be 120 Hours. In case of LTT programs of duration of 2 years, the total notional hours for ES would be 180 hours (with minimum of 90 hours in 1st year) while for a 3 year LTT program the total notional hours for ES would be 240 hours (with minimum of 90 hours in the 1st year).

C. Basic Principles for Assignment of Credits xiv. For ease of Qualification design and assignment of credits, the Qualifications and NOS will be in multiples of 30, say 60, 90, 120 or 150 hours; while Micro Credentials could be of 7.5, 15, 22.5 or 30 hours duration.

xv. For the vocational education and training/ skilling ecosystem, with respect to credit assignment, the following shall be applicable:

- Total notional learning hours in a year long program (for purpose of calculating credits): 1200
- Credits to be allocated in a year with 1200 notional learning hours: 40 (however for each year of learning the number of hours may go up and correspondingly the number of credits will also go up to 44)
- Therefore, for the purpose of overall credit calculations number of notional hours leading to one credit unit= $1200/ 40 = 30$
- The credit assignment for vocational/ skill education as per NSQF levels & credit assignment at different levels is as prescribed in the NCrF. D. The other principles provide that:

xvi. Relevant Experience may include On the Job training (OJT), Internship and Apprenticeship training. However, the OJT undertaken as part of qualification and redeemed into credits shall not be considered again as part of relevant work experience.

xvii. For establishment of Relevant Experience & OJT till NCrF/ NSQF level 2.5 the concerned AB/ Regulatory Body may, in the absence of a formal experience certificate, prescribe process (like preadmission test etc.) to assess the relevant experience based on the learning outcomes. In such cases, formal experience & OJT certificate may not be insisted upon in case the predefined process of assessing the learning outcomes has been followed for selection of candidates.

xviii. However, for all NCrF/NSQF levels beyond 2.5 proper certificates establishing relevant experience & OJT shall be required in addition to the assessment.

xix. The additional credits may be awarded for additional hours of learning through project work and NIOS.

xx. Credits in case of STT programs shall be calculated based on number of notional hours on the principle of 40 credits against 1200 learning hours.

xxi. Provision of Recognition of Prior learning with or without up-skilling and subject to outcome based assessment and certification shall also be used for assignment of NSQF/ NCrF credit levels to the trained workforce with Experiential learning including relevant experience and professional levels acquired. The assignment of credits for such experiential learning will be as per the guidelines of NCVET.

Table: Standard Norms for Minimum Entry Criteria & Range of Notional Hours etc for National Skill Qualification Framework (NSQF) aligned Qualifications

NSQF Level attained after VET/ Skill Trg (STT/ LTT)	Short Term Training (STT)			Long Term Training (LTT)		
	Minimum entry criteria for undergoing Short Term Training (STT)	Minimum Range of Notional hours - In Multiple of 30)	Employability Skills (ES) to be Included in the notional hours	Minimum entry criteria for undergoing Long Term Training (LTT)	Minimum Range of Notional hours – In Multiple of 30)	Employability Skills (ES) – to be Included in the notional hours
	Min Education/ Vocational Education, Training and Skilling required for undergoing Short Term	Minimum Required Experience* for undergoing				

	Training (STT)	Short Term Training (STT)					
Level 1	<input type="checkbox"/> No formal education	No Experience	150-210 Hours	30 hours	No LTT course	Nil	Nil
Level 2	<ul style="list-style-type: none"> • No formal education • May require ability to read and write for some qualifications 	No Experience However, 1 year relevant experience may be desirable for some qualifications	210-270 Hours	30 hours	No LTT courses	Nil	Nil
	<input type="checkbox"/> Previous relevant Qualification of NSQF Level 1	No Experience					
Level 2.5	<ul style="list-style-type: none"> • 9th Grade pass • 8th Grade pass and pursuing continuous schooling 	No Experience	240-300 Hours	30 hours	8 th Grade Pass	1200 hours AND (for NTC only) 150 hours of project work	120 hours
	<input type="checkbox"/> 8 th grade pass	1 year relevant experience					
	<input type="checkbox"/> 5th grade pass	4 year relevant experience					
	<input type="checkbox"/> Ability to read and write	5 year relevant experience					
	<input type="checkbox"/> Previous relevant Qualification of NSQF Level 2	6 months of relevant experience					
	<input type="checkbox"/> Previous relevant Qualification of NSQF Level 1	1.5 year relevant experience					
Level 3	<ul style="list-style-type: none"> • Grade 10 pass • Grade 8 pass with two year of (NTC/ NAC) after 8th • Grade 8 pass and pursuing continuous schooling in regular school (in case of 2 year prog) • Grade 9 pass and pursuing continuous schooling in regular school 	No Experience required.	270-390 Hours	30/ 60 hours	9th Grade Pass	1200 hours	120 hours
	<input type="checkbox"/> 9th Grade pass	1 year relevant experience					
	<input type="checkbox"/> 8th grade pass	2 year relevant experience					
	<input type="checkbox"/> 5th grade pass	5 year relevant experience					
	<input type="checkbox"/> Previous relevant Qualification of NSQF Level 2.5	1.5 year relevant experience					
	<input type="checkbox"/> Previous relevant Qualification of NSQF Level 2	3 year relevant experience					
Level 3.5	<ul style="list-style-type: none"> • 11th Grade pass • Completed 1st year of 3-year diploma after 10th. • 10th grade pass and pursuing continuous schooling. • 8th grade pass with two years of NTC plus 1 year NAC/CITS 	No Experience required	360-420 Hours	30 /60 hours	10 th Grade Pass	1200 hours AND (for NTC only) 150 hours of project work	120 hours
	<input type="checkbox"/> 10th Grade pass	One year relevant Experience required					

	of NTC/NAC/CITS or equivalent.						
	<input type="checkbox"/> 8th Grade pass	3 year relevant experience					
	<input type="checkbox"/> Previous relevant Qualification of NSQF Level 3	1.5 year relevant experience					
	<input type="checkbox"/> Previous relevant Qualification of NSQF Level 2.5	3 year relevant experience					
Level 4	<ul style="list-style-type: none"> • 12th grade pass • Completed 2nd year of 3-year diploma (after 10th) • Pursuing 2nd year of 3-year regular Diploma (after 10th) • 10th grade pass with two years of any combination of NTC/NAC/CITS or equivalent. • 8th pass plus 2-year NTC plus 1-Year NAC plus 1-Year CITS • 10th grade pass and pursuing continuous schooling (for 2 year program) • 11th Grade Pass and pursuing continuous schooling 	No Experience required.	390-480 Notional Hours of Training	30 hours/ 60 hours	11th Grade Pass or equivalent	1200 hours	120 hours
	<input type="checkbox"/> 11th Grade Pass	1 year relevant experience			10th Grade Pass or equivalent	2400 hours	180 hours (min 90 hours module in 1 st year)
	<input type="checkbox"/> 10th Grade Pass	2 year relevant experience			AND (for NTC only)		
	<input type="checkbox"/> Previous relevant Qualification of NSQF Level 3.5	1.5 year relevant experience			150 hours of project work		
	<input type="checkbox"/> Previous relevant Qualification of NSQF Level 3.0	3 year relevant experience					
Level 4.5	<ul style="list-style-type: none"> • Completed 1st year of 3-year/ 4-years UG • Pursuing 1st year of 3-year/ 4-years UG and continuing education • Pursuing 3rd year of 3-year diploma after 10th and continuing education • Completed 3-year diploma after 10 • Completed 1st year of 2 year diploma after 12th • Pursuing 2nd year of 2-year diploma after 12 and continuing education • 12th Grade pass with 1-year NTC/NAC • 10th grade pass with 3 year of any combination of NTC/NAC/CITS or equivalent. 	No Experience required	450-510 Notional Hours of Training OR For UG Students - 450 Hours of Internship + project work with Assessment	60 Hours	12 th grade pass or equivalent	1200 hours AND (for NTC only)	120 hours
	<input type="checkbox"/> 12th Grade Pass	1 year relevant experience			10 th Grade pass or equivalent	3600 hours	240 hours (Min 90 hours module in 1 st year)
	<input type="checkbox"/> 10th grade pass with 2 year of	1 year relevant experience					

	any combination of NTC/NAC/CITS or equivalent.						
	<input type="checkbox"/> 8th Grade pass with 2-year NTC plus 1year NAC plus 1-year CITS	1 year relevant experience					
	<input type="checkbox"/> 10th Grade pass	3 year relevant experience					
	<input type="checkbox"/> Previous relevant Qualification of NSQF Level 4	1.5 year relevant experience					
	<input type="checkbox"/> Previous relevant Qualification of NSQF Level 3.5	3 year relevant experience					
Level 5	<ul style="list-style-type: none"> Completed 2nd year of 3-year/ 4-years UG Pursuing 2nd year of 3-year/ 4-years UG and continuing education Completed 2nd year of diploma (after 12th) Pursuing 2nd year of 2-year diploma after 12th 	No Experience required	<p>480 to 570 Notional Hours of Training</p> <p>OR</p> <p>For UG Students - 510 Hours of Internship + project work with Assessment</p>	60 hours	<p>Completed 3 year diploma after 10th Grade</p> <p>Completed 1st year UG or equivalent</p> <p>12th Grade pass or equivalent course</p>	1200 hours	120 hours
	<input type="checkbox"/> 12th pass with 2 year of any combination of NTC/NAC/CITS or equivalent.	No Experience required					
	<ul style="list-style-type: none"> Completed 3-year diploma after 10th 12th Grade pass with 1-year of NTC/NAC Completed 1st year of 3-year/ 4-years UG 	1 year relevant experience					
	<input type="checkbox"/> 12th Grade pass	2 year relevant experience					
	<input type="checkbox"/> 10th Grade pass	4 year relevant experience					
	<input type="checkbox"/> Previous relevant Qualification of NSQF Level 4.5	1.5 year relevant experience					
	<input type="checkbox"/> Previous relevant Qualification of NSQF Level 4	3 year relevant experience					
Level 5.5 UG Degree	<ul style="list-style-type: none"> Completed 3rd year of 3-year/ 4-years UG Pursuing 3rd year of 3-year/ 4-years UG and continuing education Completed 12th grade with 1-years of NTC plus 1-year NAC plus 1-year CITS 	No Experience required	<p>540 to 600 Notional Hours of Training</p> <p>OR</p> <p>For UG Students - 550</p>	60 hours/ 90 hours	<p>Completed UG 1st year or equivalent</p>	2400 hours	180 hours (Min 90 hours module in 1 st year)

	<ul style="list-style-type: none"> • 12th Grade Pass with 2 years of any combination of NTC/NAC/CITS or equivalent • Completed 2nd year diploma after 12 • Completed 2nd year of 3-year UG 	1 year relevant experience	Hours of Internship + project work with Assessment 	Completed UG 2 nd year or equivalent	1200 hours	120 hours
	<ul style="list-style-type: none"> • 12th Grade pass with 1-year NTC/ NAC • Completed 3-year diploma (after 10th) 	2 year relevant experience				
	<input type="checkbox"/> Completed 3-year diploma after 10th	2 year relevant experience				
	<input type="checkbox"/> 12th Grade pass	3 year relevant experience				
	<input type="checkbox"/> Previous relevant Qualification of NSQF Level 5	1.5 year relevant experience				
	<input type="checkbox"/> Previous relevant Qualification of NSQF Level 4.5	3 years relevant experience	570 to 660 Notional Hours of Training OR For UG/ PG Diploma Students - 600 Hours of Internship + project work with Assessment	Completed UG degree (3 year) OR Equivalent	1200 hours	120 hours
Level 6	<ul style="list-style-type: none"> • Pursuing first year of 2-year PG program after completing 3-year UG degree • Pursuing 1-year PG diploma after 3-year UG degree • Completed 4th year UG (in case of 4-year UG) • Pursuing 4th year UG (in case of 4-year UG) and continuing education 	No Experience Required				
	<input type="checkbox"/> Completed 3-Year UG Degree	1 year relevant experience				
	<ul style="list-style-type: none"> • 12th Grade Pass with 2 years of any combination of NTC/NAC/CITS • Completed 2 year of diploma after 12th 	2 year relevant experience				
	<input type="checkbox"/> Completed 1st year of 2 year diploma after 12th Grade	3 year relevant experience				
	<input type="checkbox"/> 12th Grade pass	4 years of relevant experience	630 to 690	90 hours	Completed 4 year UG degree	1200 hours
	<input type="checkbox"/> Previous relevant Qualification of NSQF Level 5.5	1.5 years relevant experience				
	<input type="checkbox"/> Previous relevant Qualification of NSQF Level 5	3 years relevant experience				
Level 6.5	<ul style="list-style-type: none"> • Pursuing PhD (after 4-year UG honours with research) • Pursuing 2nd year of 2-year PG (after 3 year UG Degree) • Pursuing 1st year of 2-year PG (after 4 year UG Degree) • Completed 2-year PG degree (after 4 year UG) • Completed 4-year UG 	No Experience Required	630 to 690 Notional Hours of	90 hours	Completed 4 year UG degree	1200 hours
	<input type="checkbox"/> Completed 4-year UG	1 year relevant experience	Training OR For PG Students - 660 Hours of Internship + project work		OR Completed PG Diploma after 3 year degree OR completed	

	program				1 st year of 2 year PG program		
	• Completed 1st year of 2-year PG after 3-year UG degree						
	<input type="checkbox"/> Completed 3-years UG	2 year relevant experience					
	<input type="checkbox"/> Completed 2-year Diploma after 12th Grade (in any field)	3 years of relevant experience					
	<input type="checkbox"/> 12 Grade Pass with 2 years of any combination of NTC/NAC/CITS	3 years relevant experience					
	<input type="checkbox"/> Previous relevant Qualification of NSQF Level 6	1.5 years relevant experience					
Level 7 PG Engg	<input type="checkbox"/> Previous relevant Qualification of NSQF Level 5.5	3 years relevant experience	660 to 750 Notional Hours of Training OR For PG Students - 720 Hours of Internship + project work with Assessment	120 hours			
	<input type="checkbox"/> Pursuing PhD	No Experience Required					
	<input type="checkbox"/> Pursuing 2nd year of 2-year PG after 4 year UG program	No Experience Required					
	<input type="checkbox"/> Completed 2-year PG degree after 3-year UG	1 year relevant experience					
	<input type="checkbox"/> Completed 4-year UG degree	2 year relevant experience					
	<input type="checkbox"/> Completed 3-year UG degree	3 year relevant experience					
	<input type="checkbox"/> Previous relevant Qualification of NSQF Level 6.5	1.5 years relevant experience					
Level 8 PhD/ More than 19 years	<input type="checkbox"/> Previous relevant Qualification of NSQF Level 6	3 years relevant experience	750 onwards Notional Hours of Training OR 810 Hours of Internship & project	120 hours			
	<input type="checkbox"/> PhD in the relevant field	No Experience Required					
	<input type="checkbox"/> PhD in any field	1 year relevant experience					
	<input type="checkbox"/> 2-year PG in relevant field	3 year relevant experience					
	<input type="checkbox"/> 2-year PG in any field	4 year relevant experience					
	<input type="checkbox"/> 3-year UG in relevant field or 4-years UG	5 year relevant experience					
	<input type="checkbox"/> 3-year UG in any field	6 year relevant experience					
	<input type="checkbox"/> Previous relevant Qualification of NSQF Level 6.5	4.5 years relevant experience					
	<input type="checkbox"/> Previous relevant Qualification of NSQF Level 7	3 years relevant experience					

COL. GUNJAN CHOWDHARY, Secy.

[ADVT.-III/4/Exty./214/2025-26]